हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
www.ksnewsupdates.com
धनबाद, रविवार 20 जुलाई, 2025, वर्ष : 34, अंक : 115, मूल्य : 3 रूपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

You Tube
Subscribe
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

रांची के दो बिल्डरों के साथ बोकारो में लूट, अपराधियों ने पुलिस बनकर दिया घटना को अंजाम

बोकारो : राँची के दो बिल्डरों अभय सिंह और जय सिंह से अपराधियों ने बोकारो में 50 लाख रुपये लूट लिये। अपराधियों ने पुलिस की वर्दी पहनकर घटना को अंजाम दिया। यहां बदमाशों ने रांची के रहने वाले दो नामचीन बिल्डरों को अगवा कर उनसे 50 लाख रुपये लूट लिए. लूट की ये घटना जिले के चास मुफस्सिल थाना इलाके के अलकुशा मोड़ की है.

पीड़ित बिल्डरों का नाम अभय सिंह और जय सिंह है. लूट के बाद दोनों बिल्डर किसी तरह चैस मुफस्सिल थाना पहुंचे और अपहरण और 50 लाख की लूट की घटना को लेकर शिकायत दर्ज करवाई. पुलिस ने बिल्डरों की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है. इस पूरी घटना की जांच के लिए बोकारो जिले के एसपी ने एक विशेष जांच टीम गठित की है. जांच टीम ने घटना की जांच शुरू कर दी है.

ईडी ने गूगल और मेटा को भेजा नोटिस बेटिंग ऐप को प्रमोट करने का आरोप

नई दिल्ली : ऑनलाइन बेटिंग ऐप मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गूगल और मेटा को नोटिस भेजा है. सूत्रों के अनुसार दोनों पर बेटिंग एप को प्रमोट करने का आरोप. दोनों के प्रतिनिधियों को 21 जुलाई को पूछताछ के लिए बुलाया गया है

कार टकराई, 4 दोस्त जिंदा जले

कांकेर(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के आतुरगांव में एक कार पुल से जा टकराई, हादसे में 4 दोस्त जिंदा जल गए। 18 जुलाई की रात 1 बजे नेशनल हाईवे 30 पर यह हादसा हुआ। स्विफ्ट डिजायर कार में 6 युवक सवार थे, इनमें 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है सभी मूरवैंड से कांकेर की तरफ जा रहे थे। आतुरगांव के पास पुल निर्माण के कारण सडक़ डायवर्ट की गई है। तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर कार को नियंत्रित नहीं कर सका और पुल की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई। वहीं, युवकों के नशे में होने की भी बात सामने आई है।

अमेरिका में नहीं होगा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

अब ऑन-अराइवल वीजा वाले देश में होगा आयोजन

कुरुक्षेत्र(ईएमएस)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र के गीता ज्ञान संस्थानम् की ओर से मनाया जाना वाला अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव इस बार अमेरिका में नहीं मनाया जाएगा। अब संस्थान उन देशों की तलाश में है, जहां ऑन-अराइवल वीजा की सुविधा हो और आयोजन में कोई राजनयिक रुकावट न आए।गीता ज्ञान संस्थानम् के प्रमुख गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने बताया कि अमेरिका में गीता महोत्सव को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। वहां की कई संस्थाओं से बातचीत हो चुकी थी। अमेरिका में आधिकारिक और अनौपचारिक दोनों स्तरों पर आयोजन की सहमति मिल चुकी थी। लेकिन हाल के दिनों में अमेरिका में आंतरिक अशांति और वैश्विक कूटनीतिक के कारण वीजा को लेकर दिक्कतें सामने आईं। इसलिए अमेरिका में आयोजन को स्थगित किया गया है। स्वामी ज्ञानानंद ने बताया कि हालांकि, अगले साल अमेरिका में ही आयोजन करने की संभावना है, बशर्ते वहां की परिस्थितियां अनुकूल रहें। फिलहाल संस्था 2-3 ऐसे देशों से संपर्क में है, जहां वीजा आसानी से मिल सके। इसके लिए समय कम है, इसलिए ऐसे देशों को प्राथमिकता दी जा रही है जहां वीजा ऑन-अराइवल हो और वैश्विक या राजनयिक परेशानी न हो।

आईएएस पूजा सिंघल के खिलाफ नहीं मिली अभियोजन स्वीकृति

रांची : राज्य सरकार ने मनी लाउंड्रिंग के आरोपी आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति नहीं दी है. इडी ने सरकार से मनी लाउंड्रिंग के आरोपों के मद्देनजर अभियोजन स्वीकृति मांगी थी. 120 दिनों बाद भी सरकार से जवाब नहीं मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने पिटीशन दायर कर न्यायालय से सरकार की तरफ से जवाब नहीं मिलने को अभियोजन स्वीकृति मानने का अनुरोध किया है. इडी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में करीब पांच महीना पहले राज्य सरकार से पूजा सिंघल के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगी थी. नवंबर 2024 से पहले तक मनी लाउंड्रिंग के आरोप में किसी अधिकारी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सरकार से अभियोजन स्वीकृति लेने की जरूरत नहीं होती थी. इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी. सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई के बाद नवंबर 2024में दिये गये फैसले में सरकारी अधिकारियों के ख़िलाफ़ मुकदमा चलाने के लिए सरकार की अनुमति को आवश्यक बताया था.

बीजेपी सह हिंदू नेता भैरव सिंह को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रांची : बीजेपी सह हिंदू नेता भैरव सिंह को रांची पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया गया है. चुटिया थाना में पूर्व में दर्ज एक मामले में उनकी गिरफ्तारी की गई है. जानकारी के अनुसार, भैरव सिंह शनिवार को लड़की से जुड़े एक मामले को लेकर पंडरा ओपी का घेराव करने पहुंचे थे.

तभी चुटिया थाना की पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की. इसके बाद गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार करने के बाद भैरव सिंह को मेडिकल जांच के लिए सदर हॉस्पिटल ले जाया गया है. इसके बाद उसे जेल भेज दिया जायेगा.

हजारीबाग में आयरन फैक्ट्री में भट्टी ब्लास्ट, घायलों का इलाज जारी

हजारीबाग(ईएमएस)।हजारीबाग में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक आयरन फैक्ट्री में भट्टी फट जाने की घटना सामने आई है। घटना के बाद फैक्ट्री के बाहर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।मामला हजारीबाग के बरही इलाके का है। यहां एक फैक्ट्री में शनिवार को सुबह बड़ा ब्लास्ट हुआ। घटना की सूचना मिलने के बाद भारी भीड़ बाहर जमा हो गई लेकिन फैक्ट्री का गेट नहीं खोला गया। घटना की जानकारी पुलिस को मिली तो एक टीम पहुंची और गेट खुलवाया। इस हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। हादसे के बाद प्रशासन ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल प्रबंधन को अलर्ट किया है।यह वही फर्नेस है, जिसमें लोहा गलाया जाता है। घटना की सूचना पर विधायक मनोज यादव, एसडीओ जोहन टुडू, एसडीपीओ अजीत कुमार विमल तथा थानाप्रभारी इंस्पेक्टर आभाष कुमार फैक्ट्री पहुंचे। अधिकारियों ने ब्लास्ट हुए फर्नेस का निरीक्षण किया और वहां मौजूद मजदूरों से बातचीत की।मजदूरों ने बताया कि ब्लास्ट से किसी मजदूर की मौत नहीं हुई है और न ही कोई घायल हुआ है। तेज आवाज के साथ ब्लास्ट नहीं हुआ बल्कि फर्नेस पंक्चर हुआ था शिफ्ट में कितने मजदूर कार्यरत थे, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई।रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक की शिफ्ट में काम करने वाले मजदूर बाहर आ चुके थे। सुबह की शिफ्ट के मजदूर काम पर आ ही रहे थे कि इसी दौरान यह घटना हुई।एसडीओ जोहन टुडू, एसडीपीओ अजीत कुमार विमल और थानाप्रभारी इंस्पेक्टर आभाष कुमार ने कहा कि प्रथम दृष्टया किसी के मरने या घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन मामले की जांच-पड़ताल जारी है।

मुख्यमंत्री ने राजधानी रांची में तीन प्रमुख सड़क परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली स्थित झारखंड भवन में आयोजित बैठक में परियोजनाओं का किया गया विस्तृत प्रस्तुतीकरण

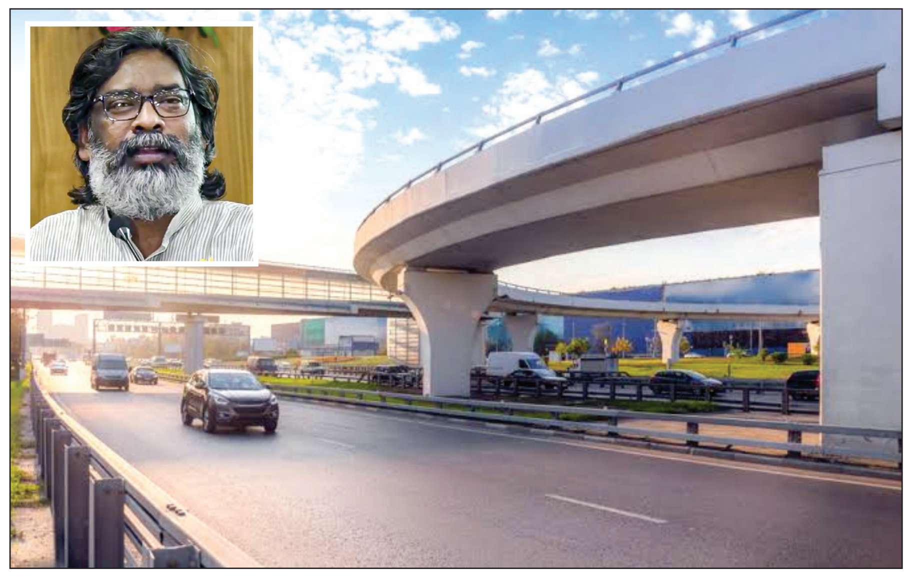

रांची(ईएमएस)। राजधानी रांची की यातायात व्यवस्था को सुचारु और अत्याधुनिक बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तीन प्रमुख सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार द्वारा नयी दिल्ली स्थित झारखंड भवन में आयोजित बैठक में इन परियोजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। यह बैठक लगभग साढ़े चार घंटे तक चली, जिसमें मुख्यमंत्री ने प्रत्येक प्रस्ताव का सूक्ष्म अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन परियोजनाओं की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट शीघ्र तैयार कर कार्यान्वयन की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि रांची की तरह अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी यातायात सुधार योजनाएं तैयार की जाएं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य राजधानी में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव को कम करना, नागरिकों को तीव्र, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल आवागमन की सुविधा देना है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि राज्य की राजधानी सहित अन्य प्रमुख शहरी क्षेत्रों को सुगम, सुरक्षित और स्मार्ट यातायात प्रणाली से जोड़ने की दिशा में सरकार प्रतिबद्ध है। हम ऐसी बुनियादी संरचनाएं तैयार कर रहे हैं, जो आने वाले वर्षों में नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप होंगी। मुख्यमंत्री की ओर स्वीकृत परियोजनाएं इस प्रकार है अरगोड़ा - कटहल मोड़ - चापू टोली एलिवेटेड फ्लाईओवर लंबाई : लगभग 1.75 किमी,ऊपरी फ्लाईओवर की चौड़ाई 10 मीटर,नीचे की सड़क की चौड़ाई 7 मीटर,दोनों तरफ ड्रेनेज सिस्टम, यूटिलिटी डक्ट, प्रकाश व्यवस्था, और नॉइज़ बैरियर रेलिंग लगाई जाएगी।नीचे की सड़क का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा।करमटोली मोराबादी साइंस सिटी फ्लाईओवर व रिंग रोड तक फोर लेन सड़क,फ्लाईओवर की लंबाई 2.2 किमी,ऊपर व नीचे की सड़क चौड़ाई 10 मीटर साइंस सिटी से रिंग रोड तक 5 किमी से अधिक लंबी फोर लेन सड़क बनाई जाएगी।यह मार्ग रांची को ट्रैफिक जाम से काफी राहत देगा।रांची रेलवे स्टेशन (पीछे) से एयरपोर्ट तक एलिवेटेड कॉरिडोर व फोर लेन सड़क,कुल लंबाई 4.7 किमी,एलिवेटेड सेक्शन, 800 मीटर।इस वैकल्पिक मार्ग से हटिया, बिरसा चौक, डोरंडा, हीनू आदि क्षेत्रों के लोगों को एयरपोर्ट व स्टेशन तक पहुंचने में कम दूरी और समय लगेगा।दोनों ओर फुटपाथ और कवर साइकिल ट्रैक रहेगा।ट्रैक के ऊपर सोलर पैनल लगे होंगे, जिससे सड़क अपने आप प्रकाशमान होगी।मार्ग पर बैठने की व्यवस्था (गजीबो, बेंच) और बेसिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।यह परियोजना ग्रीनफील्ड मॉडल पर आधारित होगी।

सारंडा में बनेगा राज्य का दसवां अभयारण्य

केंद्र सरकार करेगी आर्थिक सहायता , 13 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि जोड़ी गई

राज्य में पहले से नौ अभयारण्य मौजूद हैं

इनमें दलमा, पलामू टाइगर रिजर्व, हजारीबाग और कोडरमा प्रमुख है

रांची। राज्य में सारंडा में दसवां वन अभयारण्य बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। वन्य प्राणियों के संरक्षण और वनस्पतियों के संवर्धन में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय का भी सहयोग मिलेगा।

राज्य सरकार ने सारंडा में लौह अयस्क समेत अन्य खनन गतिविधियों के लिए वनक्षेत्र की सीमा तय कर दी है। 57,519.41 हेक्टेयर वनभूमि में राज्य सरकार ने वाइल्ड लाइफ सेंचुरी (वन्य अभयारण्य) बनाने की योजना बनाई है।

बता दें कि पूर्व में राज्य सरकार ने 31,468.25 हेक्टेयर क्षेत्र में ही अभयारण्य बनाने की योजना बनाई थी, इसे अब विस्तारित किया गया है। वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के लिए देहरादून स्थित वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट को अधियाचना भेजी गई है। केंद्र सरकार के इस प्रतिष्ठान में सारंडा वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के लिए विशेषज्ञों से सलाह ली जा रही है। केंद्र सरकार नए बनने वाले सेंचुरी के लिए आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराएगी।

पहले से मौजूद हैं नौ अभयारण्य

राज्य में पहले से नौ अभयारण्य मौजूद हैं। इनमें दलमा, पलामू टाइगर रिजर्व, हजारीबाग और कोडरमा प्रमुख है। सारंडा में दसवें अभयारण्य बनाने के लिए 13 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि जोड़ी गई है। इस वन क्षेत्र में हाथियों का सदियों से अधिवास रहा है।

हाल ही में पलामू टाइगर रिजर्व में आए बाघ ने लंबे समय तक सारंडा क्षेत्र में प्रवास किया है। ऐसे में यहां टाइगर रूट रहने की संभावना भी तलाशी जा रही है।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला मेक इन इंडिया' के नाम पर हम सिर्फ असेंबली कर रहे

आईफोन से लेकर टीवी तक के पुर्ज़े विदेश से आते

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत को असेंबली लाइन से आगे निकलकर एक सच्ची विनिर्माण शक्ति बनाने के लिए ज़मीनी स्तर पर बदलाव की ज़रूरत पर ज़ोर देकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेक इन इंडिया के नाम पर भारत सिर्फ उत्पादों की असेंबली कर रहा है, उनका सही मायने में निर्माण नहीं किया जा रहा है। राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा कि भारत में बनने वाले ज़्यादातर टीवी के 80 प्रतिशत कलपुर्जे चीन से आते हैं। उन्होंने बताया कि नीति और समर्थन की कमी, भारी कर और निगमों का एकाधिकार, उन छोटे उद्यमियों को रोक रहे हैं जो विनिर्माण करना चाहते हैं। राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर सवाल उठाकर कहा कि मेक इन इंडिया' के नाम पर हम सिर्फ असेंबली कर रहे हैं, असली मैन्युफैक्चरिंग नहीं। आईफोन से लेकर टीवी तक के पुर्ज़े विदेश से आते हैं, हम बस जोड़ते हैं। छोटे उद्यमी निर्माण करना चाहते हैं, लेकिन न नीति है, न सपोर्ट। उल्टा, भारी टैक्स और चुने हुए कॉरपोरेट्स का एकाधिकार, जो कि देश के उद्योग को जकड़ रखा है।

जब तक भारत उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं बनता, रोज़गार, विकास और मेक इन इंडिया की बातें सिर्फ भाषण रहेंगी।

गरीब रथ एक्सप्रेस के इंजन में लगी आग लोको पायलट की सतर्कता से टला हादसा

जयपुर,(ईएमएस)। राजस्थान में शनिवार तड़के एक बड़ा रेल हादसा उस समय टल गया जबकि गरीब रथ एक्सप्रेस (12216) के इंजन में अचानक आग लग गई। यह घटना 19 जुलाई की सुबह करीब 3 बजे सेंदड़ा (ब्यावर) रेलवे स्टेशन के पास हुई, जब ट्रेन मुंबई के बांद्रा स्टेशन से दिल्ली के सराय रोहिल्ला जा रही थी।

जानकारी अनुसार ट्रेन में उस वक्त 500 से अधिक यात्री सवार थे। लोको पायलट को इंजन के पिछले हिस्से से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद उन्होंने तुरंत ट्रेन को रोका और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। रेल अधिकारियों को तत्काल सूचना दी गई और राहत कार्य शुरू कर दिए गए। रेलवे प्रवक्ता के अनुसार प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आग लगने का कारण तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट से हो सकता है। राहत की बात यह रही कि आग डिब्बों तक नहीं पहुंची और सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

पीएम मोदी अगले हफ्ते यूके और मालदीव की यात्रा करेंगे, व्यापार समझौते पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर चार दिवसीय विदेश यात्रा पर जाएंगे। वे अगले सप्ताह ब्रिटेन और मालदीव की यात्रा करेंगे। इस दौरान व्यापार समझौते और रिश्तों को बढ़ावा देने पर फोकस किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का पहला चरण 23-24 जुलाई को यूनाइटेड किंगडम होगा, जहां वे ऐतिहासिक भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। यह समझौता टैरिफ में कमी करके ब्रिटेन को होने वाले 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा। इससे भारत को भी फायदा होगा और व्हिस्की और कारों जैसे ब्रिटिश निर्यात सुगम होंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी 25-26 जुलाई को मालदीव की यात्रा करेंगे, जहां वे 60वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। मोहम्मद मुइज्ज़ू सरकार के कार्यकाल में यह यात्रा इसलिए भी अहम है, क्योंकि यह मालदीव में कुछ नेताओं की ओर से भारत विरोधी बयानबाजी और अभियानों के कारण हाल ही में दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव के बाद पहली बार हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पिछली मालदीव यात्रा जून 2019 में हुई थी।

अगले महीने चीन जा सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी

चीन के तियानजिन शहर में 25वां शिखर सम्मेलन होना है। इसके अगस्त में होने का प्रस्ताव है। इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अगले महीने प्रधानमंत्री मोदी भी चीन जा सकते हैं।

भारतीय नौसेना को मिला आईएनएस निस्तार यह आत्मनिर्भर भारत का उदाहरण

10500 टन है वहन, 120 मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय नौसेना को एक नया जहाज मिल गया है। इस जहाज का नाम आईएनएस निस्तार है। यह गहरे समुद्र में गोता लगाने और पनडुब्बियों को बचाने में मदद करेगा। इसे हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड ने बनाया है। यह हिंद महासागर में भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाएगा। नौसेना ने ऐसे दो जहाज बनाने का ऑर्डर दिया था। निस्तार उनमें से पहला है। इसका दूसरा जहाज निपुण 2022 में लॉन्च किया जा चुका है। सबसे बड़ी बात यह है कि निस्तार भारत में ही बना है और यह आत्मनिर्भर भारत का एक उदाहरण है।

आईएनएस निस्तार से पता चलता है कि भारत अब अपने जहाजों को खुद बनाने में आगे बढ़ चुका है। यह देश की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। पहले निस्तार नाम का एक जहाज सोवियत संघ से खरीदा गया था। वह 1971 में नौसेना में शामिल हुआ था और 1989 तक काम करता रहा। उसने कई बचाव कार्यों में मदद की थी। नया निस्तार कई खासियतों के साथ बिल्कुल अलग है। इसमें लगा 80 फीसदी से ज्यादा सामान भारत में ही बना है और इसे बनाने में 120 से ज्यादा छोटी कंपनियों ने मदद की है। बता दें यह भारत में बना पहला ऐसा जहाज है जो गोता लगाने में और काफी गहराई में पनडुब्बियों को बचाने में मदद करता है। यह आत्मनिर्भर भारत का एक उदाहरण है, यानी इसका मतलब है कि भारत अब अपनी जरूरत का सामान खुद बना सकता है। एडमिरल त्रिपाठी के मुताबिक आईएनएस निस्तार 10500 टन का है और यह करीब 120 मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा है। यह 60 दिनों तक समुद्र में रह सकता है। यह पुराने वाले जहाज से बहुत ताकतवर है क्योंकि पुराना निस्तार सिर्फ 800 टन का था। इसमें हवा और पानी दोनों से गोता लगाने की व्यवस्था है। इसमें पानी के अंदर चलने वाले रोबोट और सोनार भी हैं। सोनार एक ऐसा उपकरण है जो पानी में चीजों को ढूंढने में मदद करता है। निस्तार एक बड़े बचाव वाहन का घर भी होगा। इसमें खास तरह के मेडिकल उपकरण भी हैं जो पानी के अंदर काम करने वालों के लिए जरूरी हैं। निस्तार में एक ऑपरेशन थिएटर, एक आईसीयू और 8 बेड वाला अस्पताल भी है। यह भारत को हिंद महासागर में और भी मजबूत बनाएगा। इसमें खास तरह के मेडिकल उपकरण भी हैं जो पानी के अंदर काम करने वालों के लिए जरूरी हैं।

उन्होंने बताया कि यह भारत को हिंद महासागर में और भी मजबूत बनाएगा। निस्तार में 15 टन का एक क्रेन भी है जो समुद्र के अंदर काम कर सकता है। यह हेलीकॉप्टर को भी उतरने में मदद कर सकता है। भारतीय नौसेना ने 2018 और 2019 में ब्रिटेन की कंपनी से दो डीएसआरवी खरीदे थे। इनमें से एक निस्तार और दूसरा निपुण के लिए है। निस्तार को नौसेना में शामिल करना भारत के लिए एक बड़ी बात है। इससे भारत गहरे समुद्र में और भी बेहतर तरीके से काम कर पाएगा। नौसेना अपनी पनडुब्बियों की संख्या बढ़ा रही है। इसलिए गहरे समुद्र में काम करने के खतरे भी बढ़ रहे हैं। इन खतरों से निपटने के लिए निस्तार जैसे जहाज जरूरी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि 2018-19 में दो डीएसआरवी को शामिल करने के बाद, भारत उन 12 देशों में शामिल हो गया जिनके पास ये खास क्षमताएं हैं। नौसेना डीएसआरवी को तैनात करने के लिए किराए के जहाजों का इस्तेमाल करती थी। इससे तुरंत मदद पहुंचाना मुश्किल होता था। निस्तार और निपुण इस समस्या को दूर करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

पांडेय गिरोह के चार अपराधी अरेस्ट ठेकेदार व मुंशी को दी थी धमकी

रामगढ़(ईएमएस)।रामगढ़ पुलिस ने पांडेय गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इन अपराधियों ने भुरकुंडा स्थित जुबली कॉलेज में भवन का निर्माण करा रहे ठेकेदार व मुंशी को गोली मारने की धमकी देकर रंगदारी की मांग की थी। गिरफ्तार अपराधियों में शुभम कुमार सिंह, धरम करमाली, श्रवण कुमार व विशाल सिंह शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से हथियार भी बरामद किए हैं।रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बीते 12 जुलाई को अपराधियों ने जुबली कॉलेज में भवन निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार व मुंशी को गोली मारने की धमकी देते हुए उनसे रंगदारी की मांग की थी, जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई।एसपी ने बताया कि 19 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली कि जुबली कॉलेज भवन के कार्य को रुकवाने और मुंशी को गोली मारने की धमकी देने वाले अपराधी एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं।वे संगठित होकर निर्माण स्थल पर जाकर रंगदारी वसूलने और फायरिंग कर दहशत फैलाने की योजना बना रहे है।इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम ने छापेमारी कर चारों अपराधियों को धर दबोचा।पुलिस की पूछताछ में सभी ने स्वीकार किया कि वे पांडेय गिरोह के सदस्य हैं।वे पांडेय गिरोह के ओमप्रकाश साव व अन्य के कहने पर रंगदारी वसूलने और दहशत फैलाने के इरादे से निर्माण स्थल पर आए थे।पुलिस की इस कार्रवाई से रामगढ़ में सक्रिय अपराधी गिरोहों को बड़ा झटका लगा है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों को पकड़ने की कार्रवाई में जुट गई है।

गुमला में नाबालिग के साथ दुष्कर्म मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

गुमला(ईएमएस)।गुमला सदर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है।पुलिस ने घटना में शामिल तीन आरोपियों अनूप उरांव, पंकज उरांव व बलराम महतो को गिरफ्तार कर लिया है। गुमला एसडीपीओ ने बताया कि लड़की को सुनसान जगह पर अकेली पाकर तीनों युवकों ने उसे पकड़ लिया और झाड़ी में लेजाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।उनलोगों ने पीड़िता को घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर छोड़ दिया।पीड़िता ने घर पहुंचकर मामले की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद परिजन उसे लेकर थाना पहुंचे और लिखित शिकायत की।पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को दबोच लिया।पुलिस की पूछताछ में तीनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।तीनों को जेल भेज दिया गया।

स्मार्ट सिटी परियोजना की जमीन के म्यूटेशन की प्रक्रिया जल्द होगी शुरू

रांची(ईएमएस)।राजधानी रांची में विकसित हो रहे स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को जमीन संबंधी बाधाओं से जल्द ही राहत मिलने वाली है।स्मार्ट सिटी के तहत विकसित किए जा रहे एरिया बेस्ड डेवलपमेंट क्षेत्र की 618.92 एकड़ भूमि की म्यूटेशन प्रक्रिया शीघ्र शुरू होने जा रही है।सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में गत 17 जून को मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में लिए गए निर्णयों की आधिकारिक कार्यवाही रिपोर्ट (प्रोसिडिंग) अब नामकुम के अंचल अधिकारी (सीओ) को भेज दी गई है, जिससे प्रक्रिया को औपचारिक रूप से आगे बढ़ाया जा सके।बैठक में जिन बिंदुओं पर विचार हुआ उनमें एरिया बेस्ड डेवलपमेंट क्षेत्र की 618.92 एकड़ भूमि के स्वामित्व निर्धारण एवं दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) प्रक्रिया, एचईसी लिमिटेड से संबंधित 9.22 एकड़ और 28.16 एकड़ भूमि के हस्तांतरण में आ रही बाधाएं,25 विस्थापित परिवारों के पुनर्वास की स्थिति और समाधान जैसे मुद्दे शामिल थे। बैठक में जिला प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि 618.92 एकड़ में से रैयती भूमि को छोड़कर बाकी जमीन का अभी तक लगान (भूमिकर) निर्धारण नहीं हुआ है। इसलिए, म्यूटेशन की प्रक्रिया सबसे पहले एचईसी लिमिटेड के नाम पर की जाएगी।कागजी प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट है।स्मार्ट सिटी निगम की ओर से जिला प्रशासन को लगान निर्धारण को लेकर पहले ही पत्र भेजा जा चुका है। रैयती ज़मीनों की म्यूटेशन प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल पर एचईसी लिमिटेड के नाम दर्ज करते हुए जल्द शुरू की जाएगी।

धनबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से 12 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

धनबाद(ईएमएस)।धनबाद आरपीएफ, जीआरपी व सीआईबी की टीम ने धनबाद रेलवे स्टेशन पर गांजा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।टीम ने वाराणसी-सारनाथ एक्सप्रेस ट्रेन में छापेमारी कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 12.1 किलो गांजा बरामद किया गया। जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 1.81 लाख रुपए है।गिरफ्तार तस्करों की पहचान मंटू कुमार और टुनटुन कुमार के रूप में हुई।दोनों बिहार के रोहतास जिले के रहने वाले हैं।यह जानकारी धनबाद के डिप्टी एसआरपी जेपी गुप्ता ने शनिवार को प्रेसवार्ता में दी।उन्होंने बताया कि गिरोह के तीसरे सदस्य देवराज चौहान को कोडरमा जीआरपी ने गिरफ्तार किया है.उसके पास से भी 5 किलो गांजा जब्त किया गया है। टीम ने ट्रेन के एस टेन कोच में संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर दो लोगों को पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके पास से एयरटाइट प्लास्टिक पैकिंग में रखा गांजा, महंगे मोबाइल फोन, कपड़े, एटीएम कार्ड व नकद रुपए बरामद कि गए।डिप्टी एसआरपी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में की गई छापेमारी में भारी मात्रा में गांजा व शराब पकड़ी गई है।हाल ही में 28 किलो व 20 किलो गांजा के साथ चार तस्करों को पकड़ा गया था।उन्होंने कहा कि आरपीएफ और जीआरपी का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

किसान दिवस के मौके पर खूंटी में किसानों को किया गया सम्मानित

खूंटी(ईएमएस)।खूंटी जिले के उर्सुलाइन विद्यालय सभागार में शनिवार को किसान दिवस सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।किसान सम्मान समारोह में प्रगतिशील किसानों और लखपति दीदियों को चेक, कृषि ऋण और उन्नत कृषि तकनीक संयंत्र प्रदान किए गए। साथ ही कई लाभुकों को केसीसी ऋण और ट्रैक्टर की चाबियां सौंपी गई। किसान दिवस के मौके पर प्रगतिशील किसानों को 2 करोड़ की राशि का चेक और उन्नत कृषि तकनीक परिसंपत्तियों का वितरण एक सौ लाभुकों के बीच किया गया। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया के राज्य स्तरीय बीओआई के कार्यालय प्रबंधक ने बैंकों द्वारा किसानों को दी जाने वाली कृषि ऋण, केसीसी समेत विभिन्न कृषि संबंधी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही के केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली कृषि योजनाओं संबंधी ऋण की विस्तृत जानकारी साझा की।किसान दिवस पर उपस्थित किसानों ने बैंक द्वारा दिए जाने वाले ऋण को किसानों की आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बेहतर बताया और खूंटी में बड़ी संख्या में किसान लखपति किसान बन गए हैं। अब खूंटी में ड्रैगन फ्रूट, स्ट्राबेरी, स्वीट कॉर्न और लाह की खेती से सालाना 5 लाख से ऊपर की आमदनी करने लगे हैं।इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया के बैंक ऑफ इंडिया के राज्य कार्यालय के प्रबंधक, क्षेत्रीय प्रबंधक, जिले के अन्य बैंकों के प्रबंधक समेत अन्य वरीय पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जेएसएलपीएस की डीपीएम समेत प्रगतिशील किसान शामिल रहे।

सरायकेला में पांच अपराधी गिरफ्तार, सोना, चांदी, नकदी और गाड़ी बरामद

सरायकेला(ईएमएस)।सरायकेला जिले के आदित्यपुर थाना पुलिस ने बीते 8 जुलाई को थाना क्षेत्र के रोड नंबर 6 निवासी संजय कुमार मोदी के घर का ताला तोड़कर 20 हजार रुपये नकद, 30 ग्राम सोने के आभूषण, 522 ग्राम चांदी के आभूषण और सिक्के तथा मारुति आल्टो कार चोरी के मामले का खुलासा करते हुए पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में संजय गोराई उर्फ कैलाश, जावेद अंसारी उर्फ लालटू, रोहित कर्मकार उर्फ सिफुल लोहार, कुश कुमार सोनी और पंकज कुमार वर्मा शामिल हैं।पुलिस ने इनके पास से गलाया हुआ सोना 35.25 ग्राम जिसकी कीमत 3 लाख 75 हजार रुपये, चांदी के सिक्के व आभूषण 268.91 ग्राम, कीमत करीब 33 हजार रुपये, 8 हजार रुपये नकद और चोरी गई मारुति आल्टो कार बरामद किया है। एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों पर पूर्व में भी चोरी, लूट और एनडीपीएस एक्ट के कई मामले दर्ज हैं।पूछताछ के बाद सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम को लिखा पत्र

लघु वनोपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि करने की रखी मांग

रांची(ईएमएस)।झारखंड की कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य में यथोचित वृद्धि करने की पहल की है।कृषि मंत्री ने इसको लेकर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम को पत्र लिखा है।पत्र के माध्यम से मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने केंद्रीय मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए लिखा है कि झारखंड की एक बड़ी आबादी कृषि एवं वनोपज आधारित उत्पादों पर निर्भर है। राज्य में लाह , करंज के बीज,महुआ,साल बीज, जंगली शहद,चिरौंजी जैसे वनोपज पर बड़ी आबादी की निर्भरता है। विशेष रूप से आदिवासी समाज के साथ साथ समाज के वंचित वर्ग के लिए ये आय का मुख्य श्रोत भी है।झारखंड राज्य के ये वनोपज आर्थिक संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हुए पर्यावरण संवेदनशीलता और जैविक कृषि को बढ़ावा देने में भी सहायक सिद्ध हो रहे हैं। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने लिखा है कि लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण एवं क्रियान्वयन जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित योजना के अंतर्गत किया जाता है।लेकिन यह देखा गया है कि इन उत्पादों के लिए निर्धारित एमएसपी वर्तमान बाजार मूल्य से काफी कम है।ऐसा होने से वनोपज पर निर्भर आदिवासी समुदाय को पर्याप्त लाभ नहीं मिल पा रहा है।उदाहरण के तौर पर कुसमी लाह का एमएसपी 275 रुपए किलो है जबकि बाजार भाव 730 से 750 रुपए किलो है।जंगली शहद का एमएसपी 225 रुपए किलो है जबकि बाजार भाव 600 से 800 रुपए किलो है।चिरौंजी का एमएसपी 126 रुपए किलो है जबकि बाजार भाव 250 से 300 रुपए किलो है।इसी तरह महुआ के फूल का एमएसपी 30 रुपए किलो है जबकि बाजार भाव 45 से 60 रुपए किलो है।करंज के बीज का एमएसपी 22 रुपए किलो है जबकि बाजार भाव 40 से 48 रुपए किलो है। साल बीज का एमएसपी 20 रुपए किलो है जबकि बाजार भाव 25 से 30 रुपए किलो है।कृषि मंत्री का केंद्रीय मंत्री से अनुरोध करते हुए लिखा है कि लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य का पुनः निर्धारण वैज्ञानिक विधि और वर्तमान बाजार विश्लेषण के आधार पर किया जाए।लघु वनोपज के एमएसपी में यथोचित वृद्धि की जाए,जिससे आदिवासी समुदायों को उनके श्रम का न्यायोचित मूल्य प्राप्त हो सके।लघु वनोपज के मूल्य निर्धारण प्रक्रिया में कृषि मंत्रालय के विशेषज्ञों को परामर्श हेतु सम्मिलित किया जाए।जिससे फसल चक्र,भंडारण और विपणन जैसे पहलुओं पर समन्वय सुनिश्चित हो सके।राज्यों के सहयोग से एक केंद्रीयकृत मूल्य मॉनिटरिंग प्रणाली विकसित किया जाए। जिससे लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी हो सके।पत्र के अंत में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने लिखा है कि जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा इस दिशा में शीघ्र करवाई होने से ना केवल आदिवासी समुदायों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी बल्कि आदिवासी बहुल राज्यों में सतत् कृषि विकास के साथ साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

रांची में सामने आए चार साइबर ठगी के मामले, सेना का अफसर बना लगाया 3.91 लाख का चूना

रांची (ईएमएस)। रांची में साइबर अपराधी नए-नए बहाने बनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं और पुलिस को उन्हें नियंत्रित करने में विफल साबित हो रही है। हाल ही में साइबर ठगी के चार मामले सामने आए हैं, जिसमें लाखों रुपये की ठगी हुई है। पीड़ितों ने शिकायतें दर्ज कराई हैं और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, लेकिन ठगों का कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया है। पहले मामले में संदीप सिंह (47, अयोध्यापुरी रोड नंबर 3) ने 1.60 लाख की ठगी का मामला दर्ज कराया है। उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को रिश्तेदार बताकर कहा कि उसका दोस्त रिम्स अस्पताल में भर्ती है और तत्काल ऑपरेशन के लिए पैसों की मदद चाहिए। ठग ने पीड़ित संदीप को विश्वास दिलाया कि वह पहले 51,000 और 49,000 भेज रहा है जो उनके खाते में क्रेडिट हो जाएंगे। इसके बाद उसने क्यूआर कोड स्कैन कर मरीज को राशि ट्रांसफर करने को कहा। संदीप ने भरोसा कर अपने और अपने बेटे यशोदीप सिंह के बैंक खातों से कुल 1.60 लाख भेज दिए। इसके बाद में उन्हें पता चला कि उनके खाते में कोई पैसा नहीं आया था। दूसरे मामले में सुमन कुमार ने 3.91 लाख की ठगी का मामला दर्ज कराया है। वह कार देखो डॉट कॉम वेबसाइट पर सेकंड हैंड कार तलाश रहे थे। जब उन्हें एक कार पसंद आई और उन्होंने उसमें रुचि दिखाई, तब उसी रात उनके व्हाट्सएप नंबर पर कार और आरसी बुक की तस्वीरें भेजी गईं। फोटो भेजने वाले ने खुद को राजेश कुमार नामक एक सेना अफसर बताकर कहा कि कार कोलकाता के दमदम एयरपोर्ट पर है और मिलिट्री ट्रांसपोर्ट के जरिए होम डिलीवरी की जाएगी।

इसके बाद ठग ने पैसे ले लिए, लेकिन कोई कार नहीं मिली।

वहीं तीसरे मामले में मुनीष कुमार ने अपने खाते से 1.88 लाख की निकासी का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि बाजार करते समय उनका मोबाइल गिर गया था। मोबाइल खोते ही उनके खाते से पैसे निकलने लगे और तुरंत ही पूरी राशि निकाल ली गई। वहीं चौथे और आखिरी मामले में कृष्ण कांत पाठक ने 1 लाख की ठगी का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि श्रवण कुमार ने उन्हें फोन कर भावनात्मक रूप से झांसे में लेकर 1 लाख ले लिए। पैसे लेने के बाद संपर्क करना छोड़ दिया।

स्वास्थ्य मंत्री के बेटे के पोस्ट पर मचा बवाल, डिलीट किये सभी पोस्ट

रांची(ईएमएस)।स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी के बेटे कृष अंसारी का हॉस्पिटल निरीक्षण करना महंगा पड़ गया। ऐसा सियासी बवाल मचा कि कृष अंसारी को अपने सोशल मीडिया अकाउंड (इंस्टाग्राम) से सारा पोस्ट डिलीट करना पड़ा।इसके बाद डॉ इरफान अंसारी ने अपने बेटे के पक्ष में सोशल मीडिया में एक भावुक पोस्ट भी लिखा, जिसमें कहा कि कृष बार-बार मुझसे एक ही सवाल कर रहा है – पापा, क्या लोगों की मदद करना गुनाह है? क्या किसी की तकलीफ देखकर मदद करना नेतागिरी कहलाता है? यह सवाल मुझे भीतर तक तोड़ देता है। मेरा बेटा न तो किसी किसान को गाड़ी से कुचलता है और न ही सत्ता के नशे में इंसानियत भूल जाता है। उसने तो बस एक बीमार को देखा और मदद की. कृष का मन टूटा हुआ है, लेकिन उसके इरादे मजबूत हैं।वहीं अपने इंस्टाग्राम पोस्ट को डिलीट करने के बाद कृष अंसारी ने अपने स्टेटस पर अंग्रेजी में एक संदेश लिखा है जो इस प्रकार है, मैं फ़िलहाल अपनी सारी पोस्ट हटा रहा हूं। हां, मुझे वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियों और मीडिया के कुछ हिस्सों से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है।एक बात साफ कर दूं- मेरी पोस्ट का उद्देश्य किसी को बदनाम करना या भड़काना नहीं था। मैंने जमीनी हक़ीकत और उन सार्वजनिक मुद्दों को उजागर किया जिनसे लोग रोज जूझ रहे हैं।मैंने जो कुछ भी शेयर किया, वह सार्वजनिक, वास्तविक और तथ्यात्मक था, चाहे वह खाद्य वितरण हो या जमीनी चिंताएं।कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं था, कोई गलत सूचना नहीं थी, कोई सार्वजनिक स्टंट नहीं था, बस मदद करने, जागरूकता बढ़ाने और उन लोगों के साथ खड़े होने का इरादा था, जिनकी अक्सर कोई सुनवाई नहीं होती।

ओबीसी आरक्षण नहीं देना चाहते हैं झामुमो कांग्रेस : सुदेश महतो

रांची। आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने झारखंड में नगर निकाय चुनाव न कराने पर झारखंड हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी को लेकर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। श्री महतो ने कहा कि झामुमो–कांग्रेस की सरकार पिछड़ों को आरक्षण नहीं देना चाहती। साथ ही स्थानीय निकायों को अफसरों के भरोसे चलाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट की टिप्पणी से स्पष्ट हो गया कि झामुमो और कांग्रेस को लोकतांत्रिक मूल्यों में भरोसा नहीं।श्री महतो ने कहा कि झामुमो–कांग्रेस नगर निकाय में ओबीसी को आरक्षण नहीं देना चाहते और इसे टालने का बहाना ढूंढते रहते हैं। राज्य सरकार गंभीर रहती तो काफी पहले ट्रिपल टेस्ट करवा कर नगर निकाय चुनाव करवा सकती थी।

उपायुक्त ने का पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

पलामू(ईएमएस)। जिले की उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस शनिवार को पांकी पहुंची। यहां उन्होंने सर्वप्रथम पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों एवं कर्मियों का बायोमैट्रिक अटेंडेंस,दवा भंडारण,अटेंडरों के बैठने वाले स्थानों,कोल्ड चेन का मेंटेनेंस,प्रसव गृह की स्थिति,जन औषधि केंद्र,बाथरूम की साफ सफाई,बिजली उपकरणों की स्थिति एक्स-रे मशीन से किये जा रहे एक्स-रे आदि की जांच की।इस दौरान उन्होंने डेंटल ओपीडी में डेंटल एक्स-रे मशीन और आई ओपीडी में रीफरैक्शन मशीन की खरीद करने की बात कही।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधितों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रत्येक वार्ड एवं बाथरूम का विशेष साफ-सफाई कराने के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि मॉनसून में सर्पदंश के मामले अधिक आते हैं।ऐसे में पर्याप्त संख्या में एंटीवेनम तैयार रखें ताकि सर्पदंश के मरीजों को मेदिनीनगर जाने की आवश्यकता ना पड़े,उनका समय बचे व तत्काल पांकी में इलाज सुनिश्चित हो।मौके पर उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी,सिविल सर्जन डॉ अनिल समेत अन्य उपस्थित रहे।पांकी पहुंची उपायुक्त द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका अवासीय विद्यालय का भी निरीक्षण किया गया।इस दौरान डीसी सीधे बच्चियों के क्लासरूम पहुंची,उनसे सवाल-जवाब कर पढ़ाई के स्तर की जांच की।होस्टल की जांच के दौरान बच्चियों द्वारा रूम में पंखा नहीं होने को रेखांकित किया,बताया गया कि डबल डेकर बेड होने के कारण एहतियातन पंखा हटाया गया है,इसपर डीसी ने वाल पंखा लगाने की बात कही।वहीं होस्टल में पर्याप्त रोशनी नहीं होने संबंधी विषय पर डीसी द्वारा वार्डन से कारण पूछा गया,बताया गया कि होस्टल में कुछ निर्माण कार्य होने के कारण यह अस्थाई व्यवस्था है।इसी तरह डीसी ने अभ्यास पुस्तिका समेत छात्रों के बीच किए जाने वाले किट वितरण की जानकारी ली।उपायुक्त ने किचन का भी जायज़ा लिया,इस दौरान उन्होंने मेन्यू पर होने वाले खर्च की विवरणी की मांग की साथ ही छात्रों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही भोजन कराने पर बल दिया।इसके पश्चात डीसी ने पांकी जलापूर्ति का भी निरीक्षण किया।यहां ग्रामीणों ने उपायुक्त से प्रतिदिन जलापूर्ति नहीं होने के संबंध में शिकायत की गयी।इस पर एजेंसी द्वारा बताया गया कि नियमित विद्युत आपूर्ति नहीं होने के कारण कभी-कभी जलापूर्ति बाधित हो जाती है।इसपर उपायुक्त ने एजेंसी के प्रतिनिधि को विद्युत विभाग के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रतिदिन जलापूर्ति सुनिश्चित करने की बात कही।उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता को पांकी में प्रतिदिन नियमित जलापूर्ति हो,इस दिशा में सभी आवश्यक कार्य करने को लेकर निर्देशित किया।मौके पर उप विकास आयुक्त,पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता,सहायक एवं कनीय अभियंता उपस्थित रहे।

झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार
बोकारो प्रक्षेत्र, बियाडा भवन, बालीडीह, बी0एस0सिटी0–14
Email.mdbiadabokaro@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सर्वश्री हिन्द इंजीनियरिंग वर्क्स, प्लॉट सख्या–B-24(P), रकवा– 0.25 एकड़, कान्द्रा औद्योगिक क्षेत्र, गोबिंदपुर, धनबाद के स्वत्वाधिकारी श्री राणा रवि सिंह, पिता–श्री आर0जे0सिंह द्वारा प्राप्त प्रस्ताव के आलोक में अपने इकाई को सुचारू रूप से चलाने में असमर्थ हैं। इकाई को सुचारू रूप से चलाने हेतु सर्वश्री श्याम इंटरप्राईजेज के स्वत्वाधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल, पिता–स्व0 नन्द किशोर अग्रवाल के नाम से स्वामित्व परिवर्तन किया जाना है। इकाई का नाम सर्वश्री हिन्द इंजीनियरिंग वर्क्स से बदल कर सर्वश्री श्याम इंटरप्राईजेज में परिवर्तित किया जाना है।

अतः उपर्युक्त प्रस्ताव पर किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 10 दिनों के अन्दर अपना लिखित आपत्ति दर्ज करें अन्यथा निर्धारित समय अवधि समाप्ति के उपरांत प्रस्ताव पर अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

क्षेत्रीय उप निदेशक,
जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र

PR 357714 Industries(25-26)#D

जिला भू–अर्जन कार्यालय, जामताड़ा।

आम सूचना

जामताड़ा जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या 419 में कि.मी. 11.069 से कि.मी. 11.700 पथांश अन्तर्गत चितरंजन (ग्राम–कानगोई) में एक अदद ROB निर्माण के प्रयोजनार्थ ग्राम–कानगोई, थाना संख्या–16, कुल रकवा 3.47 एकड़ (जिला जामताड़ा) के भू–अर्जन के एवज में मुआवजा राशि प्राप्ति हेतु निम्नांकित रैयतों / पंचाटियों के द्वारा दावा / अभिश्रव समर्पित नहीं किया गया है।

क्र0	अर्जनाधीन भूमि का क्षेत्रफल: खाता सं0	खेसरा सं0	रकवा (एकड़)	रैयतों का नाम	संबंधित पिता / पति का नाम
1	50/1	1056	0.06	रमेश राय	पिता स्व0 राजन राय
2	50/1	1056	संख्वना	श्री मानिक माजि	पिता स्व0 अनील कुमार माजि।
3	50	1061	0.05	कल्पना माजि	पति स्व0 हिरालाल माजि
4	50	1061	0.05	कालाचाँद माजि	माता स्व0 कुदुरा बाला माजि
5	50	1177	0.54	कल्पना माजि	पति स्व0 हिरालाल माजि
6	50	1182	0.62	कल्पना माजि	पति स्व0 हिरालाल माजि
7	34	525	0.09	नारायण राय	पिता स्व0 हाराधन राय।
8	22	529	0.01	जामिनी गोराई	पिता स्व0 जानकि मंडल।
9	22	529	0.01	भरत गोराई	पिता स्व0 जानकि मंडल।
10	22	529	0.01	शरत गोराई	पिता स्व0 जानकि मंडल।
11	22	529	0.01	लखन गोराई	पिता स्व0 जानकि मंडल।
12	22	993	0.24	जामिनी गोराई	पिता स्व0 जानकि मंडल
13	22	993	0.24	भरत गोराई	पिता स्व0 जानकि मंडल
14	22	993	0.24	शरत गोराई	पिता स्व0 जानकि मंडल
15	22	993	0.24	लखन गोराई	पिता स्व0 जानकि मंडल
16	22	993	0.24	मदन गोराई	पिता स्व0 भूरू गोराई
17	22	993	0.24	मंजु गोराई	पिता स्व0 फटिक गोराई
18	22	993	0.24	प्रफुल्य गोराई	पिता स्व0 सहदेव गोराई
19	22	993	0.24	दिनेश गोराई	पिता स्व0 सहदेव गोराई
20	22	993	0.24	मानिक गोराई	पिता स्व0 मोतीलाल मंडल
21	22	993	0.24	शंकर गोराई	पिता स्व0 मोतीलाल मंडल
22	22	993	0.24	निरा गोराई	पति स्व0 निमाई गोराई
23	22	993	0.24	दुलाली गोराई	पति स्व0 कर्णधर गोराई
24	22	993	0.24	अमर जोति गोराई	पिता स्व0 विजय गोराई
25	22	993	0.24	देवजोति गोराई	पिता स्व0 विजय गोराई।
26	22	993	0.24	ध्रुवजोति गोराई	पिता स्व0 विजय गोराई।
27	9	1009	संख्वना	आनन्द कुमार सिंह	पिता अरविन्द नारायण सिंह
28	9	1002	संख्वना	श्रीमति किरण देवी	पति श्री अनिल कुमार
29	9	1002	संख्वना	श्रीमति सोना देवी	पति श्री राजेश प्रसाद साव
30	9	1002	संख्वना	श्रीमति शियासुन्दर देवी	पति श्री रामवचन शर्मा।
31	26	1001	0.03	दिनेश माजि	पिता स्व0 बलराम माजि
32	26	1001	0.03	परितोष माजि	पिता स्व0 बलराम माजि
33	26	1001	0.03	जयराम माजि	पिता स्व0 वामा पद माजि
34	26	1000	0.04	मेघनाथ माजि	पिता स्व0 रामगति माजि
35	26	1000	0.04	तारापद माजि	पिता स्व0 दिवाकर माजि
36	26	1000	0.04	लाल मोहन माजि	पिता स्व0 सुदर्शन माजि
37	26	1000	0.04	गुरूपद माजि	पिता स्व0 पशुपति माजि।
38	26	999	संख्वना	श्रीमति आशा शर्मा	–
39	26	997, 998	संख्वना	श्रीमति रिंकु शर्मा	पति श्री धर्मेन्द्र शर्मा
40	46	1003	0.04	वासुदेव राय	पिता स्व0 हेतु राय
41	20	1007	संख्वना	श्रीमति द्रोपदी देवी	पति श्री रामजीवन शर्मा
42	3	996	0.15	हरि साधन माजि	पिता स्व0 निवारण माजि
43	3	996	0.15	श्यामल माजि	पिता स्व0 निवारण माजि
44	3	996	0.15	उत्तम माजि	पिता स्व0 निवारण माजि
45	3	996	0.15	धिरेन माजि	पिता स्व0 नारायण माजि
46	3	996	0.15	राखाल माजि	पिता स्व0 नारायण माजि
47	3	996	0.15	सखाल माजि	पिता स्व0 पुन्दर माजि
48	3	996	0.15	नटवर माजि	पिता स्व0 पुन्दर माजि
49	3	996	0.15	विश्वजीत माजि	पिता स्व0 कान्हाई लाल माजि
50	3	996	0.15	सुजित माजि	पिता स्व0 कान्हाई लाल माजि
51	3	996	0.15	हरेकृष्ण माजि	पिता स्व0 मधुसुधन माजि
52	3	996	0.15	सुबल चन्द माजि	पिता स्व0 मधुसुधन माजि
53	3	996	0.15	ध्रुवक चन्द माजि	पिता स्व0 मधुसुधन माजि
54	3	996	0.15	प्रशान्त कुमार माजि	पिता स्व0 मधुसुधन माजि
55	3	996	0.15	सुकान्त माजि	पिता स्व0 मधुसुधन माजि
56	3	996	0.15	प्राण कृष्ण माजि	पिता स्व0 निमाई माजि
57	3	996	0.15	असिम कृष्ण माजि	पिता स्व0 निमाई माजि
58	3	996	0.15	जगबन्धु माजि	पिता स्व0 देवेन्द्र नाथ माजि
59	3	996	0.15	यादव माजि	पिता स्व0 उपेन्द्रनाथ माजि।
60	36	995	0.24	विकास चन्द माजि	पिता स्व0 धनंजय माजि
61	36	1643	0.02	विकास चन्द माजि	पिता स्व0 धनंजय माजि

अतः अनुरोध है कि मुआवजा राशि प्राप्ति हेतु निर्गत नोटिस (मूल प्रति), बैंक खाता, आधार, पर्चा एवं लगान रसीद की छायाप्रति आदि सात दिनों के अन्दर जिला भू–अर्जन कार्यालय, जामताड़ा में समर्पित करना सुनिश्चित किया जाय। अन्यथा किसी प्रकार का दावा नहीं होने पर उपरोक्त जमीन के भू–अर्जन से संबंधित मुआवजा राशि सक्षम न्यायालय में जमा कर दी जाएगी।

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी,
जामताड़ा।

PR 357717 (District) 25-26 (D)

संक्षिप्त ख़बरें

दिल्ली के जैन मंदिर में चला बुलडोजर जैन समाज में जबरदस्त आक्रोश

नई दिल्ली (ईएमएस) 19 जुलाई को राजधानी दिल्ली के शालीमार विधानसभा क्षेत्र में स्थित एक प्राचीन जैन मंदिर पर जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर 5 फीट ऊंची दीवार को तोड़ दिया। जिला प्रशासन द्वारा ना तो कोई नोटिस जारी किया। बिना किसी सुनवाई के दिल्ली प्रशासन ने यह तोड़फोड़ की है। इस मंदिर में दो बार चोरी की घटनाएं हो चुकी है। स्थानीय पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकाम रही है।इसके पहले मुंबई के विले पार्ले में जैन मंदिर को बुलडोजर से तोड़ा गया था। उससे देश भर में आक्रोश फैल गया था। अब देश की राजधानी दिल्ली में जैन मंदिर को तोड़ा गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री इस विधानसभा क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करती हैं। स्थानीय जैन समाज और दिल्ली की समाज आक्रोशित है। बिना सूचना दिए मंदिर की दीवार को बुलडोजर से हटा दिया गया।150 से ज्यादा पुलिसकर्मी इस दीवार को तोड़ने के लिए भेजे गए थे। भय का वातावरण बनाया गया। महिलाओं के साथ अभद्रता की गई। जैन समाज की आस्था पर दिल्ली सरकार की इस कार्रवाई के बाद जबरदस्त रोष फ़ैल गया है। रविवार की सुबह जैन समाज ने एक बड़ा प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। इस घटना के बाद दिल्ली सरकार और दिल्ली प्रशासन पूरी तरह से मौन है। रेखा गुप्ता पहले यहीं से पार्षद थी। विधायक का चुनाव जीतकर वह मुख्यमंत्री बनी है। मुख्यमंत्री बनने के बाद जिस तरह से जैन मंदिर पर बुलडोजर चलाया गया है। उसको लेकर जैन समाज में बड़ा आक्रोश है।

बदलते मौसम ने बढ़ाए फुड प्वाइजनिंग के मरीज

छिंदवाड़ा जबलपुर (ईएमएस)। हर दिन बदलते मौसम के चलते अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ रही है। सर्द-गर्म और बारिश के कारण कई बीमारियां फैल रही हैं। इनमें सर्दी-खांसी, बुखार, फूड प्वाइजनिंग के साथ वायरल व टाइफाइड, मलेरिया के मामले शामिल हैं। अकेले जिला अस्पताल में रोजाना १००० से १२०० मरीज ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इनमें बच्चे और बूढ़ों की संख्या सबसे ज्यादा है। मौसम परिवर्तन की वजह से शहर में वायरल फीवर और सर्दी, खांसी जैसी बीमारी पैर पसार रही है। इसके चलते जिला अस्पताल में उल्टी दस्त, सर्दी-जुकाम के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। जिला अस्पताल में हर रोज बड़ी संख्या में मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं। इनमें सर्वाधिक वायरल फीवर और फुटपाइजनिंग से पीड़ित मरीज शामिल है। डॉक्टरों का कहना है कि चाट, पकोड़े, समोसे, चाइनीज, नूडल्स, पिज्जा बर्गर समेत अन्य जंक फूड, खाकर लोग फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो रहे हैं। अधिकतर मामलों में लोगों का बाहर खाना खाने के बाद बीमार होना पाया गया है। गर्मी के इस समय में हानिकारक बैक्टिरिया बॉडी को काफी हद तक कमजोर कर देते हैं। जिससे इम्यून सिस्टम पर भी असर पड़ता है। डॉक्टरों के अनुसार बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर बच्चों व बुजुर्गों पर हो रहा है। उनका ख्याल बहुत जरूरी है। थोड़ी सी भी तबियत खराब होने पर तत्काल डॉक्टर को दिखाएं।अगर हम बात जिला अस्पताल की करे तो पिछले तीन दिनों में जिला अस्पताल में दो दर्जन से अधिक मामले केवल फुड प्वाइजनिंग के पहुंचे है। कुछ मामले में डॉक्टरों ने मरीजों को भर्ती किया है तो कुछ मामले सामान्य होने पर दवा देकर उन्हे घर पहुंचा दिया है। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों का कहना है कि तापमान में हुई बढ़ोतरी से एक दम से गर्मी और उमस बढ़ गई है। जिसकों देखते हुए हमे अब बाहर के खाने को नजरअंदाज करना चाहिए। वहीं अधिक से अधिक पेय पदार्थों का उपयोग करना चाहिए।टाइफाइड, मलेरिया के मामले भी बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। कुछ मरीजों में मीजल्स (छोटी-बड़ी माता) भी होने की शंका है। वहीं गंदगी और नमी से मच्छरों में इजाफा होता है, इसके कारण मलेरिया पीड़ित मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ रही है। मलेरिया से अब तक २४ लोग पीड़ित बताए गए। वहीं जिला मलेरिया अधिकारी देवेन्द्र भालेकर का कहना है कि अब तक 1 लाख ९८ हजार बुखार पीड़ित रोगियों की जांच की गई, इनमें मलेरिया के २४ केस सामने आए।

जहरीले पदार्थ खाकर दो ने लगाया मौत को गले

छिंदवाड़ा जबलपुर (ईएमएस)। जहर खाने की दो अलग-अलग घटनाओं में दो किसानों ने मौत को गले लगा लिया। दोनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा और पोस्टमार्टम कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अस्पताल पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार पहला मामला मोहखेड़ के कामठी का है। यहां रहने वाले चैतराम पिता रूपचंद यादव (५५) शुक्रवार को अपने खेत गया था। खेत में उसने अज्ञात कारणों के चलते कोई जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने शुक्रवार को दम तोड़ दिया। वहीं दूसरा मामला सिवनी के बंडोल का है। यहां रहने वाले सूरज पिता चितरंजन त्रिपाठी (५५) अपने खेत में दवा का छिड़काव कर रहा था, इसी दौरान दवा उसके मुंह में चली गई, जिससे वह बेहोश हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

चकराता की लाईफलाईन के लिए नासूर बने जजरेट भूस्खलन जोन का डीएम ने चंद मिनटों में किया समाधान

देहरादून (ईएमएस)। जिलाधिकारी सविन बसंल का चकराता दौरा चकराता की लाईफलाईन सड़कों के लिए वरदान साबित होने जा रहा है जहां चकराता की कनैक्टिविटी के लिए नासूर बने भस्खलन जोन जजरेट का अब स्थायी समाधान का रास्ता खुल गया है, जहां डीएम ने ग्राउण्ड जीरो से लौटते ही आपदा एक्ट में प्रदत्त विशेष शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किए हैं। अब स्लोब स्टेबलाईजेशन कार्य शुरू हो जाएगा जिसकी जिलाधिकारी ने डीपीआर तैयार करने की अनुमति दे दी है। भूस्खलन जोन जजरेट में 200 मीटर उंची तथा 180 मीटर चैड़े जोन में आए दिन पहाड़ी दरकती रहती है, जिससे बार-बार सड़क बाधित होती है। डीएम ने आपदा एक्ट में विशेष शक्तियों का प्रयोग करते हुए मौके पर ही कार्य अनुमति देते हुए डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए हैं। डीएम अपने तुफानी दोरे में स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा जनमानस से जुड़े कई पहलुओं को एक साथ छू गए। अपने चिरपरिचित अंदाज में डीएम ने जनहित में कई ऑन द स्पाट निर्णय लिए जिनमें जजरेट भूस्खलन, ध्वेरा, हईया बैंड सुधारीकरण को आपदा से त्वरित धनराशि की स्वीकृति। वर्षों से पहेली बने जजरेट भूस्खलन जोन के सुधारीकरण का पेच डीएम ने एक झटके में ही सुलझा दिया है। जजरेट स्लोब स्टेबलाइजेशन कार्य हेतु वन भूमि हस्तांतरण, सीए लेंड क्षतिपूर्ति पेंच फस रहा था, डीएम ने आपदा एक्ट में विशेष शक्ति का प्रयोग कर मौके पर ही जारी की अनुमति देते हुए लोनिवि को डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए। कालसी चकराता मोटर मार्ग पर जजरेट में खतरनाक बने स्लाइड जोन का निरीक्षण किया।

झारखंड सरकार की मुख्य सचिव का प्रस्तावित बांसजोड़ा दौरा अंतिम क्षणों में हो गया रद्द

बीसीसीएल प्रबंधन की सारी तैयारियां बेकार चली गईं

बांसजोड़ा 12 और 6 नंबर के सैकड़ों ग्रामीण जो सुबह से मुख्य सचिव का इंतज़ार कर रहे थे,मायूस होकर लौट गए

ग्रामीणों को उम्मीद थी कि वे वर्षों से झेल रही आग और गैस रिसाव की समस्या से सचिव को अवगत कराएंगे

लोयाबाद।झारखंड सरकार की मुख्य सचिव अलका तिवारी का शनिवार को प्रस्तावित बांसजोड़ा दौरा अंतिम क्षणों में रद्द हो गया। अचानक कार्यक्रम रद्द हो जाने से बीसीसीएल प्रबंधन की सारी तैयारियां बेकार चली गईं,वहीं बांसजोड़ा 12 नंबर और 6 नंबर के सैकड़ों ग्रामीण जो सुबह से मुख्य सचिव का इंतज़ार कर रहे थे,मायूस होकर लौट गए।ग्रामीणों को उम्मीद थी कि वे वर्षों से झेल रही आग और गैस रिसाव की समस्या से सचिव को अवगत कराएंगे।बीते चार वर्षों से गैस और आग की त्रासदी झेल रहे इन ग्रामीणों को हर बार किसी बड़े अधिकारी के आने की खबर से आशा की किरण नजर आती है, लेकिन इस बार भी उनका भरोसा टूटा।ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि उनका पुनर्वास बेलगड़िया में न किया जाए,बल्कि ऐसी जगह किया जाए जहां वे सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सकें।बीसीसीएल प्रबंधन की थी पुरी तैयारी।मुख्य सचिव के दौरे को लेकर बीसीसीएल प्रबंधन ने व्यापक तैयारियां की थीं।गैस रिसाव के प्रभावित क्षेत्रों में मिट्टी भराव और चूना छिड़काव किया गया था। खतरनाक जगहों पर बांस की बैरिकेडिंग की गई थी।पंडाल और स्टेज सजाए गए थे।अधिकारी फूल और पुष्पगुच्छ लेकर स्वागत के लिए तैयार खड़े थे।सुबह से दोपहर दो बजे तक अधिकारी लगातार फोन पर संपर्क करते रहे कि मैडम किस समय पहुंचेंगी,लेकिन अंततः दौरा रद्द होने की सूचना मिली।बांसजोड़ा प्रबंधन बीते तीन दिनों से दौरे की तैयारियों में जुटा था।लेकिन दौरा रद्द होने से न केवल प्रशासनिक महकमे में निराशा देखी गई,बल्कि एक बार फिर प्रभावित ग्रामीणों की समस्याएं अनसुनी रह गईं।ग्रामीणों की गुहार,अब तो दम घुटने लगा है।बांसजोड़ा 12 और 6 नंबर के ग्रामीण आग और गैस रिसाव से पिछले चार वर्षों से त्रस्त हैं।घरों की दीवारें तपती हैं,ज़मीन से गैस निकलती है और हवा में दम घुटने जैसी स्थिति है।कई बार अधिकारियों को आवेदन और ज्ञापन दिया गया,लेकिन नतीजा शून्य ही रहा।ग्रामीणों की प्रमुख मांग है कि उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित जगह पर बसाया जाए।लेकिन बेलगड़िया में नहीं,जहां न स्वास्थ्य की सुविधा है न रोज़गार का साधन।बांसजोड़ा 12 नंबर के संतोष भुईयां ने कहा कि हमने अपने घर-ज़मीन आग को सौंप दी है।आंगन में गोफ है।लगातार गैस रिसाव हो रहा।अब बच्चों की जान को भी खतरा है।हर बार कोई बड़ा अधिकारी आता है, उम्मीद जगती है और फिर सब अधूरा छूट जाता है।फुलो देवी 6 नंबर निवासी ने कहा कि यहां रहना अब मौत को गले लगाने जैसा है। न सांस ली जाती है न नींद आती है।बेलगड़िया में कोई नहीं जाना चाहते हम अपने जैसे माहौल में कोई अन्य सुरक्षित जगह पर बसना चाहते हैं।

माली मोहल्ला जमा था जुआ फड़, पुलिस ने की रेड

छिंदवाड़ा जबलपुर (ईएमएस)। सामाजिक बुराई वाले अपराधों पर अंकुश लगाने पुलिस कप्तान ने जिले भर के थाना प्रभारियों को निर्देश जारी किए हैं। कप्तान के निर्देश के बाद शुक्रवार की रात देहात थाना पुलिस ने माली मोहल्ला में चल रहे एक जुआ फड़ पर छापा मारकर पांच लोगों को पकड़ा है। इनके कब्जे से पुलिस ने हजारों रूपए की राशि बरामद की है। मामले में टीआई जीएस राजपूत ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग माली मोहल्ला में हारजीत का दांव लगा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो जुआरियों में भगदड़ मच गई। घेराबंदी कर पुलिस ने पांच लोगों को जिनमें विवेक चौहान, सतवन सिंह, मुकेश दुबे, महेन्द्र कैथवास, सूरज उइके सभी निवासी छिन्वाड़ा को पकड़ा इनके कब्जे से पुलिस ने ४ हजार ३०० रूपए की राशि बरामद कर उनके खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।जुआ फड़ पर एक कार्रवाई के दौरान देहात पुलिस को उस समय सफलता मिली जब लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी असगर उर्फ बल्ला, फरदीन उर्फ फज्जू, एक्का उर्फ इकरार पुलिस के हत्थे चढ़ गए। टीआई ने बताया कि इन वारंटियों पर पुलिस कप्तान ने १-१ हजार रूपए का ईनाम घोषित किया था।

भगवा मय हुआ शहर का चप्पा चप्पा, रेलवे स्टेशन बस पड़ावो पर लग रही शिव भक्त कांवरियों की भारी भीड़

बोकारो। हिन्दू धर्मावलंबियों के लिए पवित्र माने जाने वाले सावन माह के दिन ज्यों ज्यों आगे बढ़ रहे हैं त्यों त्यों यहां से सुल्तानगंज के रास्ते बाबा नगरी देवघर जाने वाले शिव भक्त कांवरियों का सैलाब भी बोकारो रेलवे स्टेशन और नयामोड़ स्थित बस पड़ाव पर उमड़ता जा रहा है। एक अनुमान के मुताबिक यहां से रोजाना हजारों की संख्या में शिवभक्तों का कारवां रेल और बसों के जरिए सुल्तानगंज के लिए प्रस्थान कर रहा है। जिसकी वजह से शहर का चप्पा चप्पा पूरी तरह से शिवमय हो गया है। हर तरफ बस बोल बम के नारों की गुंज सुनाई पड़ रही है और कांधे पर कांवर लिए शिवभक्तों का रेला रेलवे स्टेशन और बोकारो बस पड़ाव की ओर जाता दिखाई पड़ रहा है। इनमें पुरूषों के साथ महिलाओं और बच्चों की भी अच्छी खासी भीड़ देखी जा रही है।बताते चलें कि हर साल सावन के महिने में देवघर में बाबा भोलेनाथ पर जल अर्पण करने के लिए यहां से वैसे तो लाखों की संख्या में विभिन्न साधनों से लोग सुल्तानगंज पहुंचते हैं मगर इस बार रेलवे द्वारा शिवभक्तों को सुल्तानगंज पहुंचाने के लिए रेलवे द्वारा चलायी जा रही विशेष ट्रेनों की वजह से लोग अधिक संख्या में रेलवे स्टेशन की ओर कुच करते देखे जा रहे हैं। जहां से रेलवे द्वारा सुल्तानगंज के लिए चलाई जाने वाली ट्रेनों से लोग भर भरकर सुल्वितानगंज के लिए प्रस्थान कर रहे हैं। ऐसे लोगों का कहा है कि बसों या दूसरे माध्यमों के बजाय रेल यात्रा सुगम और कम खर्चीला है। इससे लोग कम पैसे में भी अपने अराध्य देव देवाधिदेव भगवान भोलेनाथ का दर्शन कर अपने घर वापस लौट सकते हैं। हालांकि इसके बावजूद बसों और दूसरे माध्यमों से भी लोगों का यहां से सुल्तानगंज जाने का सिलसिला कम नही हुआ है। बोकारो के मुख्य बस पड़ाव नयामोड़ से हर शाम लगभग दर्जन भर बस सुल्तानगंज के लिए खुल रही है। जिसके जरिये सैकड़ों शिवभक्तों का रेला सुल्तानगंज के लिए प्रस्थान कर रहा है। बाबाधाम जाने वाले शिव भक्तों की बढ़ती तायदाद को देखते हुए शहर के सभी हाट बाजारों में भी भगवा रंग पूरी तरह से छा गया है। लोग जहां तहां गेरूवा वस्त्रों की खरीदारी के साथ कांवर जलपात्र और अन्य पूजा की सामग्रीयों की खरीददारी करते देखे जा रहे हैं। जिसे लेकर बोकारो के मुख्य सब्जी मंडी दुन्दीबाद बाजार में सहित सेक्टर चार के सिटी सेंटर सेक्टर नौ के बी रोड उपशहर चास और अन्य अनेक स्थानों पर गेरूवा वस्त्रों की बिक्री के साथ अन्य सामानों की भी खुब बिक्र हो रही है। इस बारे में पूछे जाने पर अनेक दुकानदारों ने बताया कि बीते ई बर्षों के मुकाबले इस बर्ष उनकी कमाई में अच्छी बढ़ोतरी हुयी है। हालांकि ई दुकानदारों ने यह भी बताया कि बढ़ती महंगाई की वजह से पहले की अपेक्षा मुनाफा का दर घटा है। लोग भी कम कीमत पर सामानों की डिमांड कर रहे हैं। जिसकी वजह से परेशानी भी पेश आ रही है। बावजूद इसके ग्राहकों की आवक अच्छी होने से उनके व्यवसाय पर कुछ खास असर नहीं पड़ रहा है।कुल मिलाकर सावन के इस महीने में जहां शिवभक्तों के लगातार बाबाधाम की प्रस्थान करने से शहर पूरी तरह से भगवामय हो गया है वही बाजारों में चहल पहल भी खुब देखी जा रही है।

पुलिस वर्दी में आये लुटेरों ने रांची के दो बिल्डरों से लूटे 50 लाख, पुलिस कर रही लूटेरों की तलाश

बोकारो। शहर से सटे चास मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के अलकुशा मोड़ के समीप कल शाम सात बजे के करीब कुछ अज्ञात अपराधियों ने बड़े ही नाटकीय अंदाज़ में रांची के दो बिल्डरों से 50 लाख रूपये की राशि लूट ली। और धनबाद की ओर चलते बने। घटना की सूचना मिलते ही जिले के पुलिस कप्तान हरविंदर सिंह ने फौरन एक विशेष टीम गठित कर अपराधियों का पता लगाने के काम में पुलिस कर्मियों को लगा दिया। मगर जैसी की सूचना मिली है इस मामले में पुलिस को अबतक कोई सफलता हासिल नहीं हुयी है।बताते हैं कि रांची के दो बिल्डर अभय सिंह एवं जय सिंह किसी काम से कल शाम चास मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के अलकुशा मोड़ के समीप स्थित सिंदरी जा रहे थे। इसी बीच एक कार पर सवार चंद अपराधी जो पुलिस वर्दी में थे। उन लोगों ने बिल्डरों के कार को रूकवाया और कुछ अपराधियों ने दोनों बिल्डरों को हथियार के बल पर अपने कब्जे में लेकर उन्हें अगवा करना चाहा। मगर घटनास्थल से थोड़ा आगे जाने के बाद अपराधियों ने दोनों बिल्डरों को चलती कार से नीचे फेंक दिया और लूट की राशि के साथ धनबाद की ओर भाग गये। बताया जा रहा है कि जहां अपराधियों ने दोनों बिल्डरों को चलती कार से नीचे फेंका वहां काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। जिन लोगों ने अपराधियों के कार पर पथराव भी किया। मगर अपराधी वहां से भागने में पूरी तरह से कामयाब रहे। इसके बाद तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी गयी। सूचना मिलते ही जिले के पुलिस कप्तान हरविंदर सिंह ने एक विशेष टीम गठित कर पुलिस कर्मियों को अपराधियों के पीछे लगाया। मगर जैसी की सूचना मिली है कि पुलिस को अबतक इस मामले में कोई सफलता हाथ नही लगी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि पुलिस अपराधियों के पीछे लगी है और जल्द ही उन्हें धर दबोचा जाएगा।बताते चलें कि शहर में बीते कुछ समय से अपराधियों की बहार सी आ गयी है। शहर में चोरी डकैती और लूट के बारदात जिस तरह से अंजाम दिये जा रहे उससे यह साफ लग रहा है कि यहां के अपराधियों के दिलों से पुलिस का भय बिल्कुल ही समाप्त हो चुका है। पुलिस हालांकि अपने तरह से शहरवासियो को इस बात का भरोसा दिलाने में लगी है कि अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगाकर अपराधियों का नकेल कसा जाएगा। इसे लेकर अपराधियों के मन में भय पैदा करने की गरज से कल ही जिले के पुलिस कप्तान हरविंदर सिंह ने शहर के प्रमुख बाजारों में आला अफसरों के साथ फ्लैग मार्च निकाल कर लोगों से भयमुक्त होकर अपना काम करने की अपील की। साथ ही यह भी कहा कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नही जाएगा। मगर देखना होगा कि पुलिस की कोशिश कबतक कामयाब हो पाती है।

जैविक कृषि की नई पहचान श्री विधि और कतार रोपा से खेतों में क्रांति

दंतेवाड़ा ,(ईएमएस)। जिला प्रशासन, कृषि विभाग और भूमगादी की संयुक्त पहल से दंतेवाड़ा जिले में जैविक खेती की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। पारंपरिक खेती के विकल्प के रूप में अब श्री विधि, कतार रोपा और जैविक तरीकों को अपनाकर किसानों को वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़ा जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिले को जैविक जिला बनाना है, जहां पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दिया जा सके। इस अभियान के तहत पहली बार जिले में 6 हजार हेक्टेयर भूमि पर रोपा, कतार रोपा एवं श्री विधि से खेती का लक्ष्य तय किया गया है। यह पद्धतियां न केवल अधिक उत्पादन दे रही हैं, बल्कि जल संरक्षण, कीट नियंत्रण और मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने में भी मददगार साबित हो रही हैं। आज 19 जुलाई 2025 को गीदम विकासखंड के ग्राम हीरानार में इस अभियान की जमीन पर प्रभावी शुरुआत हुई। उपसंचालक कृषि सूरज पंसारी, सहायक संचालक कृषि धीरज बघेल, भोले लाल पैकरा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी किशन नेताम समेत विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने कृषक लूदरु राम व अन्य किसानों के खेतों में कतार रोपा पद्धति का प्रायोगिक प्रदर्शन किया। इन प्रयासों के जरिए किसानों को खेत में ही प्रशिक्षण देकर वैज्ञानिक तरीके अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जैविक खेती की सफलता की बुनियाद किसानों को सशक्त बनाना है। कृषि विभाग के अधिकारी गांव-गांव जाकर जैविक खाद निर्माण, बीज उपचार, जैविक कीटनाशक जैसे नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, जीवामृत, घनजीवामृत आदि के उपयोग की जानकारी व्यावहारिक तौर पर दे रहे हैं। 'देखो और सीखो' की इस पद्धति से किसानों में व्यवहारिक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।श्री विधि से खेती में जल की बचत, पौधों का बेहतर विकास और उत्पादन में 30-40 प्रतिशत तक वृद्धि देखी जा रही है। वहीं कतार रोपा से पौधों में उचित दूरी रखने के कारण कीट और रोग नियंत्रण आसान हो जाता है। जैविक विधियों के माध्यम से खेती की लागत घट रही है और उपज की गुणवत्ता भी बेहतर हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से मौजूद संसाधनों जैसे गौवंश, वर्मी कंपोस्ट यूनिट और गौठानों कृ का प्रभावी उपयोग करते हुए प्राकृतिक कृषि मॉडल को अपनाया जा रहा है। इससे खेती में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है और किसान रासायनिक इनपुट्स पर निर्भर नहीं रह रहे। इस अभियान में जिले के प्रगतिशील किसान भी आगे आकर भूमिका निभा रहे हैं। वे स्वयं जैविक खेती अपना कर अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। 'किसान से किसान तक' ज्ञान के इस आदान-प्रदान ने अभियान को जन-आंदोलन का रूप देना शुरू कर दिया है। यह पहल सिर्फ उत्पादन और आय में वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसरों की दिशा में भी सकारात्मक असर डाल रही है। आने वाले समय में इस मॉडल को जिले की प्रत्येक पंचायत में विस्तारित कर दंतेवाड़ा को एक राष्ट्रीय जैविक मॉडल जिले के रूप में स्थापित करने की योजना है। जिला प्रशासन, कृषि विभाग और भूमगादी की यह साझी कोशिश न केवल खेती को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बना रही है, बल्कि जैविक क्रांति के पथ पर अग्रणी भी बना रही है।

मानव तस्करी : गुरैया की नाबालिग को दमोह में 80 हजार में बेचा दमोह के नीमढाना से नाबालिग को किया दस्तयाब, तीन गिरफ्तार

छिंदवाड़ा जबलपुर (ईएमएस)। चंद पैसों के लिए इंसान कुछ भी कर सकता है. किसे को बेच सकता है, तो किसी को चंद पैसों में खरीद सकता है. हत्या भी करवा सकता है, सिर्फ चंद पैसों के लिए. एक ऐसा ही मामला शहर के देहात थाना क्षेत्र के गुरैया में सामने आया है, जहां चंद पैसों के लिए यहां रहने वाले दंपति ने एक नाबालिग लड़की को तीन दिन खाना बनाने के लिए कहकर अपने घर ले गया और फिर पीड़िता को दमोह में एक व्यक्ति को 80 हजार रुपये में बेच दिया। पुलिस ने इस मामले में खरीदने और बेचने के आरोप में तीन लोगों को पकड़ा है। मामले का खुलासा करते हुए देहात थाना प्रभारी जीएस राजपूत ने बताया कि गुरैया निवासी सरला पति प्रताप यादव की नाबालिग बेटी को गांव के रितेश यादव और उसकी पत्नी ने ५ जुलाई को सरला की नाबालिग बेटी को तीन दिन के लिए खाना बनाने के लिए कहकर ले गए थे। इससे पहले भी वे बेटी को अक्सर ले जाते रहे, लेकिन तीन दिन बाद जब बेटी वापस नहीं आई तो सरला यादव ने देहात थाना में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सायबर सेल की मदद से पुलिस ने अपहर्ता को ग्राम नीमखेडा जिला दमोह से दस्तयाब किया। पूछताछ में अपहर्ता ने बताया कि उसे गांव के रितेश यादव एवं उसकी पत्नि निधि यादव ने अपने साथ ले गए और सागर की एक महिला दलाल की मदद से उसे (अपहर्ता) बरमान में दमोह जिला के कमलेश लोधी को 80 हजार रूपये में बेच दिये थे। टीआई ने बताया कि पुलिस ने आरोपी रितेश यादव पिता अशोक यादव, निधी यादव पति रितेश यादव दोनों निवासी गुरैया तथा नाबालिग को खरीदने वाले कमलेश लोधी पिता अजुद्दी लोधी निवासी नीमखेडा दमोह के खिलाफ मानव तस्करी, बंधक बनाकर रखने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को पकड़ने वाली टीम में टीआई के अलावा उनि वर्षा सिंह, सउनि, संदीप सिंह राजपूत, प्र.आर. मंगलसिंह, सायबर सेल के नितिन सिंह, आदित्य रघुवंशी, आर. सौरभ बघेल महेश म.आर. रानू तथा प्रमीला शामिल रही।

सेन्द्रा रेलवे ब्रिज के समीप जर्जर सड़क की हालत में किया गया सुधार

लंबे समय से पुलिया के पास बना गहरा गड्ढा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ था,

बारिश के चलते स्थिति और भी बदतर हो गई थी

लोयाबाद।सेन्द्रा रेलवे ब्रिज के समीप जर्जर सड़क की हालत में शनिवार को सुधार किया गया।लंबे समय से पुलिया के पास बना गहरा गड्ढा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ था।बारिश के चलते स्थिति और भी बदतर हो गई थी।शनिवार को पीडब्लूडी विभाग की ओर से उक्त गड्ढे को आरसीसी मेटेरियल से भरकर मरम्मत की गई।इससे पहले स्थानीय युवाओं ने श्रमदान कर गड्ढे को अस्थायी रूप से भरा था,लेकिन वह कुछ ही दिनों में फिर से खराब हो गया था।बताया जाता है कि करकेंद–कतरास के इस मुख्य मार्ग पर स्थित सेन्द्रा पुल के पास हर साल सड़क पर छोटे-बड़े गड्ढे उभर आते हैं।यहां से हाइवा,बस,कार, ऑटो और बाइक जैसे सैकड़ों वाहन प्रतिदिन गुजरते हैं,जिससे यह मार्ग हमेशा व्यस्त रहता है।स्थानीय लोगों ने विभाग द्वारा मरम्मत कार्य शुरू करने पर संतोष जताया है,साथ ही यह मांग भी की है कि इस सड़क का स्थायी समाधान किया जाए ताकि हर साल बारिश में यह समस्या न उभरे।वही कुछ लोगो ने दबी जबान मे कहा कि राज्य के मुख्य सचिव के बांसजोड़ा मे संभावित दौरा को देखते हुए इसे दुरूस्त किया गया है।

शराब पीकर चला रहे थे वाहन, पुलिस ने 20 पर की कार्रवाई

छिंदवाड़ा जबलपुर (ईएमएस)। नागद्वारी मेले के दौरान यातायात पुलिस भक्तों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से परासिया मार्ग पर वाहनों की चैकिंग का अभियान चला रही है। इस दौरान यातायात पुलिस भक्तों को लेकर नागद्वारी मेला जाने वाले खास तौर चौपहिया वाहन चालकों की ब्रेथ एनेलाईजर से जांच कर रही है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा

अतिआवश्यक सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जामताड़ा जिलान्तर्गत जामताड़ा–करमाटॉड़ भाया कम्बाईण्ड बिल्डिंग पथ के 5वें कि0मी0 में दक्षिणबहाल के पास अवस्थित पुल भारी वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। निदेशानुसार उक्त पथ में अगले आदेश तक चार पहिया/भारी वाहनों के प्रवेश निशेध है।

अतः उक्त पथ में आवागमन हेतु वैकल्पिक मार्ग के रूप में गोबिन्दपुर–जामताड़ा–साहेबगंज बाईपास पथ के पोसाइ चौक तथा सतसाल चौक होते हुए बोधबांध अवस्थित Underpass का सर्विस पथ का उपयोग किया जा सकता है।

असुविधा के लिए खेद है।

कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमंडल, जामताड़ा

PR 357752 Road(25-26)#D

सूदखोरों से परेशान पूरे परिवार ने खाया जहर, 4 की मौत, एक अस्पताल में भर्ती

मृतक पर था पांच लाख रुपए का कर्ज, आए दिन मिलती थी गालियां व धमकी

पावापुरी,(ईएमएस)। सूदखोरों के जाल में फंसकर पावापुरी में किराए के मकान में रह रहे एक खुशहाल परिवार ने शुक्रवार को कर्ज के बोझ तले दबे चार लोगों ने जहर खा लिया। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार की देर शाम अस्पताल में इलाजरत धर्मेंद्र कुमार की दो बेटियों एरिका कुमारी व दीपा कुमारी की मौत हो गई, जबकि देर रात डॉक्टरों ने उनकी 38 साल की पत्नी सोनी देवी व 16 साल के बेटे शिवम कुमार की मौत की पुष्टि की।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेखपुरा जिले के पुरनकामा गांव में रहने वाले धर्मेंद्र कुमार पिछले दो साल से पावापुरी में किराए के मकान में रह रहे थे। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उन्होंने ब्याज पर पैसा लिया था। पहले धर्मेंद्र राजमिस्त्री का काम करते थे, लेकिन कारोबार में घाटा और सूदखोरों की गाली-गलौज व मारपीट से आहत थे। अस्पताल में इलाज करा रही धर्मेंद्र कुमार की मां कुसुम देवी ने बताया कि परिवार पर करीब पांच लाख रुपए का कर्ज था। उन्होंने बताया कि वे लोग अपने घर की छत पर थे। तीन-चार दिनों से कुछ लोग सुबह-शाम घर पर आकर गालियां देते थे और पैसा नहीं देने पर मारपीट करने की धमकी देते थे। इन सूदखोरों से परेशान होकर धर्मेंद्र ने खौफनाक कदम उठाया और दोपहर में पूरे परिवार के साथ पुरी गांव जाने वाली सड़क पर काली मंदिर के पास खेत में जाकर जहर खा लिया। हालांकि, सबसे छोटे बेटे सत्यम ने जहर नहीं खाया और उसे जेब में रख लिया था।इधर, जहर खाने के बाद धर्मेंद्र कुमार की बेटी दीपा कुमारी ने पावापुरी मोड़ स्थित एक कोचिंग संचालक को फोन कर बताया कि उसने पूरे परिवार के साथ जहर खा लिया है जैसे ही कोचिंग संचालक को इसकी जानकारी मिली, वह 10 से 20 छात्रों को लेकर काली मंदिर पहुंचे और सभी को ई-रिक्शा से अस्पताल ले गए।उधर, घटना की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में हलचल मच गई। सैकड़ों की संख्या में लोग अस्पताल पहुँच गए। घटना की सूचना मिलते ही राजगीर डीएसपी, इंस्पेक्टर और गिरियक थाना प्रभारी मौके पर पहुँचे और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। मौत से पहले सोनी देवी लगातार सूदखोरों और साहूकारों का नाम बता रही थी। शाम को जब मृतक सोनी कुमारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया तो वह दर्द से कराह रही थी। अस्पताल कर्मियों ने अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किया, फिर उसे आईसीयू में शिफ्ट किया जहां सोनी कुमारी पुलिस के सामने लगातार शिकारपुर गाँव के दो लोगों का नाम बता रही थी। पिछले तीन-चार दिनों से कुछ लोग पैसे के लिए उसके घर आ रहे थे और उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट कर रहे हैं। गांव में अब भी ज़्यादातर लोग कागज़ात के चक्कर में बैंक जाकर कर्ज़ लेना पसंद नहीं करते। वो गांव के ही किसी साहूकार के जाल में फंसकर 10 से 12 फीसदी ब्याज पर पैसे ले लेते हैं। पैसा नहीं देने पर साहूकार उनकी ज़मीन भी अपने नाम करवा लेते हैं।

मतदाता पुनरीक्षण के नाम पर नागरिकता खत्म करने की साजिश : मंगनी लाल मंडल

राजद प्रदेश अध्यक्ष ने बढ़ते अपराध पर कहा, कानून का राज नहीं

मधुबनी, (ईएमएस)। चुनाव आयोग बिहार में मतदाता पुनरीक्षण के नाम पर नागरिकता खत्म करने की जो साजिश रच रही है। यह इमरजेंसी से भी अधिक खतरनाक है। इमरजेंसी में तो नागरिकता पर सवाल नहीं था, इसमें तो गरीब, अहसाय, एससी, एसटी, अतिपिछड़ा, पिछड़ा, अल्पसंख्यक व रोजी रोटी की तलाश में बाहर पलायन करने वालों की नागरिकता पर हमला है यह बात शुक्रवार को चकदह में निजी होटल सभागार में प्रेस को संबोधित करते हुए राजद प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने कहा। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए अपनी हार की सर्वे रिपोर्ट से बौखला कर चुनाव आयोग का दुरुपयोग कर रही है। संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग को हथियार बनाकर भाजपा लोगों की नागरिकता छीनने का कुचक्र रच रही है. यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। भाजपा हार के डर से यह काम करवा रही है। इन्होंने आधार, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पैन कार्ड व अन्य पहचान को नकारे जाने पर सवाल उठाया। राजद प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अधिकारी बीएलओ से जबरन फॉर्म पर हस्ताक्षर करवा कर उसे अपलोड करवा रहे हैं। इन्होंने बिहार में बढ़ते अपराध, हत्या, भ्रष्टाचार, लूट, घूसखोरी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरेआम व्यापारी मारे जा रहे हैं। अस्पताल में गोली मारी जा रही है। भागलपुर, मधुबनी व पूर्णिया में दुष्कर्म के बाद हत्या हुई और पुलिस सोई हुई है। अपराध के कारण ही बिहार से 10 हजार करोड़ निवेश करने के लिए व्यापारी अन्य राज्यों में जा रहे है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि बिहार में कानून का राज नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रति व्यक्ति आय लगातार नीचे जा रहा है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों की तादाद बढ़ रही है। प्रेस वार्ता में सांसद डॉ.फैयाज अहमद, जिला प्रभारी कुँवर राय, हनुमान प्रसाद राउत, पूर्व विधायक सह जिलाध्यक्ष रामाशीष यादव, वीर बहादुर राय, राजकुमार यादव, चन्देश्वर धनिकार, प्रभाकर यादव, इंद्रजीत राय, बुद्ध प्रकाश, संतोष यादव, राम कुमार यादव, अधिवक्ता बलराम साह सहित कई राजद नेता मौजूद थे।

संक्षिप्त ख़बरें

पटना में कांग्रेस का महा रोजगार मेला का आयोजन, मेले में 5000 अभ्यर्थी हुए शामिल

पटना, (ईएमएस)। युवा कांग्रेस की ओर से बिहार की राजधानी पटना के ज्ञान भवन में महा रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। इसमें देश की 180 से अधिक कंपनी शामिल हुई। वहीं, नौकरी के लिए राज्य के अलग-अलग जिलों से करीब 5000 युवक-युवती पहुंचे थे। कांग्रेस की इस पहले से युवा काफी खुश दिखे। उधर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नौकरी और रोजगार देना सरकार का काम है लेकिन केंद्र और राज्य सरकार इस मामले में फेल है। ऐसे में राहुल गांधी के निर्देश पर हमलोग इस जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि बिहार में आज रोजगार एवं नौकरी सबसे बड़ा मुद्दा है। हमारी पार्टी ने पिछले दिनों रोजगार दो पलायन रोको यात्रा की थी। अब इस रोजगार मेले के माध्यम में हम यह संदेश देना चाह रहे हैं कि इस समस्या का समाधान भी है। इस समस्या का समाधान कैसे हो सकता है यह रोजगार मेला इसका एक छोटा सा प्रयास है।

पटना में परीक्षा माफिया गिरोह का पर्दाफाश, दो शातिर गिरफ्तार

पटना, (ईएमएस)। परीक्षा माफिया गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पटना पुलिस ने इस गिरोह का पर्दाफाश किया है। रामकृष्ण नगर थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक अपार्टमेंट के फ्लैट में छापेमारी कर इस परीक्षा माफिया गिरोह का पर्दाफाश करते हुए हुए इस गिरोह से जुड़े दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम प्रेम प्रकाश और सुबोध यादव है। पुलिस को इनके ठिकाने से बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, मोबाइल फोन, विभिन्न पदों के नकली स्टांप, करीब 45 लोगों के शैक्षणिक प्रमाण पत्र, ब्लैंक चेक, दो कार और एक बाइक बरामद हुई है। इस मामले की जानकारी देते हुए पटना के पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने पत्रकारों को बताया कि, गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया है कि वे किसी अन्य व्यक्ति के इशारे पर कमीशन पर ठगी का काम करते थे। दोनों पिछले 5-6 महीने से रामकृष्ण नगर क्षेत्र में रह रहे थे और 10 प्रतिशत कमीशन पर फर्जीवाड़े में संलिप्त थे। गिरफ्तार आरोपियों का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थियों को सिपाही भर्ती के साथ अन्य सरकारी परीक्षा में पास कराना था। हालांकि यह लोग सेटिंग नहीं करा पा रहा थे, जिसके चलते अभ्यर्थी इनसे पैसे वापस मांग रहे थे। इसके जवाब में इन्हें अगली परीक्षा में सेटिंग का झांसा देकर टाल मटोल किया जा रहा था। परिचय कुमार ने कहा कि, पुलिस को मौके से जिन अभ्यर्थियों के रोल नंबर मिले हैं, उनसे भी पूछताछ की जाएगी। साथ ही बरामद दस्तावेजों की जांच सिपाही चयन परिषद से भी कराई जाएगी ताकि फर्जीवाड़े का पूरा नेटवर्क सामने आ सके। इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है।

चंदन मिश्रा हत्याकांड में थानेदार समेत 5 पुलिस कर्मी निलंबित

पटना, (ईएमएस)। पटना के एक नामचीन अस्पताल में घुसकर गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या मामले में पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सब इंस्पेक्टर, दो सहायक सब-इंस्पेक्टर और दो सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जो उस समय ड्यूटी पर थे जब पांच हथियारबंद युवकों ने अस्पताल में घुसकर दिनदहाड़े हत्या जैसी घटना को अंजाम दिया। मालूम हो कि बीते 17 जुलाई की सुबह दो बाइक पर सवार छह अपराधी पारस अस्पताल पहुंचे। इमरजेंसी गेट से प्रवेश न मिलने पर उन्होंने ओपीडी के रास्ते अंदर प्रवेश किया और सीधे कमरा नंबर 209 की ओर बढ़े, जहां चंदन मिश्रा भर्ती था। कमरे के खुले लॉक का फायदा उठाकर उन्होंने अंदर घुसकर मिश्रा के ऊपर चार से पांच राउंड फायरिंग की। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि हमलावर बेखौफ होकर अंदर घुसे और वारदात के बाद विक्ट्री साइन दिखाते हुए फरार हुए। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि जांच में पाया गया कि शास्त्री नगर थाना के जिम्मेदार अधिकारियों ने चंदन मिश्रा की सुरक्षा को लेकर गंभीर चूक हुई है। इसके चलते उन्हें निलंबित किया गया। एसएसपी पटना कार्तिकेय शर्मा ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि यह कार्रवाई एक स्पष्ट संदेश देने के लिए की गई है। कानून-व्यवस्था में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निलंबित कर्मियों में शास्त्री नगर थाना के 1 सब इंस्पेक्टर, 2 सहायक सब-इंस्पेक्टर तथा 2 सिपाही शामिल हैं। इसके अलावा, गांधी मैदान, सचिवालय और गर्दनीबाग थाना क्षेत्रों में ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने वाले तीन अन्य इंस्पेक्टरों को भी निलंबित किया गया है।

भूमि विवाद के मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए ससमय करे निष्पादन : डीएम

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी के जिलाधिकारी आनंद शर्मा के निर्देश के आलोक में थाना दिवस के अवसर पर जिले के सभी थानों में भूमि विवाद के मामलों पर सुनवाई को लेकर अंचलाधिकारियों एवं थानाध्यक्षो द्वारा बैठक कर सुनवाई की गई। सुनवाई में कई मामलों का निष्पादन भी किया गया। विदित हो की जिलाधिकारी आनंद शर्मा द्वारा निर्देश दिया गया है कि भूमिविवाद से जुड़े मामलों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिये। उन्होंने निर्देश दिया है कि सभी सीओ एवं थानाध्यक्ष प्रत्येक सप्ताह थाना दिवस पर अनिवार्य रूप से भूमि विवाद को लेकर बैठक कर मामलों का त्वरित निष्पादन करें एवं ससमय प्रतिवेदन भेजें ताकि आमजनों को भूमि विवाद के मामलों में राहत पंहुचाई जा सके। उन्होंने कहा कि सभी एसडीओ अपने संबधित अनुमंडल के भूमि विवादों के निष्पादन की नियमित समीक्षा कर अवगत करवाएंगे। उन्होंने कहा कि अपराध की ज्यादातर घटनाएं भूमि विवाद को लेकर ही होती हैं। साथ ही कई बार विधिव्यवस्था की भी समस्या उत्पन्न हो जाती है। डीएम ने कहा है कि भूमि विवाद को लेकर आयोजित बैठक का सकरात्मक परिणाम भी नजर आनी चाहिए। जिलाधिकारी द्वारा थाना दिवस पर हो रही सुनवाई का औचक निरीक्षण भी किया जाएगा।

पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे परियोजना को मिलेगी रफ्तार

पटना : भारत सरकार की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना (चरण-II) के तहत पटना से पूर्णिया तक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे निर्माण की योजना को रफ्तार देने की तैयारी शुरू हो गई है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने प्रारंभिक अधिसूचना से पूर्व प्राक्कलित न्यूनतम मूल्य (एमवीआर) के विशेष पुनरीक्षण का निर्देश दिया है। इस संबंध में वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा, मधेपुरा और पूर्णिया जिलों के समाहर्ताओं को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि केन्द्रीय मूल्यांकन समिति से स्वीकृति प्राप्त होने के बाद ही अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए। अपर मुख्य

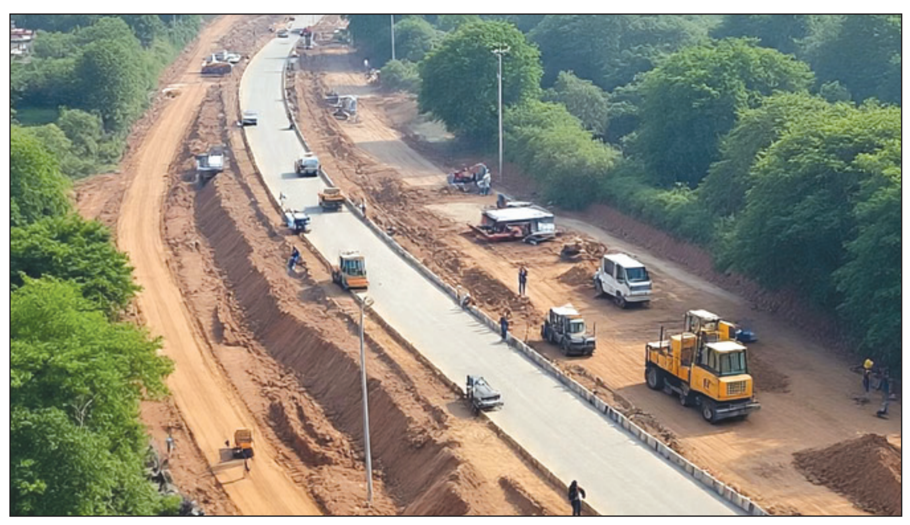

सचिव द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 की धारा 26(3) के तहत अधिग्रहण शुरू करने से पहले संबंधित क्षेत्र में प्रचलित बाजार दर के आधार पर पुनरीक्षित मूल्य निर्धारण करना अनिवार्य है। इसी क्रम में, बिहार स्टॉम्प (संशोधन) नियमावली, 2013 के उपनियम-7 के तहत एमवीआर के विशेष पुनरीक्षण का अधिकार जिला प्रशासन को प्राप्त है, जिसकी प्रक्रिया मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग की अधिसूचना के आलोक में की जाएगी। यह निर्देश 17 जुलाई 2025 को मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद जारी किया गया। बैठक में परियोजना से जुड़ी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को पारदर्शी, त्वरित और न्यायसंगत बनाने पर विशेष बल दिया गया।इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसानों और भू-स्वामियों को उनकी भूमि के बदले उचित, पारदर्शी और वर्तमान बाजार दर पर आधारित मुआवजा मिले, जिससे भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में कोई अनावश्यक विलंब न हो और भारतमाला जैसी महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। यह निर्णय अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया को जनहितकारी और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

होमगार्ड के चयन के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा में 5761 अभ्यर्थी हुए सफल-होमगार्ड कमांडेंट

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी जिला में होमगार्ड (गृह रक्षक) के चयन के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा संपन्न हो गया है। शारीरिक दक्षता परीक्षा 20 जून से 14 जुलाई तक हवाई अड्डा मधुबनी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुआ। होमगार्ड के चयन के लिए आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा के संबंध में होमगार्ड कमांडेंट संजय कुमार ने बताया कि जिला में कुल 607 पदों पर बहाली के लिए कुल 21,695 प्रतिभागी आवेदकों ने आवेदन दिया था। इनमें 13644 महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा मैं हिस्सा लिया। 8051 आवेदक शारीरिक्त परीक्षा में शामिल नहीं हुए। शारीरिक दक्षता परीक्षा में 10566 पुरुष एवं 4537 महिला प्रतिभागी ने हिस्सा लिया। शारीरिक दक्षता परीक्षा में दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद एवं गोला फेंक में 2683 पुरुष प्रतिभागी पास हुए। जबकि 3078 महिला प्रतिभागी सफल हुए। कमांडेंट संजय कुमार ने कहा कि जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित बोर्ड द्वारा अंतिम मेधा सूची की तैयारी कराई जा रही है।

इंटरसिटी टीम ने पटना माइंडफेस्ट की इंडिया क्विज प्रतियोगिता जीती

पटना : बिहार संग्रहालय में चल रहे दो दिवसीय पटना माइंड फेस्ट (पीएमएफ) 2025 की शुरुआत शनिवार को शानदार रही। पहले दिन आयोजित इंडिया क्विज प्रतियोगिता में इंटर-सिटी टीम ने बाजी मारी। इस टीम में कैल्विन, बैबास्वता और आनंद शामिल थे। इस प्रतियोगिता में पीयूष केडिया और समन्वय बनर्जी की टीम दूसरे नंबर पर रही, जबकि अरुणोदय चौधरी, निखिल सरकार और शाश्वत चक्रवर्ती की टीम को तीसरा स्थान मिला। कॉलेज वर्ग में आईजीआईएमएस के सोहम, उत्पल और अमन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं स्कूल वर्ग में डीपीएस, पटना के हर्षिल सागर, कुशाग्र किशन और उत्कर्ष आर्य की टीम ने बाजी मारी। फेस्ट के पहले दिन कुल तीन प्रतियोगिताएं हुईं, जिनमें 1500 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वर्ड बी में 144 टीमों ने भाग लिया, जबकि हिंदी और अंग्रेजी के रचनात्मक लेखन मुकाबलों में 160 प्रतिभागी शामिल हुए। इन दोनों

के नतीजे रविवार को घोषित किए जाएंगे, क्योंकि खबर भेजे जाने तक मुकाबले जारी थे। इस बार फेस्ट में तीन श्रेणियों ओपन, कॉलेज और स्कूल में प्रतियोगिताएं हो रही हैं। प्रतिभागी अकेले या अधिकतम तीन सदस्यीय टीम के रूप में हिस्सा ले सकते हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन सामान्य प्रशासन विभाग की सचिव रचना पाटिल ने किया। उन्होंने कहा कि पीएमएफ प्रतिभागियों और दर्शकों को एक शानदार रचनात्मक अनुभव देगा। वहीं रेरा के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बिहार के अलग-अलग शहरों से आए प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि पटना माइंड फेस्ट अब शहर के सांस्कृतिक कैलेंडर का अहम हिस्सा बन गया है। इससे दरभंगा और पूर्णिया जैसे शहरों में भी ऐसे आयोजन शुरू हुए हैं। मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व आईएएस अधिकारी आर.यू. सिंह ने कहा कि बच्चों और युवाओं में इस आयोजन को लेकर गजब का जोश है, जो देखकर बेहद खुशी होती है। फेस्ट का यह सातवां संस्करण है। इसकी शुरुआत 2018 में हुई थी, हालांकि 2020 में कोविड-19 के कारण इसे रद्द करना पड़ा था।

चिकित्सक की लापरवाही से महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

रोहतास : रोहतास जिले के नोखा में संचालित न्यू जीवन ज्योति नर्सिंग होम में शनिवार को डिलीवरी के दौरान एक महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि महिला की मौत चिकित्सक की लापरवाही से हुई है। घटना के बाद नर्सिंग होम में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों ने जमकर हंगामा किया। वहीं, आरोपित चिकित्सक मौके से फरार हो गया। मृतका की पहचान अमेठी गांव निवासी सुहागन देवी के रूप में हुई है। उन्होंने ऑपरेशन के दौरान जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था। मृतका की ननद सरस्वती देवी ने बताया कि भाभी का पहले इलाज सासाराम के एक निजी अस्पताल में चल रहा था, लेकिन न्यू जीवन ज्योति नर्सिंग होम के चिकित्सक ने नॉर्मल डिलीवरी का आश्वासन देकर उन्हें नोखा बुला लिया। उन्होंने कहा कि डिलीवरी से पहले भाभी पूरी तरह सामान्य थीं। ऑपरेशन के बाद करीब तीन घंटे तक उन्हें अंदर ही रखा गया और परिजनों को मिलने नहीं दिया गया। इसके बाद

अचानक चिकित्सकों ने महिला की मौत की सूचना दी। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और उन्होंने नर्सिंग होम में जमकर हंगामा किया। इसी दौरान चिकित्सक चुपचाप नर्सिंग होम छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर नोखा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार मालकार ने बताया कि अभी तक पीड़ित परिवार की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह कोई पहला मामला नहीं है जब किसी अवैध या बिना पंजीकृत नर्सिंग होम में लापरवाही से जान गई हो। जिले में ऐसे कई नर्सिंग होम चल रहे हैं, जिन्हें प्रशिक्षित डॉक्टरों की जगह झोलाछाप चिकित्सकों द्वारा संचालित किया जा रहा है। गरीब और ग्रामीण परिवार इनके निशाने पर रहते हैं। बीते दिनों नासरीगंज में भी एक झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से महिला की मौत हो गई थी, जिसके बाद प्रशासन ने वहां के नर्सिंग होम को सील कर दिया था। बावजूद इसके ऐसे संस्थानों पर लगाम कसने के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं दिख रही है।

भारी बारिश के कारण पटना में गंगा का जलस्तर बढ़ा, नीतीश ने सतर्क रहने के दिए निर्देंश

पटना (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारी बारिश के कारण पटना में गंगा के बढ़ते जलस्तर का आकलन कर अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री नीतिश ने अधिकारियों को पटना में बाढ़ रोकथाम के उपाय तत्काल लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से तटबंधों की चौबीसों घंटे निगरानी करने को कहा ताकि किसी भी कमजोरी या दरार का शीघ्र पता लग सके और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।सीएम नीतीश के साथ प्रधान सचिव दीपक कुमार, सीएम के सचिव कुमार रवि, राज्य के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पटना के प्रमंडलीय आयुक्त चंद्रशेखर सिंह, पटना के जिला

मजिस्ट्रेट त्यागराजन एसएम, पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। सीएम नीतीश ने दीघा घाट से अपना निरीक्षण शुरू कर जेपी गंगा पथ पर दीदारगंज तक जल स्तर और तटबंध की स्थिति की समीक्षा की।

अन्य नदियों की स्थिति

सोन नदी सहित इसकी सहायक नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण पटना में गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। इसके अतिरिक्त, नेपाल में भारी वर्षा के कारण बिहार की कई अन्य नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। गोपालगंज के डुमरिया घाट पर गंडक नदी और खगड़िया के बालोतरा में कोसी नदी खतरे के निशान के करीब बह रही है। बागमती नदी सोनाखान (सीतामढ़ी), डुब्बाधार (शिवहर), कटौजा और बेनीबाद (मुजफ्फरपुर) के पास और कमला बलान मधुबनी जिले के झंझारपुर में खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं।वहीं गया जिले में फल्गु और निरंजन नदियों का जलस्तर खतरे के स्तर से ऊपर पहुंच गया है, इससे निचले इलाकों में बाढ़ की चिंता बढ़ गई है। फल्गु नदी का जलस्तर 112.86 मीटर तक पहुंच गया है, जो बाढ़ के उच्चतम स्तर 112.36 मीटर को पार कर गया है।

वार्ड 9 में जलमीनार के निर्माण न होने से लोगो को पीने के पानी की हो रही समस्या, संतुनगर में जलजमाव की स्थिति भयावह

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी नगर निगम के वार्ड 9 के वार्ड पार्षद उषा देवी सदर अनुमंडल पदाधिकारी चंदन झा से मिलकर वार्ड के जलसंकट एवं जलजमाव दोनों से ही अवगत कराते हुए अग्रतर कार्यवाही के लिए आवेदन दिया है। आवेदन में टुन्नी मिश्र टोल में नल-जल योजना के जलमीनार का निर्माण नहीं होने की बात कही गयी है। जल मीनार नहीं बनने से बोरिंग से सीधे जलापूर्ति होती है जिसके कारण लगातार पाइप का फट जाना एवं स्टार्टर जल जाने जैसी समस्या उत्पन्न होती है। इस कारण भीषण गर्मी में भी जलापूर्ति बाधित हो जाती है। वहीं जहां एक तरफ वार्ड में जलापूर्ति की समस्या है। वहीं संतुनगर में सड़क के किनारे एवं मोहल्ला में जल जमाव की समस्या भयावह है। पिछले कई वर्षों से संतुनगर में जल जमाव की समस्या जस की तह बनी हुई है। अभी तक इस भीषण गर्मी में भी दूर नहीं हो पाया है। इससे मोहल्ला में गंभीर बीमारी होने की आशंका है। पार्षद उषा देवी ने आवेदन में लिखा है कि वहां के आमलोग अपना हर पर्व या घर में प्रवेश गंदे पानी होकर ही पार करते हैं। सड़क और नाला दोनों जर्जर अवस्था में है। बीते दिन जिलाधिकारी आनंद शर्मा को भी संतुनगर के जलजमाव के लिए आवेदन से अवगत कराया था। पर नगर निगम द्वारा जलमीनार की व्यवस्था एवं जल लमाव से मुक्ति के लिए कोई पहल नही किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

एशिया का सबसे बड़ा मिट्टी का बांध मोरेल, जुलाई में हो गया लबालब

किसानों को भरपूर पानी मिलने की उम्मीद

जयपुर (ईएमएस)। दौसा और सवाई माधोपुर जिलों के किसानों के लिए अच्छी खबर है, क्योंकि एशिया का सबसे बड़ा मिट्टी का बांध, मोरेल बांध, लगातार दूसरे साल जुलाई में लबालब हो गया है। यह पिछले तीन दशकों में पहली बार हुआ है कि बांध जुलाई में ही भर गया है, इसके पहले केवल 1985 में ऐसा हुआ था। शुक्रवार शाम को बांध पर करीब दो इंच पानी की चादर चल रही थी, जो शनिवार सुबह तक करीब दस इंच हो गई।

मोरेल बांध, जो कि 1952 में मोरेल नदी पर कांकरिया गांव के पास बनाया गया था, इन जिलों के हजारों किसानों के लिए जीवन रेखा है। बीते साल भी बांध पर लगभग 90 दिनों तक पानी चला था, जिससे किसानों को भरपूर पानी मिला और भूजल स्तर में सुधार हुआ। इस साल भी अच्छी बारिश के कारण बांध जल्दी भर गया है, जिससे लगभग 19 हजार हेक्टेयर भूमि की सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। वहीं राजस्थान सरकार के द्वारा सुरक्षा कारणों से, बांध के वेस्ट वेयर के 90 मीटर हिस्से में कटीले तार लगाए हैं और लोगों को तेज बहाव से बचाने के लिए एक हजार मिट्टी से भरे कट्टे रखे गए हैं। दिन में दो सुरक्षाकर्मी भी तैनात किए गए हैं। मोरेल बांध से निकलने वाली पूर्वी नहर 31.4 किलोमीटर लंबी है और इससे दौसा के 13 और सवाई माधोपुर के 15 सहित कुल 28 गांवों के किसानों को लाभ मिलता है। किसानों को उम्मीद है कि इस बार भी भूजल स्तर में सुधार होगा और वे निश्चिंत होकर रबी की फसल की तैयारी कर सकते है।

दिल्ली पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में मेवाती गैंग के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में मेवाती गैंग के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन मामलों में सेक्सटॉर्शन और वाहन चोरी शामिल हैं। शाहदरा साइबर थाना पुलिस ने मेवात के एक सेक्सटॉर्शन गैंग के मास्टरमाइंड अरमान खान (21) और उसके साथी असद खान (37) को गिरफ्तार किया है। अरमान खान केवल 5वीं पास है, जबकि असद खान ने बीटेक किया है। इस गैंग को बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने वाले श्याम सिंह (21) और मंगल सिंह (31) को बीते महीने ही गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने इनके पास से 7 फोन और 6 सिम कार्ड बरामद किए हैं। डीसीपी (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने बताया कि मास्टरमाइंड के फोन में कई आपत्तिजनक वीडियो भी मिले हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी डेटिंग एप पर फर्जी प्रोफाइल बनाते थे। पीड़ितों से संपर्क कर वीडियो कॉल पर अश्लील बातें करते और न्यूड होने के लिए उकसाते थे। एक बार जब पीड़ित उनके जाल में फंस जाता, तब वे उनके वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी देकर पैसे वसूलते थे। यह कार्रवाई तब हुई जब शाहदरा के अंकित कुमार कैन को व्हाट्सएप पर आपत्तिजनक वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल किया गया और अंकित से 35,000 रुपये ठगे गए। इसके बाद मामले की रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस टीम ने बैंक खातों और कॉल डिटेल रिकॉर्ड्स की जांच कर आरोपियों को दबोच लिया। एक अन्य मामले में, साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मेवाती गैंग के दो सक्रिय बदमाशों यासिर (19) और रौनक (20) को गिरफ्तार किया है। ये दोनों नूंह, हरियाणा के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के 5 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। डीसीपी हेमंत तिवारी के अनुसार, इंस्पेक्टर शिव कुमार की टीम ने गाड़ी चोरी के घटनास्थलों का दौरा कर सीसीटीवी फुटेज खंगाले। एसटीएफ को मिली सूचना के आधार पर टीम ने जाल बिछाकर इन दोनों बदमाशों को पकड़ लिया।

अपना 51वां जन्मदिन मनाने हरियाणा में अपने पैतक गांव पहुंची रेखा गुप्ता, सीएम सैनी रहे मौजूद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें जन्म दिन की बधाई दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 19 जुलाई 2025 को हरियाणा में अपने पैतृक गांव नंदगढ़ में अपना 51वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें एक्स पर बधाई दी, जिसमें उन्होंने रेखा गुप्ता की दिल्ली के लिए सेवाओं और कल्याणकारी पहलों की सराहना की। सीएम रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देकर कहा कि उनका मार्गदर्शन उनकी सार्वजनिक सेवा यात्रा के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

अपने पैतृक गांव पहुंचने पर रेखा गुप्ता ने कहा कि हरियाणा उनकी जन्मभूमि है और दिल्ली उनकी कर्मभूमि है। उन्होंने अपनी मातृभूमि को नमन करने की बात कहकर परिवार से मिले स्नेह के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने हरियाणा सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को गांव में कई योजनाओं के उद्घाटन और सौगातें देने के लिए भी धन्यवाद दिया। इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी भी रेखा गुप्ता के गांव में मौजूद थे। सीएम सैनी ने रेखा गुप्ता को जन्मदिन की बधाई देकर कहा कि उन्होंने दिल्ली की राजनीति में बदलाव लाया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली विकास के नए आयाम छुएगी और दिल्ली को बदलने का काम करेंगी। उन्होंने रेखा गुप्ता को घर आई बेटी बताते हुए, जिसने हरियाणा का नाम ऊंचा किया है, उन पर गर्व व्यक्त किया।

हाईटेंशन तार का झटका, ट्रक पर चढ़े ड्राइवर का सिर धड़ से अलग होकर सड़क पर गिरा

नोएडा,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के नोएडा से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। शुक्रवार देर रात सेक्टर-81 इलाके में एक ट्रक पर तिरपाल ठीक करते समय ड्राइवर हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से ड्राइवर को सिर धड़ से अलग होकर नीचे जा गिरा। बाकी शरीर का हिस्सा ट्रक पर ही रह गया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस के मुताबिक एक ट्रक चालक हाइटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। इससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता हैं कि राजस्थान तिजारा के ढाकपारी गांव का नासिर ट्रक चलाता था। वह ट्रक में सामान लेकर बोड़ा गांव में आया था। यहां सैमसंग कंपनी के पास अपना ट्रक रात में खड़ा किया। ट्रक की तिरपाल ढीली दिखाने पर छत पर चढ़ गया। इसी बीच हाईटेंशन का तार उसकी गर्दन से छू गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, करंट लगने से शरीर से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते नासिर के शरीर का ऊपरी हिस्सा धड़ से अलग होकर नीचे सड़क पर आ गिरा और बाकी शरीर ट्रक की छत पर ही रह गया। हादसा होने पर मौके पर लोग जमा हो गए। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि मृतक चालक को हाईटेंशन की जानकारी नहीं हो सकी। वह एकाएक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। फोरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य एकत्रित कराये गए और शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

दहेज के लिए मारा-पीटा, भूखा रखा करेंट लगा मारने की कोशिश

आखिरकार बहू ने कर ली आत्महत्या

बागपत,(ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के बागपत के रठौड़ा गाँव की मनीषा नामक एक 24 वर्षीय महिला ने आत्महत्या कर ली है। बात दें कि महिला ने अपने पति कुंदन सिंह और ससुराल वालों द्वारा दहेज के लिए की जा रही क्रूरता से परेशान होकर यह कदम उठाया। मनीषा के पिता तेजवीर सिंह के अनुसार, ससुराल वालों ने उनसे दहेज में एक कार की मांग की थी। जब मनीषा यह मांग पूरी नहीं कर सकी। तब बेटी को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। मनीषा को भूखा रखा गया, करेंट लगाकर मारने की कोशिश की गई और उसका गर्भपात भी कराया गया।

इसके पहले मनीषा की शादी 2023 में कुंदन सिंह से हुई थी, जिसमें उसके परिवार ने करीब 20 लाख खर्च किए थे और एक बुलेट बाइक भी दी थी। हालाँकि, ससुराल वाले दहेज से संतुष्ट नहीं थे और उन्होंने एक कार की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर मनीषा को बुरी तरह पीटा जाने लगा और कई बार भूखा रखा गया। 13 जुलाई को मनीषा के पति कुंदन सिंह ने करीब 40 लोगों के साथ एक पंचायत बुलाई और मनीषा पर तलाक के कागजात पर जबरदस्ती हस्ताक्षर करने का दबाव डाला।

सचमुच साफ और निर्मल होगी यमुना, केंद्रीय गृहमंत्री शाह की मौजदूगी में बना प्लान

उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सरकार मिलकर करेगी काम

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की यमुना नदी को साफ करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नदी को साफ करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है। इस अभियान में केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली एक साथ मिलकर काम करने वाले है। योजना में दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तीनों राज्यों को शामिल किया गया है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाले गंदे पानी और कारखानों के कचरे से दिल्ली में यमुना नदी गंदी होती है। इसलिए, इन राज्यों में भी नदी को साफ करने का काम होगा।

दरअसल केंद्रीय गृह मंत्री शाह और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की बैठक में कुछ लक्ष्य तय किए गए हैं। हरियाणा में कारखानों से निकलने वाले गंदे पानी को रोकने को कहा गया है। उन्हें 2026 तक अपने कारखानों में पानी को साफ करने वाले प्लांट लगाना होगा। साथ ही, 17 पुराने एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) को भी सुधारा जाएगा। इतना ही नहीं हरियाणा सरकार गुरुग्राम और फरीदाबाद में नए एसटीपी बनाएगी। वहीं उत्तर प्रदेश में यमुना के किनारे बसे शहरों जैसे आगरा, मथुरा और वृंदावन में सीवेज को साफ करने का काम होगा। इसके लिए नालों को भी बंद कराया जाएगा, ताकि गंदा पानी यमुना में न जाए। उत्तर प्रदेश सरकार एसटीपी के जरिए सीवेज को साफ करेगी इससे यमुना में पानी का बहाव भी बढ़ेगा।

अधिकारियों ने बताया कि यमुना में पानी की मात्रा बढ़ाने के लिए गंगा नदी से भी पानी लाया जाएगा। गंगा और यमुना के पानी को दो नहरों के ज़रिए यमुना में डाला जाएगा।

मामले से जुड़े अधिकारी ने कहा, दिल्ली में यमुना को साफ करना सिर्फ दिल्ली का काम नहीं है, यह तीनों राज्यों की जिम्मेदारी है। जब तीनों राज्य मिलकर काम करने को तैयार है। तभी यमुना सच में साफ हो पाएगी।

ये फैसले गृहमंत्री शाह, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा और केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान लिए गए।

बैठक में शाह ने कहा कि दिल्ली सरकार को कारखानों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यमुना में पानी का बहाव बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से बात करनी होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि ओखला एसटीपी से साफ पानी को नदी में छोड़ना चाहिए, जिससे पानी की गुणवत्ता सुधरेगी।

शाह ने दिल्ली में पानी की सप्लाई का सर्वे करने के लिए भी कहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बोरवेल से बहुत पानी निकाला जा रहा है, जो कि एक बड़ी समस्या है। उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड को इस पर एक योजना बनाने का आदेश दिया है।

बीडीएस छात्रा ने कमरे में फांसी लगाकर दी जान, दो प्रोफेसर हिरासत में

सुसाइट नोट में लिखा- कॉलेज प्रशासन से थी परेशान

नोएडा,(ईएमएस)। ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा विश्वविद्यालय में बीडीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा ने कथित तौर पर संकाय सदस्यों के उत्पीड़न के चलते खुदकुशी कर ली। यह घटना विश्वविद्यालय परिसर में हुई। इस मामले में छात्रा को प्रताड़ित करने के आरोप में डीन समेत सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर दो प्रोफेसर को हिरासत में लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नालेज पार्क थाना क्षेत्र में स्थित शारदा विश्वविद्यालय में बीडीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा ज्योति शर्मा ने छात्रावास के अपने कमरे में पंखे से लटकर खुदकुशी कर ली। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम निवासी ज्योति के पिता रमेश जांगड़ा ने विश्वविद्यालय के डीन डॉक्टर एम सिद्धार्थ और प्रोफेसर सैरी मैडम, महेंद्र, अनुराग अवस्थी एवं सुरभि के अलावा एक अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

रमेश का आरोप है कि इन लोगों के उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और धमकी देने के कारण उनकी बेटी ने खुदकुशी की है। छात्रा के पिता रमेश के मुताबिक ज्योति ने उसके साथ दुर्व्यवहार होने के बारे में उन्हें बताया था और उन्होंने कॉलेज में आकर इस बारे में डीन और अन्य लोगों से बातचीत की थी। उन्हें आश्वासन दिया गया था कि ज्योति के साथ किसी तरह का दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा, लेकिन उसके बाद भी उसे प्रताड़ित किया जाता रहा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार देर रात उन्होंने अपनी बेटी को फोन किया लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद उनकी बेटी के साथ कमरे में रहने वाली एक अन्य छात्रा ने कमरे का दरवाजा खटखटाया लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला।

रमेश ने दावा किया है कि उन्होंने रात में ग्रेटर नोएडा पुलिस को घटना की सूचना दी लेकिन कॉलेज प्रशासन ने पुलिस को भी सूचित नहीं किया था। उन्होंने कहा कि छात्रा ने मरने से पहले सुसाइड नोट लिखा है, जिसमें उसने कॉलेज प्रशासन के लोगों को आरोपी ठहराया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और दो प्रोफेसर महेंद्र एवं सैरी मैडम को हिरासत में लिया गया है।

शारदा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने कहा कि मामले की विश्वविद्यालय के स्तर पर आंतरिक जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में डीन ने उन्हें बताया कि छात्रा ने अपने एक 'टेस्ट' की कॉपी में प्रोफेसर के फर्जी हस्ताक्षर किए थे जिसे लेकर उसे टोका गया था और उसके परिजनों को भी बुलाकर यह बात बताई गई थी। उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रशासन इस मामले की जांच में पुलिस की पूरी मदद करेगा।

जम्मू-कश्मीर में बनी व्हिस्की ज्ञानचंद अम्बरा ने अमेरिका में जीते दो खिताब

इंटरनेशनल व्हिस्की कॉम्पिटिशन 2025 का लास वेगास में हुआ आयोजन

जम्मू,(ईएमएस)। जम्मू की धरती से निकली एक खास सिंगल माल्ट व्हिस्की ज्ञानचंद अम्बरा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर धूम मचा दी है। डेवन्स मॉडर्न ब्रुअरीज की इस नई पेशकश को इंटरनेशनल व्हिस्की कॉम्पिटिशन 2025 में बेस्ट इंडियन सिंगल माल्ट और बेस्ट इंडियन व्हिस्की का खिताब मिला है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता अमेरिका के लास वेगास में आयोजित की गई थी, जिसमें दुनियाभर की बेहतरीन व्हिस्कियों ने हिस्सा लिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रतियोगिता की खास बात यह है कि सभी ब्रांड्स का स्वाद ब्लाइंड टेस्टिंग के ज़रिए परखा गया। यानी जज को यह नहीं बताया कि वे किस ब्रांड की व्हिस्की चख रहे हैं। हर कैटेगरी में केवल तीन पुरस्कार– गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज दिए गए। ऐसे में ज्ञानचंद अम्बरा का दो शीर्ष अवॉर्ड जीतना भारत के लिए गर्व की बात है।

बता दें ज्ञानचंद अम्बरा को जम्मू की डिस्टिलरी में तैयार किया गया है। यह डेवन्स की पहली अनपीटेड सिंगल माल्ट व्हिस्की है, जिसे अमेरिकी बॉर्बन बैरल्स में परिपक्व किया गया है। इसका गहरा एंबर रंग, और शहद, सूखी खुबानी और भुने हुए मसालों जैसे स्वाद इसे खास बनाते हैं। डेवन्स के चेयरमैन ने इस जीत को परंपरा और आधुनिक सोच का मेल बताया है। उन्होंने कहा कि ज्ञानचंद अम्बरा दशकों के अनुभव और अंतरराष्ट्रीय स्वाद को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

दुनिया के मशहूर व्हिस्की समीक्षक जिम मरे, जिन्होंने व्हिस्की बाइबल जैसी प्रसिद्ध किताब लिखी है, उन्होंने इसे चखने के बाद हैरानी जताते हुए कहा कि क्या यह सच में भारतीय व्हिस्की हो सकती है? ज्ञानचंद अम्बरा को मिला यह सम्मान सिर्फ एक ब्रांड की जीत नहीं, बल्कि पूरी भारतीय स्पिरिट इंडस्ट्री की उपलब्धि है। इससे साफ है कि अब भारतीय व्हिस्की को भी वैश्विक मंचों पर लोकप्रियता मिल रही है।

'किंग' की शूटिंग के दौरान घायल हुए शाहरुख, इलाज के लिए अमेरिका गए

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' की शूटिंग के दौरान घायल हो गए हैं। यह हादसा मुंबई के गोल्डन टोबैको स्टूडियो में एक एक्शन सीक्वेंस के दौरान हुआ। चोट लगने के बाद उन्हें इलाज के लिए अमेरिका ले जाया गया है, जहां डॉक्टरों ने फिलहाल एक महीने का आराम करने की सलाह दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कोई गंभीर चोट नहीं है, बल्कि मांसपेशियों में खिंचाव या सामान्य स्ट्रेन है।

सूत्र ने बताया, यह पहली बार नहीं है जब शाहरुख को एक्शन सीन करते समय चोट लगी हो। वे पहले भी कई बार ऐसी मांसपेशियों से जुड़ी चोटों का सामना कर चुके हैं। चोट और इलाज की वजह से 'किंग' की शूटिंग को फिलहाल सितंबर या अक्टूबर तक के लिए टाला गया है। जुलाई-अगस्त के जो शेड्यूल पहले से तय थे, उन्हें रद्द किया गया है।

मानसून सत्र से पहले विपक्षी दलों की बड़ी बैठक, कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी

नई दिल्ली : संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले शनिवार को 'इंडिया' ब्लॉक की एक ऑनलाइन बैठक हुई। इसमें उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि वे किन मुद्दों पर संसद में सरकार को घेरेंगे और एकजुटता का संदेश देंगे। बैठक में 24 सियासी दलों ने भाग लिया, जिनमें कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक), राष्ट्रीय जनता दल (राजद), समाजवादी पार्टी (सपा), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम), माकपा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भाकपा (माले), फॉरवर्ड ब्लॉक, आईयूएमएल और केरल कांग्रेस शामिल हैं।

बैठक में कौन-कौन नेता शामिल हुए

यह बैठक सोमवार को शुरू होने जा रहे मानसून सत्र से ठीक पहले हुई है। काफी लंबे अंतराल के बाद विपक्षी दलों की यह बैठक हुई, जिसमें देश की राजनीतिक स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, विपक्षी गठबंधन इंडिया से जुड़े 24 दलों के नेताओं की ऑनलाइन बैठक अभी शुरू हुई है। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शरद पवार (राकांपा-शरद पवार गुट), उद्धव ठाकरे (शिवसेना-उद्धव गुट), अभिषेक बनर्जी (टीएमसी), तेजस्वी यादव (राजद), राम गोपाल यादव (सपा), तिरुचि शिवा (डीएमके), माकपा के एम. ए. बेबी, भाकपा के डी. राजा और भाकपा (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य समेत कई नेता मौजूद थे।

जिला मत्स्य कार्यालय, धनबाद

दूरभाष : 0326–2310438, ईमेल : dfodhanbad0@gmail.com

मछली–सह–बत्तख पालन हेतु अल्पकालीन सूचना

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश सं0 10 दिनांक 04.07.2025 के आलोक में मत्स्य कृषकों को सूचित किया जाता है कि मछली पालकों की आय वृद्धि एवं रोजगार के अवसर उत्पन्न करने हेतु जिले को वित्तीय वर्ष 2025–26 में मछली–सह– बत्तख पालन के लिए 08 इकाई का लक्ष्य प्राप्त है। एक इकाई अर्थात् 0.4 हेक्टेयर हेतु मो0 153,350/– रू0 मात्र का दर प्रस्तावित किया गया है। इस योजनान्तर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं महिला कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंशदान 80 प्रतिशत (अधिकतम मो0 1,22,680/– रू0) होगा तथा शेष अंशदान लाभुक का होगा। अन्य सभी कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंशदान 70 प्रतिशत् (अधिकतम मो0 1,07,345/– रू0) होगा, शेष सभी राशि लाभुक द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा। इसी प्रकार 0.2 हेक्टेयर पर मछली–सह– बत्तख पालन के लिए राज्य सरकार के अंशदान की राशि समानुपातिक रूप से होगी।

लाभुकों का चयन निम्न बिन्दुओं/अहर्ताओं पर किया जायेगा :–

- प्राथमिकता एक एकड़ अथवा उससे बड़े जलक्षेत्र के तालाबों को दी जायेगी, किन्तु एक स्थल/लाभुक पर एक यूनिट (160 ducklings) ही स्वीकृत किया जायेगा।
- आर0एफ0एफ0 के लिए भी प्रति स्थल अधिकतम 2 इकाई की परियोजना होगी। लाभुक का अंशदान वहाँ कार्यरत लाभुक समूह/मत्स्य जीवी सहयोग समिति द्वारा वहन किया जायेगा।
- योजना कार्यान्वयन का प्रस्तावित स्थल आबादी के नजदीक हो।
- जिला मुख्यालय के नजदीक के लाभुकों को प्राथमिकता दी जायेगी, ताकि अनुश्रवण आदि में सुविधा हो।
- लाभुकों का cluster बनाकर योजना का क्रियान्वयन किया जायेगा।
- बत्तख हाउस लाभुक द्वारा स्थानीय स्तर पर बनाया जायेगा।

इच्छुक मत्स्य कृषक जिनके पास 0.4 हे0 का निजी सदाबहार तालाब हो वे अपना आवेदन दिनांक 14.08.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, धनबाद में आवेदन जमा कर सकते है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, धनबाद

PR 357768 Fish(25-26)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं०–गै0यो0–01/2025–26

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय :– 11.08.2025 तक (कार्यालय अवधि में)।
3. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 12.08.2025 को 3.00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 12.08.2025 को 3.30 बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान–
   1. मुख्य अभियंता (यातायात) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड अभियंत्रण प्रथम तल्ला, छात्रावास सं॰–2, धुर्वा, राँची–834004
   2. अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, दुमका।
   3. कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान
   1. मुख्य अभियंता (यातायात) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड अभियंत्रण प्रथम तल्ला, छात्रावास सं॰–2, धुर्वा, राँची–834004
   2. अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, दुमका।
   3. कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।
7. कार्य की विवरणी :–

क्र०	कार्य का नाम	निविदा की राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण–विपत्र का मूल्य (रु० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Protective work of high embankment with boulder pitching at chainage between 66th Km to 72nd Km and construction of toe wall at Service road near Road under Pass at 72nd Km of Govindpur-Sahebganj road for the year 2025-26	25.00 लाख	50,000.00	5000.00	02 महीना
2	Protective work of high embankment with boulder pitching and Construction of toe wall at chainage 74th Km (Near Ajay River) of Govindpur-Sahebganj road for the year 2025-26	20.00 लाख	40,000.00	5000.00	02 महीना
3	Construction of 200m Length RCC Drain at 4th & 5th Km of Posoi -Satsal via Indra Chowk road near RCD Office and New Civil Court Jamtara under Road Divison, Jamtara for the year 2025-26	25.00 लाख	50,000.00	5000.00	02 महीना
4	Construction of Guard Wall (40m long, 2 metre high) at 2nd & 18th Km of Anguthia more -Babupur road for the year 2025-26	15.00 लाख	30,000.00	2500.00	03 महीना
5	Ordinary repair of Staff Quarter & IB Nala for the year 2025-26	15.00 लाख	30,000.00	2500.00	02 महीना
6	Construction of Parking Stand in RCD Campus under Road Divison Jamtara for the year 2025- 26	12.00 लाख	24,000.00	2500.00	02 महीना
7	Construction of 5.5m x 2.1m half overhead gantry (Cantilever sign board 5.50m x 2.10m) and 150m drain, road safety work in Jamtara-Karmatarn-Laharjori road for the year 2025-26	25.00 लाख	50,000.00	5000.00	02 महीना
8	Installation of 1 Full and 1 half overhead Gantry between Anguthia more to Babupur road for the year 2025-26	25.00 लाख	50,000.00	5000.00	45 दिन
9	Construction of Half Gantry, Metal Beam Crash Barrier and road Safety Work at Various chanages of Jamtara (Tilabad) to Ladna Dam road for the year 2025-26	20.00 लाख	40,000.00	5000.00	02 महीना
10	Installation of Road Signage/Safety work in Govindpur-Sahebganj road at Ch.-29.020 Km to 75.00 Km under Road Division, Jamtara for the year 2025-26	15.00	30,000.00	2500.00	02 महीना
11	Construction of Retaining wall of height 2m at 8th to 12th Km of Jamtara (Tilabad) to Ladna Dam road for the year 2025-26	45.00	90,000.00	5000.00	03 महीना
12	Construction of Retaining Wall (160m length) of height 2m at 5th, 8th & 19th Km of Jamtara-Karmatarn-Lahariori road for the year 2025-26	45.00	90,000.00	5000.00	03 महीना
13	Drain in in service road of ROB 09B/T under Road Division, Jamtara for the year 2025-26	15.00	30,000.00	2500.00	02 महीना
14	Special repair of Service Road of ROB 09B/T under Road Divison, Jamtara for the year 2025-26	25.00	50,000.00	5000.00	02 महीना
15	Ordinary repair of Dhotla more to Nala road (Total Length-19.950 Km) for the year 2025-26	50.00	1,00,000.00	5000.00	03 महीना

1. निविदा की शर्ते कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती हैं।
2. बिना कारण बताए किसी एक या सभी निविदाओं को स्थगित या रद्द करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।
3. निविदा की राशि घट –बढ़ सकती है।
4. झारखण्ड लोक निर्माण विभाग संहित की कंडिका–163(a) द्वारा कृत प्रावधान को अवक्रमित करते हुए 10 प्रतिशत की न्यूनतम अधिसीमा को समाप्त किया जाता है। सम्प्रति 10 प्रतिशत से नीचे की दर की निविदाएँ अनुमान्य होगी। 10 (दस) प्रतिशत से न्यून निविदाओं के लिए Additional Performane Secuirty के क्रम में परिमाण विपत्र की राशि से (i) 10 से 20 प्रतिशत below तक की राशि का 20% तथा (ii) 20 प्रतिशत से अधिक below की राशि का 30% अतिरिक्त जमानत का प्रावधान लागू होगा। यह झारखण्ड लोक निर्माण विभाग संहिता के नियम 172(a) के रुप में समाहित होगा। पूर्व के संहिता/नियम/परिपत्र द्वारा कृत सभी प्रावधान अवक्रमित समझे जायेंगे।
6. वैध एवं समान दर की निविदाओं के मामले में निविदा निष्पादन के प्राधिकार द्वारा पारदर्शी तरीके से लाटरी (lottery) की पद्धति अपनायी जायेगी। यह प्रावधान, झारखण्ड लोक निर्माण विभाग संहिता के कंडिका–163(e) के रुप में समाहित होगा तथा उक्त हद तक पूर्व के संहिता/नियम/परिपत्र द्वारा कृत सभी प्रावधान अवक्रमित समझे जायेंगे। उपरोक्त सभी झारखण्ड सरकार, पथ निर्माण विभाग, रॉची के संकल्प संख्या 2146(एस0) दिनांक 09.09.2020 से आच्छादित होगा।

कार्यपालक अभियंता
प0नि0वि0, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।

PR 357750 (Road) 25-26 (D)

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

जब हाईकोर्ट का जज सुप्रीम कोर्ट से न्याय मांगे

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में शायद यह पहला अवसर है। जब एक हाईकोर्ट के न्यायाधीश, जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट और न्याय की कार्यप्रणाली को असंवैधानिक बता दिया है। वह शीर्ष अदालत से न्याय मांगने पहुंचे हैं। यह मामला जितना कानूनी है, उतना ही संस्थागत, नैतिक और संवैधानिक संकट को भी दर्शाता है। संविधान प्रदत न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र की विश्वसनीयता और मूल सिंद्धान्त पर भी एक प्रश्न चिन्ह है। जस्टिस वर्मा के दिल्ली आवास पर "जली हुई नकदी" कांड के बाद गंभीर सवाल खड़े है। सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस कमेटी की जांच में उनके खिलाफ ठोस आरोप सामने आए। उनके आवास से नकदी मिलना, असामान्य व्यवहार, सबूतों को लेकर सवाल और जांच में जस्टिस वर्मा का सहयोग नही करने का उल्लेख है। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने उन्हें जज के पद से हटाने की सिफारिश की थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने वर्मा को इस्तीफा देने का मौका दिया था। वर्मा ने पेशकश नहीं मानी उन्होंने अंतिम दांव चलते हुए खुद सुप्रीम कोर्ट में इन हाउस जांच प्रक्रिया को असंवैधानिक घोषित करने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में पेश की है। एक हाईकोर्ट जज ही न्यायपालिका की प्रक्रिया पर भरोसा नहीं कर रहा है। फिर आम आदमी न्यायपालिका से क्या उम्मीद करे? वर्मा का कहना है, संसद के अनुच्छेद 124 और 218 के अंतर्गत ही न्यायाधीशों को पद से हटाने की शक्ति निहित है। सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस जांच असंवैधानिक है। उन्होंने न्याय प्रक्रिया के मूल सिद्धांत, प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन करने का आरोप जांच करने वाले न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश पर लगाया है। सवाल यह है, क्या यह एक दोषी व्यक्ति के बचाव की रणनीति है, या वाकई संवैधानिक बहस की ज़रूरत? क्या जस्टिस वर्मा के खिलाफ कोई साजिश रची गई है। उस साजिश के तहत यह सब किया जा रहा है। यदि वर्मा दोषी हैं, तो उन्हें कठोरतम सज़ा मिलनी ही चाहिए। यदि न्यायपालिका की प्रक्रिया में खामियां हैं, तो उनमे बहस और सुधार जरूरी है। बर्मा ने अपनी याचिका में जिस तरह के तथ्य रखे हैं। अपराध की जिस तरह से जांच होनी चाहिए। उन नियमों का पालन उनके आरोपों पर नहीं किया गया है। यह भी स्पष्ट रूप से याचिका मे प्रदर्शित हो रहा है। यह मामला सिर्फ वर्मा बनाम सुप्रीम कोर्ट का नहीं है। न्यायपालिका की आंतरिक पारदर्शिता, संविधान के प्रति जवाबदेही तथा नागरिक के मौलिक अधिकारों से संबंधित है। संविधान सम्मत न्यायपालिका विधायका और कार्यपालिका की भी अग्निपरीक्षा है। देश देख रहा है, क्या सुप्रीम कोर्ट न्यायपालिका को निष्पक्ष न्याय का प्रतीक बनाकर रख पायेगा। या न्यायपालिका की साख को संस्थागत घेरे में चुप्पी साध कर इस मामले को रफा दफा करने का प्रयास करेगा। पिछले एक दशक में न्यायपालिका जिस दबाव में कार्य कर रही है। न्यायपालिका की कार्यवाही सुझाव और फैसला भी आए दिन चर्चाओं में बने रहते हैं। पिछले एक दशक में सरकार के प्रति न्यायपालिका का झुकाव यह साबित करता है। न्यायपालिका के ऊपर वह भरोसा आम आदमियों को नहीं रहा, जो न्यायपालिका को लेकर 2014 के पहले था। सरकार भी जब बार-बार यह कहती है, सरकार से सहमत नहीं हो तो कोर्ट चले जाओ। पिछले एक दशक में जिस तरह की कार्यवाही न्यायपालिका की होनी चाहिए थी। वह नहीं हुई। न्यायपालिका से सरकार को समय-समय पर संरक्षण मिलता रहा है। जस्टिस लोया जैसे मामले में भी न्यायपालिका ने जिस तरह से फैसला किया। उसके बाद यह माना जाने लगा न्यायपालिका के ऊपर यह सरकार का दबाव है। पिछले एक दशक में कॉलेजियम की अनुशंसाओं पर सरकार ने जिस तरह का पलीता लगाया है। वह भी जग जाहिर है। सरकार अब न्यायपालिका को शायद अपने अधीनस्थ मानकर चल रही है। सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अन्य कारण बताकर बंद लिफाफे में जानकारी सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में दे रही है। सरकार की जांच एजेंसियों द्वारा असंवैधानिक रूप से जो कार्यवाही की गई है। उस पर भी न्यायपालिका लंबे समय तक चुप्पी साध कर रखती है। जस्टिस वर्मा वाले मामले में भी अभी तक यह उजागर नहीं हुआ है, कि उनके यहां जले हुए नोट कितने थे, वह नोट कहां से आए थे, उसके संबंध में फायर ब्रिगेड और दिल्ली पुलिस ने सारी जानकारी एकत्रित क्यों नहीं की। जिसके कारण जस्टिस वर्मा को यह कहने का मौका मिल रहा है, कि उन्हें फसाया गया है। उनके खिलाफ यह एक साजिश है। जांच प्रक्रिया का पालन सही तरीके से नहीं किया गया। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के ऊपर जिस तरह से उन्होंने संवैधानिक एवं कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करने का तथ्य अपनी याचिका में पेश किया है। उससे न्यायपालिका की साख पर प्रश्न चिन्ह लगा है। जैसे वर्मा ने अपने बचाव के लिए जिस तरह से न्यायपालिका और सरकार के बीच का संघर्ष उजागर किया है। इसमें फैसला कुछ भी हो, भारत की न्यायिक परंपरा या तो मजबूत होगी, या और कमजोर होगी। जिस तरह की स्थितियां वर्तमान में देखने को मिल रही हैं। उसमें बार-बार विपक्ष संविधान को खत्म करने जैसी बात कर रहा है। न्यायपालिका की कमजोरी का लाभ, सरकार और कार्यपालिका उठा रही है। आम लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।न्यायपालिका और संविधान के प्रति लोगों का विश्वास डिग गया है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। जस्टिस वर्मा की याचिका के मंथन से अमृत निकलेगा या विष निकलेगा। इसके लिए समय का इंतजार करना ही पड़ेगा। समय के साथ सारी चीजों में परिवर्तन आता है, स्थायी कुछ भी नहीं है।

तीन चीजें : सबसे गंदी सबसे करीब सबसे अजीज

तनवीर जाफ़री

प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में स्वच्छ व साफ़ सुथरा रहने की हरसंभव वह कोशिशें करता है जिससे वह स्वस्थ व आरोग्य रह सके। नित्य नहाना धोना,साफ़ सुथरे कपड़े पहनना,साफ़ जगह पर बैठना,स्वास्थ्य वर्धक खाद्य सामग्री ग्रहण करना,स्वास्थ्यकारी वातावरण में रहना आदि सब इन्हीं स्वच्छता सम्बन्धी उपायों के मद्देनज़र किया जाता है। परन्तु क्या आप जानते कि स्वच्छता सम्बन्धी सभी उपायों को अपनाने के बावजूद हमें अपने जीवन में रोज़ाना दिन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जबकि जाने अनजाने में हम गंदिगी ही नहीं बल्कि घोर गंदिगी के शिकार हो जाते हैं। बल्कि हम चाहते हुये भी इनका शिकार होने से भी नहीं बच पाते?

और ऐसी तीन चीज़ें हर समय हमारे साथ रहती हैं जिन्हें न तो हम बार बार धो सकते हैं न ही इन्हें साफ़ करने के कोई उपाय अपना सकते हैं और न ही इनकी उपेक्षा कर सकते हैं । इनमें सबसे पहला है हमारा अपना दोनों हाथ। हम सारा दिन अपने हाथों से क्या क्या छूते हैं ,किस किस से हाथ मिलाते हैं,शरीर के किन भागों पर हाथ लगाते हैं,कब सिर,कान नाक आँख फोड़ा फुंसी सहलाते या खुजलाते हैं,कब कुत्ता बिल्ली या अन्य किसी जानवर पक्षी से अपना प्यार जताते हैं। कार स्कूटर चप्पल जूतों में कब कहाँ हाथ लगते हैं,हमें कुछ ध्यान नहीं रहता। और खाने पीने में अपने उन्हीं हाथों का प्रयोग हम दिन भर करते रहते हैं।

इसी तरह दूसरी चीज़ है नोट अर्थात करेंसी। यह किन किन हाथों से होकर कहाँ कहाँ पहुँचती है किसी को नहीं पता। परन्तु हर व्यक्ति इन आवारा गर्दी करने वाली करेंसी को अपनी छाती से लगाकर रखता है। कई लोग तो नोट गिनते समय उंगलियों के साथ अपने थूक का भी इस्तेमाल करते हैं। निश्चित रूप से नोट अर्थात करेंसी भी घोर गंदी होने के बावजूद हमारी सबसे प्रिय चीज़ है। जिससे दूरी बनाकर रखना या इसे स्वच्छ रूप में रख पाना हमारे लिये बिल्कुल असंभव है।

तीसरी चीज़ है हमारा मोबाईल या सेल फ़ोन। हमारे आधुनिक जीवन का यह हमसफ़र हर व्यक्ति से उसके बीवी बच्चों व माता पिता से भी क़रीबी स्थान बना चुका है। बाथरूम से लेकर डायनिंग टेबल तक हर जगह साथ रहता है। और आपके पहले सबसे अज़ीज़ हमसफ़र यानी हाथ की रौनक़ बना रहता है। कई बार खाना खाते समय कोई फ़ोन काल आ जाती है तो लोग खाने के दौरान ही फ़ौरन कॉल रिसीव करते हैं। इसकी भी नित्य सफ़ाई का निर्धारित तरीक़ा शायद ही कोई अपनाता हो। गोया गंदे हाथों में गन्दा मोबाईल और गंदे हाथों में गंदी करेंसी,और कभी कभी हमारे जेब में एक साथ इकट्ठी यह तीनों गंदी चीज़ें, अधिकांश लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। इससे निजात पाना असंभव नहीं तो बेहद मुश्किल ज़रूर है परन्तु हमें स्वस्थ रहने के लिये गंदिगी के इस कुचक्र से निजात पाने के उपाय ज़रूर करने चाहिये ।

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

ललित गर्ग

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि 'सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को ज़िम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के 'जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुईं हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा 'जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए, न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और 'बदहाल कानून-व्यवस्था' को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

आरजेडी-कांग्रेस भाजपा और नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं कि जिनके शासन में कभी सुशासन की मिसाल दी जाती थी, अब वही शासन अपराधियों के आगे बेबस नजर आ रहा है। बिहार के लिए यह समय आत्मचिंतन का है। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस-प्रशासन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे और राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त करे। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज़ किया जाए ताकि अपराधियों को जल्द सजा मिले।

एमपी के स्वच्छता मॉडल ने पेश की नई मिसाल, इंदौर के साथ चमके कई शहर

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब अपने नाम किया है। इंदौर ने 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों की सुपर स्वच्छ लीग सिटीज कैटेगरी में ओवरऑल पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल इंदौरवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह शहर की स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और नगर निगम के बेहतरीन नवाचारों का परिणाम है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयोजित इस सर्वेक्षण में इंदौर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक संस्कृति है। इंदौर पूर्व में सात बार देश के स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ लीग पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो गर्व का विषय है। इसी प्रकार 20 हजार से कम आबादी वाले नगरों की श्रेणी में बुधनी नगर को भी सम्मानित किया गया। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में मध्यप्रदेश के अन्य शहरों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इंदौर के साथ भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन एवं बुधनी को भी विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छता पुरस्कार मिला है। बाबा महाकाल की उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में शीर्ष स्थान मिला है। 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बुधनी सर्वश्रेष्ठ शहर बन कर उभरा है जबकि 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में भोपाल दूसरे, जबलपुर पांचवें और ग्वालियर 14वें स्थान पर रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छता में प्रॉमिसिंग शहर का स्टेट अवार्ड ग्वालियर को मिला है। इसी तरह से 50 हजार से तीन लाख जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में देवास प्रथम स्थान पर रहा। मध्यप्रदेश ने कुल आठ राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए जिससे राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वच्छ भारत मिशन की प्रेरणा और जनभागीदारी इस सफलता का आधार रहा। इंदौर की स्वच्छता की सफलता का श्रेय शहर के कचरा प्रबंधन, जन जागरूकता और नवाचारों को जाता है। इंदौर के स्वच्छता मॉडल ने शहर को कचरा-मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंदौर में खुले में कचरा फेंकना पूर्णतः प्रतिबंधित है। शहर में कचरा डंपिंग को शून्य करने के लिए सभी कचरे की प्रोसेसिंग की जाती है। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है, जबकि सूखे कचरे को रिसाइकिल कर अनेक उत्पाद बनाए जाते हैं। इंदौर की सफलता का सबसे बड़ा आधार जनभागीदारी भी है। स्वच्छता के प्रति नागरिकों का जुनून और सामूहिक प्रयास इस मॉडल को अनूठा बनाते हैं। नगर निगम ने विभिन्न जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया है। इंदौर ने कचरा प्रबंधन के लिए हाई-टेक सिस्टम विकसित किया है। कचरा संग्रहण वाहनों की हर गतिविधि को जीपीएस के माध्यम से ट्रैक किया जाता है। एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियंत्रण कक्ष से हर सेकंड की गतिविधि की निगरानी की जाती है।इंदौर में एशिया का सबसे बड़ा बायो-मीथेन गैस प्लांट स्थापित किया गया है जो गीले कचरे से बायो-गैस और खाद उत्पादन करता है। इसके अतिरिक्त, भारत का पहला पीपीपी मॉडल आधारित हरित कचरा प्रसंस्करण संयंत्र भी इंदौर में स्थापित है जो लकड़ी और पत्तियों से पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद बनाता है।एक दौर ऐसा भी था जब इंदौर की सड़कों पर कचरा देखा जाता था लेकिन आज यह शहर कचरे से सीएनजी और खाद बनाने में अग्रणी है। इंदौर नगर निगम ने कचरे के शत-प्रतिशत पृथक्करण और रीसाइक्लिंग को सुनिश्चित किया है।नगर निगम ने स्वच्छता के लिए कई नवाचार किए हैं। प्रत्येक घर से कचरा एकत्र करने के लिए उसने अनेक वाहन तैनात किए जिसने गीले, सूखे और खतरनाक कचरे को अलग करने की प्रक्रिया को जन-जन तक पहुंचाया। भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में इंदौर ने न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत इंदौर ने लगातार आठ वर्षों (2017-2024) तक स्वच्छता सर्वेक्षण में पहला स्थान हासिल किया है जो अपने आप में मध्यप्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। आज इंदौर का स्वच्छता मॉडल ने जनभागीदारी, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक दक्षता का एक अनूठा संगम बना है। यह मॉडल न केवल भारत के अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा बन चुका है। इंदौर नगर निगम और जिला प्रशासन ने प्रतिदिन स्वच्छता को प्राथमिकता देने का काम किया है। नगर निगम ने कचरा प्रबंधन के लिए नवाचारी योजनाएँ बनाई और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया जिससे इंदौर की जनता ने स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाया। इंदौर ने न केवल स्वच्छता के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, बल्कि यह अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणा बन गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में सुपर स्वच्छता

वर्तमान परिपेक्ष्य में युद्ध का बदलता स्वरूप

डॉ. अंशुल उपाध्याय

वर्तमान में विश्व के कई देशो के मध्य युद्ध का वातावरण व्याप्त है। एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच जो युद्ध हुआ वह पिछले दो सालों से चल ही रहा था की दूसरी तरफ ईरान और इजराइल का युद्ध भी सीज़ फायर के बाद भी चालू है। इसी बीच पाकिस्तान के द्वारा भारत के पहलगांव (कश्मीर) पर हमला किया गया जिसके बाद भारत ने भी हवाई हमले के द्वारा पाकिस्तान को जबाव दिया और भारत व पाकिस्तान के बीच की तनातनी और बढ़ गई। अब विश्व में जो परिस्थितियों उत्पन्न हो रही हैं,उनके चलते यह कहना बिल्कुल भी अनुचित नहीं होगा कि परमाणु अस्त्रों से संपन्न राष्ट्र अगर इस तरह युद्ध के मैदान में कूदते हैं तो परिणाम भयंकर हो सकते हैं।

युद्ध के मायने आखिर क्या हैं?

युद्ध एक ऐसा सशस्त्र संघर्ष है जो दो या दो से अधिक समूहों के बीच होता है। युद्ध दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक है। परन्तु युद्ध कभी भी सिर्फ हाथों में हथियार ले लेने से ही शुरू नहीं हो जाता। युद्ध का जन्म किसी व्यक्ति विशेष के एक विचार से होता है। कई दफ़ह ये विचार संपूर्ण राष्ट्र पर हावी हो जाते है। तो कई दफ़ह जमीन की लालच, आत्म सुरक्षा का भय, तो कई दफ़ह अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी भयंकर युद्धों की वजह बनता है।

आधुनिक युद्ध और भारत का बदलता स्वरूप

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संपूर्ण विश्व वायु सेवा की शक्ति से बखूबी परिचित हो गया था । इसके बाद 1948 में भारत को जब स्वतंत्रता की प्राप्ति हई तो उसके तुरंत बाद ही पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया और भारत को उसे जवाब देने के साथ ही युद्ध में उतरना पड़ा। इस तरह से पाकिस्तान के साथ भारत ने चार युद्ध लड़े जिसमे पहला 1948 में, दूसरा 1965 में तीसरा 1971 मे और चौथा जो कि कारगिल युद्ध हआ था 1998 में लड़ा गया इसी के साथ भारत और चीन के बीच भी 1962 में युद्ध लड़ा गया था।

ईरान-इजराइल युद्ध और वर्तमान परिपेक्ष्य

ईरान के अब तक का युद्ध इतिहास खून खराबे से भरा हुआ है। गाजा पट्टी का युद्ध हो या खाड़ी युद्ध, युद्धों ने इन दोनों देशों के मध्य तनाव वृद्धि ही की है। अब 2024 में इजरायल-ईरान के मध्य का ये शीत युद्ध सीधे संघर्ष में ही बदल गया। और 1 अप्रैल को, इजरायल ने दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर बमबारी की, जिसमें कई वरिष्ठ ईरानी अधिकारी मारे गए। इस हमले के जवाब में, ईरान और उसके प्रतिनिधियों ने 13 अप्रैल को इजराइल के अंदर हमले शुरू कर दिए। ईरान और इजराइल के बीच 1979 से कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं और आधुनिक संबंध शत्रुतापूर्ण हैं। शीत युद्ध के अधिकांश समय में ये संबंध सौहार्दपूर्ण थे, लेकिन ईरानी क्रांति के बाद ये

अख़बारों में साहित्य की हत्या और शब्द कर्मियों की बेइज़्ज़ती

डॉ सत्यवान सौरभ

आज के अधिकांश अख़बारों से साहित्यिक पन्ने या तो पूरी तरह गायब हो चुके हैं या केवल खानापूरी तक सीमित हैं। लेखकों को छापकर उन्हें 'कृपा' का अनुभव कराया जाता है, परंतु सम्मानजनक मानदेय नहीं दिया जाता। अब कुछ मालिकान पुरस्कार योजनाएं बनाकर लेखक-सम्मान का दिखावा कर रहे हैं, जबकि बुनियादी ज़रूरत है — श्रम का मूल्य और साहित्य की जगह। लेखन कोई शौक नहीं, गहन परिश्रम है, जिसे मजूरी और मान चाहिए। पुरस्कार बाद में दीजिए, पहले लेखक को उसका मेहनताना दीजिए — यही सबसे बड़ा सम्मान होगा। कभी अख़बारों के साहित्यिक पृष्ठों को देश की आत्मा कहा जाता था। वहां सिर्फ खबरें नहीं होती थीं, बल्कि विचार, विवेक और संवेदना की साझी विरासत सांस लेती थी। लेकिन आज जब हम अख़बार पलटते हैं, तो खबरें हैं, विज्ञापन हैं, राजनेताओं के प्रवचन हैं, पर कविता, कहानी, ललित निबंध, समीक्षा और विचारधारा का साहित्यिक पक्ष गायब है। बड़ी विडंबना है कि जो मीडिया 'प्रेस की स्वतंत्रता' और 'अभिव्यक्ति की आज़ादी' का झंडा उठाए घूमता है, उसी ने अपने सबसे जरूरी हिस्से – साहित्य और साहित्यकारों को हाशिए पर धकेल दिया है। अख़बारों से साहित्यिक पन्ने चुपचाप ग़ायब कर दिए गए, और जो कुछ बचे हैं, उनमें भी केवल खानापूरी चल रही है।

लिखने वाले बचे हैं, पर छापने वाला कौन?

आज भी भारत में हजारों लेखक, कवि, निबंधकार, विचारक अपने मन की बात समाज तक पहुंचाना चाहते हैं। पर उन्हें जगह कहां मिलती है? अगर आप किसी अख़बार में साहित्यिक लेख भेजें तो या तो संपादक व्यस्त हैं का जवाब मिलेगा, या कोई जवाब ही नहीं। जवाब मिला तो यह नहीं मालूम कि वह अस्वीकृति है या केवल औपचारिकता। और अगर छप भी गया — तो मानदेय? वो तो जैसे गाली मांग ली हो! कई अखबार बिना एक पैसा दिए लेखकों से नियमित सामग्री प्रकाशित करते हैं। और कुछ जगहों पर तो एक ऐसी व्यवस्था है जिसे लेखक-शोषण का मॉडल कहा जा सकता है — छप कर खुश हो जाइए, पैसे का सवाल मत उठाइए।

लेखकों का मानदेय नहीं, मगर मालिकान पुरस्कार देंगे!

अब सुनिए ताज़ा तमाशा —कुछ मीडिया संस्थान अब लेखकों को पुरस्कार देने की योजना बना रहे हैं। वाह! आप पहले लेखकों से मुफ्त में लेख लिखवाते हैं, फिर उन्हें छपने के बदले में कृपा समझते हैं, और अब पुरस्कारों का चारा डालकर आत्मसम्मान की हत्या कर रहे हैं। माना कि पुरस्कारों की परंपरा साहित्य में पुरानी है। लेकिन जब ये पुरस्कार उन हाथों से आने लगें जो लेखकों को रचनात्मक मजदूर नहीं, उपयोग की वस्तु समझते हैं, तो सवाल उठते ही हैं। क्या पुरस्कार उस संस्था की ओर से आना चाहिए जो मानदेय देने तक को बोझ समझती है?

साहित्यिक पृष्ठ अब सिर्फ रस्म अदायगी

अख़बारों में बचे हुए जो साहित्यिक कॉलम हैं, वे भी आज क्लबबाज़ी, गुटबाज़ी और व्यक्तिगत संबंधों की राजनीति के अड्डे बन चुके हैं। कुछ खास नामों को ही बार-बार छापा जाता है। नये लेखकों को तो जैसे इंट्री ही नहीं। मानदेय के नाम पर महीने भर बाद फोन घुमाइए, मेल भेजिए, और फिर भी... "आपका भुगतान प्रक्रिया में है"। कभी धर्मयुग, साप्ताहिक हिंदुस्तान, कादम्बिनी, नवभारत टाइम्स जैसे स्तम्भ साहित्य की आवाज़ थे। आज तो 'साहित्य' शब्द से ही कुछ संस्थानों को एलर्जी हो गई है।

शब्दकर्मी भी मजदूर हैं, सिर्फ माइक वाले नहीं

पत्रकारिता में कैमरामैन, रिपोर्टर, एंकर, डिज़ाइनर सभी को वेतन मिलता है। लेकिन लेखकों को अब भी हवा का प्राणी माना जाता है — उन्हें केवल सम्मान की तसल्ली चाहिए, पैसे की नहीं। यह सोच गहरी असंवेदनशीलता की परिचायक है। लेखक कोई शौकिया कलाकार नहीं है, वह समय, श्रम, अध्ययन और संवेदना की मिट्टी से रचना करता है। उसकी लेखनी समाज को दिशा देती है, जनचेतना जगाती है। फिर उसे मज़दूरी देने में कंजूसी क्यों?

क्या आप पत्रकारिता को बिना विचार के चलाना चाहते हैं?

आज का अख़बार कॉर्पोरेट और सत्ता के गठजोड़ का माध्यम बनता जा रहा है। लेकिन जो लोग अखबारों को पढ़ते हैं, वे केवल हादसे, घोटाले और राजनीति नहीं चाहते — वे चाहते हैं वो दृष्टिकोण, जो उन्हें सोचने के लिए मजबूर करे। और यह काम साहित्य और विचारधारा ही कर सकती है। साहित्य न हो तो अख़बार सिर्फ सूचना का कूड़ाघर बन जाएगा। सोचिए — अगर समाज को दिशा देने वाला साहित्य गायब कर दिया गया, तो आप सूचना की भीड़ में विचारों की कब्रगाह ही तो बना रहे हैं।

सम्मान तब जब श्रम की कीमत दी जाए

यदि आप लेखक को "हम आपको सम्मानित करेंगे" कह रहे हैं, तो पहले यह भी सुनिश्चित कीजिए कि आप उसे समय पर भुगतान दे रहे हैं या नहीं, उसकी रचना को संपादित किए बिना तोड़-मरोड़ तो नहीं रहे, और उसे केवल 'भराव' का साधन तो नहीं बना रहे। सम्मान का सबसे पहला रूप होता है – श्रम का मूल्य। बाकी पुरस्कार, ट्रॉफी, सर्टिफिकेट, मंच — सब बाद में आते हैं।

एक अपीलः शब्द का मूल्य जानिए

जो अख़बार अपने शब्दकर्मियों को मज़दूरी नहीं दे सकते, उन्हें साहित्य के नाम पर आयोजन करने का नैतिक अधिकार नहीं है। यदि आप लेखक हैं, तो बिना मानदेय के रचना देना बंद कीजिए। खुले मंचों पर यह सवाल उठाइए कि साहित्य की जगह कहां है। और जो संस्थान आपको सिर्फ "छपने की खुशी" देते हैं, उनसे यह पूछिए — क्या यही लेखक का सम्मान है?

मीडिया की रीढ़ सिर्फ ब्रेकिंग न्यूज़ नहीं होती।

मीडिया की आत्मा वो विचार होते हैं, जो समाज को सजग बनाते हैं। और ये विचार आते हैं लेखकों, कवियों, चिंतकों, निबंधकारों की कलम से। अगर आपने उनकी कलम से मान देना बंद कर दिया, तो एक दिन वही कलम आपके विज्ञापन-आधारित अखबारों की पोल खोल देगी।

इस कारण बच्चों को नहीं लगती भूख

बच्चों को खाना-खिलाना कोई आसान काम नहीं है। हर चीज को लेकर उनकी आना-कानी माता-पिता के लिए परेशानी बन जाती है क्योंकि वे इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि उनके लिए पोषण कितना ज्यादा जरूरी है। वहीं, बच्चे भूख न लगने की बात कहकर खाना टाल लेते हैं पर अगर बच्चा खाना नहीं खा रहा तो इसके पीछे कुछ कारण भी हो सकते हैं।

पेट के कीड़े

जब बच्चे के पेट में कीड़े होते हैं तो उन्हें भूख नहीं लगती। कई बार तो इससे दस्त, सूजन, कमजोरी और पोषण की कमी होने लगती है। इस बात पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

एनीमिया

शरीर में एनीमिया की कमी होने पर चिड़चिड़ापन,कमजोरी और थकान जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। जिससे बच्चे का खाना खाने का मन नहीं करता। बच्चे के डांटने की बजाए उसके पोषण पर ध्यान दें।

कब्ज

पेट से जुड़ी परेशानियां भी भूख न लगने का कारण बनती हैं। कब्ज भी इसका संकेत है। पाचन क्रिया की गड़बड़ी के कारण पेट साफ नहीं हो सकता, जिससे बच्चा खाना नहीं खा पाता। जब आंत साफ होती है तो धीरे-धीरे बच्चे की भूख में भी सुधार आने लगता है।

अवसाद

अवसाद यानि तनाव का शिकार सिर्फ बड़े ही नहीं बल्कि बच्चे भी हो जाते हैं। भूख न लगने का यह भी एक हिस्सा है। तनावग्रस्त बच्चों को भूख नहीं लगती।

दवाओं का सेवन

बच्चा ज्यादादेर तक किसी प्रकार की दवाइयों का सेवन कर रहा हो तब भी उसे भूख नहीं लगती। एंटीबायोटिक से बच्चों में भूख की कमी हो सकती है। अगर दवाइयां बंद करने के बाद भी बच्चा भूख महसूस नहीं कर रहा हो

डॉक्टरी जांच बहुत जरूरी है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, दसवी, रविवासरे, कृतिका नक्षत्रे, गर योगे, विव करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 12/26 या पुष्पे रवि 29/09 चालक वाहन चंद्र नाड़ी, स्वामी शनि मध्यम तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम तथा फलदायी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, धनी-मानी, वक्ता-प्रवक्ता, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, विभागीय अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी तथा उत्तम कुल भूषण, दानी-मानी, धर्मशाला निर्माणकर्ता होगा।

मेष राशि :- मानसिक बेचैनी, दुर्घटनाग्रस्त होने से बचें, अधिकारियों से तनाव बनेगा।

वृष राशि :- योजनायें फलीभूत होंगी, सफलता के साधन जुटायेंगे तथा विशेष लाभ अवश्य होगा।

मिथुन राशि :- अचानक हुआ झगड़ा कष्टप्रद होगा, विशेष कार्य स्थगित रखें, कार्य की अधिकता रहेगी।

कर्क राशि :- परिश्रम से कुछ सफलता मिले, कार्य-व्यवसाय की विशेष चिन्ता बनेगी।

सिंह राशि :- किसी अपवाद व दुर्घटना से बचें, व्यवसायिक क्षमता में बाधा बनेगी।

कन्या राशि :- व्यवसायिक गति उत्तम होगी, चिन्ता कम होगी, अवरोध के बाद कार्य बनेंगे।

तुला राशि :- मानसिक बेचैनी, उद्विघ्नता के योग बनेंगे तथा कुटुम्ब में क्लेश होगा।

वृश्चिक राशि :- साम्थर्य वृद्धि के बाद तनाव, झगड़ा व झंझट की स्थिति बनेगी, धैर्य से कार्य करें।

धनु राशि :- कुटुम्ब की समस्यायें कष्टप्रद होंगी, तनाव तथा धन का व्यर्थ व्यय होगा।

मकर राशि :- योजनायें फलीभूत होंगी, सफलता के साधन अवश्य ही जुटायें, कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि :- स्वाभव में खिन्नता, मानसिक बेचैनी तथा अनेक कार्य बिगड़ जायेंगे ध्यान दें।

मीन राशि :- तनाव, क्लेश तथा अशांति का वातावरण बनेगा, परिश्रम विफल होगा, कार्यगति मंद होगी।

सावन मास का आध्यात्मिक महत्व एवं भगवान शिव की महिमा

पूनम चतुर्वेदी शुक्ला

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक ऋतु, माह, दिन और क्षण का एक विशिष्ट धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसी क्रम में 'सावन मास'—जो कि वर्षा ऋतु के मध्य में आता है—एक ऐसा पवित्र कालखंड है जो पूर्णतः भगवान शिव को समर्पित होता है। सावन मास में वातावरण का नैसर्गिक सौंदर्य, वर्षा की शीतलता, धरती की हरियाली, मनुष्य के भीतर भक्ति की ऊर्जा को जाग्रत करती है। भारतीय पंचांग के अनुसार यह महीना चातुर्मास का आरंभिक काल होता है, जिसे धर्म और तपस्या का काल कहा जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, नेपाल और शिवभक्तों के लिए सावन मास अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इसी समय भगवान शिव की आराधना की जाती है और कांवड़ यात्रा जैसी श्रद्धा से परिपूर्ण परंपराएं आरंभ होती हैं। सावन मास का धार्मिक महत्व : हिंदू धर्म में सावन मास को 'श्रावण मास' के रूप में जाना जाता है और यह मास पूर्णतः शिव भक्ति के लिए आरक्षित माना जाता है। पुराणों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान जब हलाहल विष निकला था, तब संपूर्ण ब्रह्मांड को उसकी ज्वाला से बचाने हेतु भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण किया और नीलकंठ कहलाए। सावन मास में इसी घटना का स्मरण करते हुए भगवान शिव को जलाभिषेक किया जाता है ताकि उनकी तपन को शीतलता मिल सके। यह जलाभिषेक भक्तों द्वारा गंगाजल, दूध, शहद और अन्य पवित्र द्रव्यों से किया जाता है। इस मास में सोमवार का विशेष महत्व होता है जिसे 'श्रावण सोमवर' कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि सावन के सोमवार को विधिपूर्वक उपवास रखकर शिवजी की पूजा-अर्चना करने से इच्छित फल की प्राप्ति होती है। स्त्रियां सौभाग्य की प्राप्ति और सुयोग्य वर की कामना से यह व्रत करती हैं, जबकि पुरुष भी आरोग्य, समृद्धि और आत्मिक शुद्धि के लिए इस व्रत को रखते हैं। शिवतत्त्व की दार्शनिक व्याख्या : भगवान शिव केवल एक देवता नहीं बल्कि एक तत्त्व हैं—वह ब्रह्मांड के अद्वैत सिद्धांत के जीवंत प्रतीक हैं। वे संहारक हैं, परंतु उसी संहार में नवसृजन की संभावना छिपी होती है। वे योग के आदि स्रोत हैं—आदि योगी, आदि गुरु। शिव की उपस्थिति ध्यान, मौन और आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया में होती है। शिव का हर स्वरूप, हर प्रतीक एक गूढ़ दार्शनिक भाव लिए हुए है। त्रिशूल (Trishul) उनके तीन गुणों—सत्व, रज और तम—पर नियंत्रण का प्रतीक है। डमरू (Damaru) से सृष्टि की ध्वनि—'नाद' उत्पन्न होती है, जिससे सृष्टि के बीज मंत्र निकलते हैं। जटाजूट से बहती गंगा जीवन और पवित्रता का संकेत देती है। वृषभ (नंदी) उनके वाहन रूप में धर्म, संयम और सेवा का प्रतीक है। श्मशान में निवास करने वाले शिव इस बात का बोध कराते हैं कि जीवन और मृत्यु का भेद कृत्रिम है—परम सत्य केवल आत्मा है जो अमर है। सावन और शिवभक्ति की मनोवैज्ञानिक अनुभूति : सावन का महीना केवल पूजा का समय नहीं होता, यह आत्मान्वेषण, शुद्धिकरण और ध्यान का उपयुक्त काल होता है। वर्षा के शीतल जल की तरह यह महीना मन को भी शीतलता प्रदान करता है। जल की बूँदों की तरह शिव की कृपा भी भक्तों पर बरसती है। भौतिक जगत की कोलाहल से अलग होकर जब व्यक्ति शिव के ध्यान में लीन होता है, तब उसे परम शांति का अनुभव होता है। शिव को अर्धनारीश्वर रूप में भी पूजा जाता है, जो जीवन के संतुलन का प्रतीक है—पुरुष और स्त्री, शक्ति और शिव, संकल्प और क्रिया—सभी का एकत्व। सावन मास में प्रकृति भी इसी संतुलन की झलक देती है—धरती की प्यास बुझती है, आकाश नाचता है, पेड़ हरे-भरे होते हैं और जीव-जंतु उल्लासित होते हैं। यह सब शिव की जटाओं से बहती कृपा के ही रूप हैं। श्रद्धा का पर्व : कांवड़ यात्रा : सावन मास में 'कांवड़ यात्रा' एक विशेष धार्मिक अनुष्ठान होता है जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगोत्री, हरिद्वार, गढ़मुक्तेश्वर, देवघर आदि से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करके शिवलिंगों पर जल चढ़ाते हैं। ये भक्त कांवड़िए कहलाते हैं और पूरे अनुशासन, ब्रह्मचर्य और नियमों का पालन करते हुए यह यात्रा करते हैं। यह यात्रा न केवल एक धार्मिक आयोजन होती है बल्कि संयम, श्रद्धा और समर्पण का ऐसा उदाहरण होती है जो भारत की आध्यात्मिक चेतना को प्रमाणित करती है। शिवपुराण में सावन का उल्लेख : 'शिव महापुराण' में सावन मास की महिमा अत्यंत भावपूर्ण रूप से वर्णित है। इसमें कहा गया है कि इस मास में एक बार 'ओम् नमः शिवाय' का जप करने से सहस्त्र बार जपने के समान फल प्राप्त होता है। इस मास में बिल्वपत्र, धतूरा, आक, गंगा जल और भस्म से की गई पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। शिवपुराण के अनुसार श्रावण मास में शिव का पूजन करने वाला जीव इस जीवन में

भी सुख प्राप्त करता है और मृत्यु के बाद शिवलोक को प्राप्त करता है। लोक-संस्कृति और सावन : सावन केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह भारतीय लोक-संस्कृति का भी एक उल्लासमयी पर्व है। विशेष रूप से महिलाएं इस महीने को बहुत उल्लास से मनाती हैं। झूले पड़ते हैं, सावन के गीत गूंजते हैं—"कजरी", "झूला", "सोहर" जैसी लोक विधाओं में शिव-पार्वती का वर्णन होता है। स्त्रियां हरी चूड़ियां पहनती हैं, हाथों में मेहंदी लगाती हैं और सौंदर्य के प्रतीकों के माध्यम से शिव-पार्वती के सौभाग्य की कामना करती हैं। यह मास स्त्री-शक्ति के भी जागरण का समय होता है, जब गौरी के रूप में नारियों की साधना की जाती है।

भक्ति और योग का समन्वय

सावन का महीना योग, ध्यान और तपस्या का सर्वोत्तम काल है। भगवान शिव को योग का अधिपति माना जाता है। 'शिव सूत्र' और 'विज्ञान भैरव तंत्र' जैसे ग्रंथों में शिव ने ध्यान और योग की विविध विधियों को बताया है, जिनका अभ्यास विशेष रूप से सावन में किया जाता है। इस मास में शरीर और मन का शुद्धिकरण करते हुए उपवास, प्राणायाम और मंत्रजप से व्यक्ति शिव के समीप पहुंच सकता है। महाशिवरात्रि की तरह सावन भी एक रात्रि रूपी अंधकार को चीरकर आत्मा के उजाले की ओर ले जाने वाला अवसर है। भगवान शिव का तपस्वी रूप, उनका वैराग्य, उनका मौन और उनका करुणा से परिपूर्ण स्वरूप, साधक को आत्मा के मूल स्वरूप की याद दिलाता है।

भगवान शिव : सृष्टि के अंतिम सत्य के प्रतीक

भगवान शिव को 'महादेव' कहा गया है—देवों के देव। वे शक्ति और शांति, विनाश और सृजन, ध्यान और तांडव, करुणा और न्याय का समन्वय हैं। उनका स्वरूप हमें सिखाता है कि जीवन में संतुलन, संयम, स्वच्छता और साधना के बिना ईश्वरत्व प्राप्त नहीं होता। शिव वह जड़ नहीं हैं जो केवल मूर्तियों में समाहित हैं, वे चेतना हैं, जो हर व्यक्ति के भीतर विद्यमान है। उनका आशीर्वाद केवल पूजा से नहीं, जीवन के आचरण से प्राप्त होता है। सावन मास केवल एक कालखंड नहीं, एक चेतना है। यह मास हमें प्रकृति के साथ एकरूपता, भक्ति के साथ ध्यान, उत्सव के साथ संयम और शिव के साथ आत्मा का साक्षात्कार कराता है। भगवान शिव के चरणों में यह मास समर्पित होकर जीवन को पवित्रता, सादगी और दिव्यता की ओर अग्रसर करता है। उनके प्रति की गई एक सच्ची प्रार्थना, एक ध्यान, एक आहुति, जीवन की दिशा को बदल सकती है। सावन में बहती वर्षा की बूँदें जैसे धूल को धोकर स्वच्छता लाती हैं, वैसे ही शिव का नाम और उनकी पूजा जीवन की सारी क्लेश, चिंता और अधर्म को मिटाकर शुद्धता की ओर ले जाती है। इसीलिए, सावन केवल भक्ति का पर्व नहीं, आत्मा की शिव से एकता का मार्ग है—एक यात्रा है शिवत्व की ओर।

मोबाइल का ज्यादा इस्तेमान न करने दें

छोटे बच्चों के अभिभावकों को ये चिंता सताती रही है कि बच्चे मोबाइल के सामने कितना समय बिताते हैं। पहले टीवी अब तकनीक के बढ़ने के साथ कई और स्क्रीन्स बढ़ गई हैं जिसमें मोबाइल स्क्रीन भी शामिल है। जहां कई सारे माता-पिता इस बात को लेकर परेशान रहते हैं वहीं कुछ एक्सपट्र्स का कहना है कि ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। मीडिया और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाले बच्चों पर एक रिपोर्ट पेश की। इसके मुताबिक 8 साल और इससे कम उम्र के बच्चे रोजाना घर पर 2 घंटे 19 मिनट स्क्रीन के सामने बिताते हैं। हालांकि बच्चे अब मोबाइल और दूसरी डिवाइसों की तरफ ज्यादा शिफ्ट हो रहे हैं, ठीक अपने माता-पिता की तरह। सर्वे में ये बात सामने आई कि बच्चे एक दिन में

48 मिनट मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा बच्चे कई वर्चुअल डिवाइस और इंटरनेट टॉयज के संपर्क में भी आ रहे हैं। कुछ माता-पिता इस बात से चिंतित हैं कि स्क्रीन के सामने इतना वक्त गुजारने से बच्चे एक्सर्साइज और सीखने को इतना वक्त नहीं दे पा रहे लेकिन स्टडजी से ये बात साफ नहीं हो पा रही। दो साल की बच्ची की मां जेनी बताती हैं, मेरे बच्चे किसी सामान्य बच्चे से कम शैतान नहीं हैं क्योंकि हम बहुत कम टीवी देखते हैं। अगर सही समय पर उन्हें स्क्रीन के सामने वक्त बिताने दिया जाए तो कभी-कभी ठीक भी रहता है। पीडिएट्रिक स्पीच पैथोलॉजिस्ट का कहना है, स्क्रीन के सामने जरा भी वक्त न बिताना, ये बिल्कुल अवास्तविक है। इसमें बैलेंस बनाकर रखना चाहिए। वह सलाह देती हैं कि इसके लिए विजिबल शेड्यूल बनाएं ताकि बच्चे इसको सीमित करना समझ सकें।

बच्चे की तुलना न करें

अभिभावक होना जितना सुखद होता है, उतना ही मुश्किल भी। अपने बच्चों को कौन सी बात किस तरह समझाना है, इसको लेकर अकसर आप उलझन में पड़ जाते होंगे। कई बार आप अपने बच्चों को प्यार से समझाते हैं, तो कई बार उन्हें डांट देते हैं। कई बार आप उन्हें अपना ही उदाहरण दोते हैं, लेकिन आपकी बातों का बच्चे पर क्या असर पड़ता है, इसका अंदाजा आप नहीं लगा पाते हैं। इसलिए आपको इन बातों को बच्चों से कहने से बचना चाहिए। आप बच्चे की तुलना अपने आप से न करें। आप भी जब छोटे थे तो आपमें कई कमियां रही होंगी। उसे अपने बचपन का मजा लेने दें, उसे परफेक्ट चाइल्ड बनाने की जरूरत नहीं है। अपने फैसले खुद लेने से ही बच्चा आगे बढ़ेगा। अगर उसके फैसले गलत साबित होते हैं, तो उससे वह सीखेगा और आगे सही निर्णय लेगा। गलत फैसला लेने के लिए आपकी डांट उसे डराने और आत्मविश्वास कम करने के अलावा कुछ नहीं कर सकती है। इस तुलना की कोई जरूरत नहीं है। हर बच्चे का विकास अलग-अगल तरीके से होता है। वे अपने अलग-अलग अनुभवों से सीखते हैं। कहीं ऐसा न हो कि हर बात पर बेवजह की तुलना बच्चों में आपस में मतभेद पैदा कर दें। बेशक आपके पास कई जिम्मेदारियां हैं, जिनसे कभी-कभी आप परेशान हो जाते होंगे और अकेला रहना चाहते होंगे लेकिन आपका बच्चा आपकी परेशानियों से बिल्कुल अनजान है। ऐसे में उससे ऐसा कहना उसके मन पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है।ऐसा कहना बच्चे तो क्या किसी बड़े को भी काफी आहत कर सकता है। ऐसे में बच्चों से ऐसा कहना बिल्कुल ठीक नहीं है।

ट्रंप ने दिए संकेत अमेरिका को बनाएंगे क्रिप्टो की राजधानी

न्यूयॉर्क,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जल्द ही कुछ बड़े व्यापारिक समझौते हो जाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि ये समझौते तकरीबन तैयार हैं और किसी भी समय घोषित किए जा सकते हैं। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि हम इसे आज ही कर सकते हैं...शायद थोड़ी देर बाद। हम करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा कि जब मैं किसी देश को यह पेपर भेजता हूं कि उन्हें 35 या 40 फीसदी टैरिफ देना होगा, तो वहीं से डील शुरू हो जाती है। फिर वे कॉल करते हैं और कहते हैं कि क्या कुछ अलग तरह की डील हो सकती है, जैसे कि अपने देश को व्यापार के लिए खोलना। ट्रंप ने कहा कि जीईएनआईयूएस एक्ट एक साफ और सरल नियामकीय ढांचा प्रदान करता है, जो डॉलर समर्थित स्टेबलकॉइनों की जबरदस्त संभावनाओं को सामने लाएगा। यह अधिनियम स्टेबलकॉइन के लिए मानक तय करता है, जो अमेरिकी डॉलर या अन्य फिएट मुद्राओं से जुड़े डिजिटल करेंसी होते हैं। इसकी निगरानी फेडरल रिजर्व और मुद्रा नियंत्रक कार्यालय द्वारा की जाएगी। इसके तहत जारीकर्ताओं को जानकारी साझा करना अनिवार्य होगा कि उनके पास आरक्षित निधियों के रूप में अमेरिकी मुद्रा, मांग जमा, सरकारी प्रतिभूतियां और अन्य स्वीकृत परिसंपत्तियां मौजूद हैं। ट्रंप ने संकेत दिया कि वह अमेरिका को क्रिप्टो की राजधानी बनाना चाहते हैं। उनके मुताबिक स्टेबलकॉइनों का इस्तेमाल अमेरिकी ट्रेजरी में मांग को बढ़ाएगा, ब्याज दरों को कम करेगा और डॉलर को वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में मजबूत बनाएगा। ट्रंप ने हाल ही में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत अमेरिका द्वारा लगाए टैरिफ की 90 दिनों की स्थगन अवधि को 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त तक कर दी गई है। इस दौरान कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ वार्ता जारी है। ट्रंप ने साफ कहा कि 1 अगस्त की समय-सीमा के बाद कोई और बदलाव या विस्तार नहीं होगा और उस दिन से टैरिफ लागू होना शुरू हो जाएगा। इस अवसर पर ट्रंप ने एक ऐतिहासिक स्टेबलकॉइन अधिनियम पर भी हस्ताक्षर किए, जो इस क्षेत्र में अमेरिका का पहला संघीय विनियमन है।

भारत का चाय निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 2.85 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता,(ईएमएस)। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में भारत का चाय निर्यात सालाना आधार पर 2.85 प्रतिशत बढ़कर 25.79 करोड़ किलोग्राम रहा है। आधिकारिक आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का चाय निर्यात 25.07 करोड़ किलोग्राम रहा था। चाय बोर्ड के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात की मात्रा 16.12 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 14.90 करोड़ किलोग्राम से 8.15 प्रतिशत की वृद्धि है।
वहीं आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण भारत से निर्यात 2024-25 में 4.92 प्रतिशत घटकर 9.67 करोड़ किलोग्राम रह गया, जो उससे पिछले वित्त वर्ष में 10.17 करोड़ किलोग्राम था। प्रति किलोग्राम चाय निर्यात का मूल्य बढ़कर 290.97 रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 258.30 रुपए से 12.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कैलेंडर वर्ष 2024 में चाय निर्यात 25.62 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गया, जो 2023 की तुलना में 10.57 प्रतिशत की वृद्धि है। बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 15.55 करोड़ किलोग्राम रहा, जबकि दक्षिण भारत से यह 10.07 करोड़ किलोग्राम रहा, जो क्रमशः 10.28 प्रतिशत और 11.02 प्रतिशत की वृद्धि है।

म्यूचुअल फंड उद्योग में दस साल में छह गुना वृद्धि

छोटे फंड हाउसों ने मारी बाजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले एक दशक में भारत का म्यूचुअल फंड उद्योग तेज़ी से बढ़ा है। 2015 में जहां 41 फंड हाउसों का कुल एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) 12.29 लाख करोड़ था, वह अब बढ़कर लगभग 75 लाख करोड़ हो गया है। यह छह गुना वृद्धि देश के छोटे शहरों और खुदरा निवेशकों तक म्यूचुअल फंड की पहुंच का प्रमाण है। हालांकि इस दौरान दाइवा, एलएंडटी, जेपी मॉर्गन और आईडीएफसी जैसे कई फंड हाउसों ने कारोबार बेचकर बाजार से बाहर भी कदम खींचा। वर्तमान में 47 फंड हाउस सक्रिय हैं, जिनमें 19 के पास एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का एयूएम है। सबसे कम वृद्धि निप्पॉन, फ्रैंकलिन, यूटीआई और आदित्य बिड़ला म्यूचुअल फंड में देखने को मिली। उदाहरण के लिए, निप्पॉन का एयूएम चार गुना बढ़कर 6.12 लाख करोड़ हुआ, जबकि फ्रैंकलिन का एयूएम केवल 1.5 गुना बढ़कर 1.14 लाख करोड़ तक पहुंचा। इसके विपरीत छोटे फंड हाउसों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। एडलवाइस ने 128 गुना वृद्धि के साथ 1.48 लाख करोड़ का एयूएम हासिल किया। मिरै (99 गुना), मोतीलाल ओसवाल (38 गुना), एचएसबीसी (17 गुना) और पीपीएफएएस (19 गुना) ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ने से डीमैट खाते 2019 के 3.6 करोड़ से बढ़कर 2025 में 19.4 करोड़ हो गए हैं। सेबी के अनुसार, घरेलू संस्थागत निवेशकों का स्वामित्व 13 से बढ़कर 20 फीसदी हो गया है, जबकि विदेशी निवेशक 22 से घटकर 17 फीसदी पर आ गए हैं। इससे बाजार की आत्मनिर्भरता और गहराई में इजाफा हुआ है।

आयकर विभाग ने फर्जी रिफंड ईमेल के प्रति जारी की चेतावनी

बैंक विवरण न भेजने की दी गई सलाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक अहम सूचना जारी करते हुए करदाताओं को फर्जी ईमेल से सतर्क रहने की चेतावनी दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वह कभी भी ईमेल के माध्यम से करदाताओं से बैंक विवरण या अन्य व्यक्तिगत जानकारी मांगता नहीं है। ऐसे फर्जी ईमेल आयकर रिफंड की स्थिति की जांच के नाम पर भेजे जा रहे हैं, जिनमें तत्काल मैन्युअल पुष्टि करने की मांग की जाती है। आयकर विभाग ने इसे पूरी तरह से धोखाधड़ी बताया है। आयकर विभाग ने करदाताओं से आग्रह किया है कि वे अपने कर रिफंड की स्थिति केवल आधिकारिक वेबसाइटपर ही जांचें। किसी भी संदिग्ध ईमेल में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें और ऐसी किसी भी जानकारी को साझा करने से बचें। विभाग का कहना है कि फर्जी ईमेल आमतौर पर लोगों को लुभाने के लिए झूठी आश्वासन और आपातकालीन कार्रवाई की मांग करते हैं, जिससे वे उनके बैंक या अन्य संवेदनशील विवरण चुरा सकते हैं।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में भारत को सतर्क रहने की जरूरतः रघुराम राजन

नई दिल्ली (ईएमएस)। वाशिंगटन में इस सप्ताह भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर पांचवें दौर की बातचीत हुई। भारत ने अमेरिका से अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क, इस्पात और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत शुल्क तथा वाहनों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने की मांग दोहराई है। वार्ता के बीच पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने भारत को कृषि और डेयरी क्षेत्र को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि विकसित देश अपने कृषि उत्पादकों को भारी सब्सिडी देते हैं, जबकि भारत के किसान छोटे और सीमित संसाधनों वाले हैं। ऐसे में यदि आयात पर अधिक रियायतें दी गईं तो इससे देश के किसानों को नुकसान हो सकता है। राजन ने कहा कि भारत को चाहिए कि वह डेयरी जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित कर मूल्यवर्धन की दिशा में काम करे, न कि विदेशी दुग्ध उत्पादों के आयात के लिए बाज़ार खोले। उन्होंने यह भी जोड़ा कि व्यापार समझौते करते समय भारत को संतुलित और रणनीतिक रुख अपनाना चाहिए। वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6-7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, हालांकि आगे इसमें थोड़ी गिरावट संभव है। साथ ही यदि अमेरिका चीन और अन्य देशों पर उच्च शुल्क बनाए रखता है, तो इससे भारत के लिए नए व्यापार और विनिर्माण अवसर खुल सकते हैं। भारत अब तक किसी भी व्यापार समझौते में कृषि और डेयरी पर शुल्क रियायत नहीं देता रहा है, और इस रुख को फिलहाल बरकरार रखा गया है।

दुर्लभ मैग्नेट की पाबंदियों में भारत को ढील दे सकता है चीन

चीन ने हाल में आरईएम) के निर्यात पर लाइसेंसिंग मानदंडों को लागू किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन सरकार के अधिकारियों ने भारत को सूचना दी है कि दुर्लभ खनिज कच्चे माल की आपूर्ति चाहने वाले भारतीय आयातकों से हासिल हुए आवेदनों को निपटाया जा रहा है। चीन ने हाल में दुर्लभ खनिज मैग्नेट (आरईएम) के निर्यात पर लाइसेंसिंग मानदंडों को लागू किया है। दुर्लभ मैग्नेट 4 अप्रैल से चीन द्वारा लगाए गए निर्यात प्रतिबंध के दायरे में है। यह वाहन एवं वाहन कलपुर्जा उद्योग के अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा और यहां तक कि रक्षा जैसे उद्योगों के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। अमेरिका द्वारा चीन के उत्पादों पर बढ़ाए गए शुल्क के जवाब में यह प्रतिबंध लगाया गया था। पिछले महीने भारतीय वाहन उद्योग ने दुर्लभ मैग्नेट की आपूर्ति के बारे में चिंता जताई थी। उद्योग ने चीन द्वारा लगाई गई निर्यात पाबंदियों पर सरकार के समक्ष अपनी बातें रखी थीं। उन्होंने कहा था कि चीन के वाणिज्य मंत्रालय से इन दुर्लभ खनिज कच्चे माल के आयात की मंजूरी मिलने में देरी के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों सहित भारतीय वाहन विनिर्माताओं का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, आवेदनों को निपटाने में देरी हुई है क्योंकि चीन के पास निर्यात मंजूरी के लिए आवेदनों की अचानक बाढ़ सी आ गई है।
एक अधिकारी ने कहा कि चीन ने लाइसेंस हासिल करने की प्रक्रिया को काफी लंबा और जटिल बना दिया है। आवेदनों की अचानक आई बाढ़ को संभालने के लिए फिलहाल वे पूरी तरह समर्थ नहीं हैं। मगर हमें सूचित किया गया है कि उन्होंने आवेदनों को निपटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसलिए हमारा मानना है कि अब यह मामला कुछ समय में ही हल हो जाएगा।

अब 9 कैरेट सोने पर भी अनिवार्य होगी हॉलमार्किंग

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोने की शुद्धता और पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। अब 9 कैरेट (9के) यानी 375 पार्ट्स पर थाउज़ेंड (पीपीटी) शुद्धता वाले सोने की ज्वेलरी पर भी हॉलमार्किंग अनिवार्य कर दी गई है। पहले यह नियम केवल 14के, 18के, 20के, 22के, 23के और 24के सोने पर लागू था। बीआईएस के इस फैसले के बाद अब ज्वैलर्स 9 कैरेट सोने की ज्वेलरी बिना हॉलमार्क के नहीं बेच सकेंगे। यह नियम ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने और उन्हें असली सोने की पहचान करने में मदद करेगा। हॉलमार्क एक आधिकारिक प्रमाण होता है जो बताता है कि ज्वेलरी में कितनी मात्रा में शुद्ध सोना है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल के अनुसार, सभी हॉलमार्किंग सेंटरों और ज्वैलर्स को इस नियम का पालन करना अनिवार्य होगा। इससे सस्ते गहनों में भी ग्राहक को सही जानकारी मिल सकेगी। वहीं बीआईएस ने कुछ उत्पादों को छूट भी दी है। सोने की घड़ियों और पेन को अब हॉलमार्किंग से बाहर कर दिया गया है। इन्हें अब कलाकृति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इसके अलावा, सोने के सिक्कों के लिए भी नया मानक तय किया गया है। अब केवल 24केएफ या 24केएस शीट से बने सिक्के ही शुद्ध माने जाएंगे। ये केवल अधिकृत रिफाइनरी या सरकारी टकसाल द्वारा बनाए जा सकते हैं और इनकी कोई कानूनी मुद्रा वैल्यू नहीं होगी।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की नई चुनौती- टेस्ला बनाम बीवायडी

दोनों कंपनियों के बीच होगी कड़ी टक्कर

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की होड़ तेज होती जा रही है और अब इस प्रतिस्पर्धा का अगला बड़ा मैदान भारत बनने जा रहा है। अमेरिका के अरबपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में अपनी एंट्री कर दी है, वहीं चीन की प्रमुख ईवी निर्माता कंपनी बीवायडी भी भारतीय बाजार में कदम रख चुकी है। दोनों कंपनियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलने वाली है। बीवायडी ने पिछले महीने भारत में 500 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं। हालांकि यह संख्या कंपनी की वैश्विक बिक्री के मुकाबले बहुत कम है, लेकिन बीवायडी की तकनीक दुनियाभर में तेजी से उन्नत हो रही है। चीन में बीवायडी के नवीनतम मॉडल सिर्फ पांच मिनट के चार्ज में 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज प्रदान करते हैं, जो भारतीय ईवी मॉडल्स की तुलना में लगभग 50 गुना तेज है। बीवायडी की स्थापना 1995 में हुई थी। कंपनी ने 2009 में अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च किया था। कंपनी में 2008 में वॉरेन बफेट की बर्कशायर हैथवे ने 23 करोड़ डॉलर का निवेश किया, जो अब कई गुना बढ़ चुका है। भारत में बीवायडी ने 2022 में अटटो 3 एसयूवी लॉन्च की है, जिसे चेन्नई में असेंबल किया जाता है, लेकिन अभी इसकी बाजार हिस्सेदारी केवल 4 फीसदी से कम है। वहीं टेस्ला, अगस्त 2025 से भारत में अपनी आधिकारिक शुरुआत कर रही है और हर महीने 5 लाख कारें बनाने की योजना बना रही है। भारत में बढ़ते ईवी रुझान को देखते हुए यह कदम बेहद महत्वाकांक्षी माना जा रहा है।

ईयू के नए तेल प्रतिबंध से रिलायंस और नायरा पर पड़ेगा असर

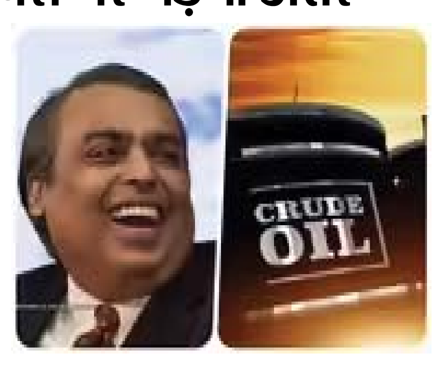

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस पर अपने 18वें प्रतिबंध पैकेज के तहत कड़े कदम उठाए हैं, जिनका सीधा असर भारत की दो प्रमुख तेल कंपनियों—रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी पर पड़ सकता है। ईयू ने रूसी कच्चे तेल की कीमत सीमा को घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो 3 सितंबर 2025 से लागू होगी। इसके अलावा रूसी संबंधों वाली कंपनियों और तेल परिवहन सेवाओं पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। नायरा एनर्जी, जिसमें रूसी कंपनी रोजनेट की 49 फीसदी हिस्सेदारी है, अब यूरोप को ईंधन निर्यात नहीं कर सकेगी। साथ ही उसे यूरोपीय बैंकिंग और तकनीकी सेवाओं से भी वंचित किया जा सकता है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज जो रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर यूरोप में डीजल निर्यात करती है, उसे अब या तो रूस से तेल खरीदना बंद करना होगा या यूरोपीय बाजार से हाथ धोना पड़ेगा। भारत सरकार ने ईयू के इस कदम का विरोध करते हुए कहा कि वह ऐसे किसी एकतरफा प्रतिबंध को मान्यता नहीं देती। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा सर्वोपरि है और वैश्विक नियमों में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि इन प्रतिबंधों को लागू करना ईयू के लिए भी आसान नहीं होगा, क्योंकि अधिकतर तेल व्यापार अमेरिकी डॉलर में होता है और भारतीय कंपनियां अक्सर बिचौलियों के जरिए लेनदेन करती हैं। ऐसे में यह प्रतिबंध भारतीय कंपनियों के लिए चुनौती जरूर हैं, लेकिन पूर्ण रूप से प्रभावी होंगे, यह कहना जल्दबाज़ी होगा।

पावर मार्केट सुधारों के अगले चरण का प्रतीक है इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स

बिजली क्षेत्र में पार्टिसिपेंट्स के लिए हेजिंग और प्राइस विजिबिलिटी लाना जरुरी

मुंबई,(ईएमएस)। सेबी अध्यक्ष तुहिनकांत पांडे ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स पार्टिसिपेंट्स को मूल्य अनिश्चितता का प्रबंधन कर, राजस्व जोखिमों को कम कर और बिजली क्षेत्र में निवेश आकर्षित कर ज्यादा प्रभावी ढंग से योजना बनाने में मदद करेंगे। एनएसई ने कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के तहत मंथली इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट और नए स्पॉट मार्केट डैशबोर्ड के औपचारिक शुभारंभ के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया। इस प्रोडक्ट का उद्देश्य भारत के बढ़ते बिजली क्षेत्र में पार्टिसिपेंट्स के लिए अत्यंत जरुरी हेजिंग और प्राइस विजिबिलिटी लाना है।
पांडे ने कहा कि ये भारत के पावर मार्केट सुधारों के अगले चरण का प्रतीक है। एक विश्वसनीय, सस्टेनेबल और निवेशक-अनुकूल बिजली क्षेत्र के लिए गहन और लिक्विड इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स मार्केट जरुरी होगा। एनएसई के एमडी और सीईओ ने कहा कि यह लॉन्च भारत के बिजली बाजार में एक अहम मोड़ है। उन्होंने कहा कि यह हमारे वित्तीय बाजारों को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाता है और साथ ही हमारे घरेलू बिजली क्षेत्र की विशिष्ट जरुरतों को भी पूरा करता है।
सेबी, सीईआरसी और कई बाजार सहभागियों की मदद से यह प्रोडक्ट भारत के ऊर्जा उपभोक्ताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक जोखिम प्रबंधन उपकरण के रूप में काम करेगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि एनएसई में इसके शुभारंभ के शुरुआती सप्ताह में ही इस उत्पाद में अच्छी भागीदारी नजर आई। 17 जुलाई तक तीन कॉन्ट्रैक्ट महीनों अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में 14 जुलाई से कुल मिलाकर 20,822 लॉट का कारोबार हुआ, जिसमें कुल कारोबार मूल्य 450 करोड़ रुपए को पार कर गया।
अगस्त महीने के कॉन्ट्रैक्ट के लिए 17 जुलाई तक, 20,421 लॉट का कारोबार हुआ, जिनकी कीमतें 4,356 रुपए एमडब्ल्यूएच से लेकर 4,364 रुपए एमडब्ल्यूएच तक थीं।
इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट नकद-निपटान वाले होते हैं, 50 एमडब्ल्यूएच के लॉट आकार में उपलब्ध होते हैं और वर्तमान और तीन फ्यूचर मंथ के लिए लिस्ट होते हैं। यह सेटलमेंट तीनों पावर एक्सचेंजों में डे-अहेड मार्केट के वॉल्यूम-भारित औसत मूल्य पर आधारित है। एनएसई के मुताबिक इस प्रोडक्ट को वर्तमान में 31 दिसंबर, 2025 तक लेनदेन शुल्क से मुक्त रखा गया है, ताकि शीघ्र भागीदारी को प्रोत्साहन मिल सके। सीईआरसी के अध्यक्ष ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स पर एक दशक से ज्यादा समय से चर्चा चल रही है और यह प्रोडक्ट डिस्कॉम, औद्योगिक उपयोगकर्ताओं और रिन्यूएबल जनरेटर्स की आवश्यकताओं के अनुरूप फाइनेंशियल इनोवेशन लाता है। उन्होंने कहा कि 15 सालों से ज्यादा समय से कार्यरत फिजिकल पावर एक्सचेंजों द्वारा समर्थित, यह फ्यूचर प्रोडक्ट जोखिम से बचाव और सूचित निवेश योजना को प्रोत्साहित करने में मदद करता है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट का रुख रहा

सेंसेक्स 501 अंक लुढ़क कर 81,757.73 पर बंद

- निफ्टी 166 अंकों गिरकर 24,945.45 पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का रुख देखने को मिला, लेकिन कुल मिलाकर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को आईटी शेयरों में बिकवाली और विदेशी निवेशकों की निकासी के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में कमजोरी के साथ हुई। सेंसेक्स 247 अंक गिरकर 82,253.46 पर और निफ्टी 67.55 अंक गिरकर 25,082.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार ने थोड़ी राहत दी और दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 317 अंक की तेजी रही जबकि निफ्टी 113 अंकों की मजबूती के साथ 25,195.80 पर पहुंचा। हालांकि यह तेजी टिक नहीं सकी और बुधवार से फिर गिरावट का दौर शुरू हो गया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को बाजार ने और ज्यादा दबाव महसूस किया। सेंसेक्स 375 अंक गिरकर 82,259.24 पर बंद हुआ जबकि निफ्टी भी 100 अंक टूटकर 25,111.45 पर आ गया।
सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को बिकवाली और बढ़ गई। सेंसेक्स 501 अंक लुढ़क कर 81,757.73 पर बंद हुआ और निफ्टी 166 अंकों की गिरावट के साथ 24,945.45 पर बंद हुआ। सप्ताहभर की बात करें तो सेंसेक्स में लगभग 510 अंकों की गिरावट आई जबकि निफ्टी ने करीब 133 अंक गंवाए। बाजार में इस कमजोरी की प्रमुख वजह विदेशी निवेशकों की सतत बिकवाली, आईटी सेक्टर में दबाव और वैश्विक संकेतों की अनिश्चितता रही। निवेशकों के लिए फिलहाल सतर्क रहने की सलाह दी जाती है, विशेषकर वैश्विक आर्थिक संकेतकों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नज़र रखते हुए।

पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने रची थी ट्रंप को सत्ता से हटाने की साजिश

अमेरिकी खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड का दावा, मुकदमा चलाने की मांग

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनके प्रशासन के वरिष्ठ सदस्यों पर मुकदमा चलाने की मांग की है। डीएनआई ने ओबामा पर साल 2016 के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत को नुकसान पहुंचाने और बाद में उनके राष्ट्रपति पद के कार्यकाल को कमजोर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।तुलसी गबार्ड ने एक्स पर लिखा- ओबामा का मकसद राष्ट्रपति ट्रंप को सत्ता से हटाना और अमेरिकी जनता की इच्छा को कुचलना था। इस साजिश में शामिल हर शख्स की पूरी तरह से जांच होनी चाहिए। कानून के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। लोकतांत्रिक गणराज्य की विश्वसनीयता इस पर निर्भर करती है। हम आपराधिक जांच के लिए सभी दस्तावेज न्याय विभाग को सौंप रहे हैं। शुक्रवार को तुलसी गबार्ड ने सबूत पेश किए, जिसमें बताया गया कि कैसे राष्ट्रपति ट्रंप के हिलेरी क्लिंटन के खिलाफ 2016 का चुनाव जीतने के बाद, ओबामा और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के सदस्यों ने जानबूझकर खुफिया सूचनाओं को गढ़ा और राजनीतिक रूप दिया, ताकि ट्रंप के खिलाफ तख्तापलट जैसी साजिश की नींव रखी जा सके।नवंबर 2016 के चुनाव से पहले, इंटेलिजेंस कम्युनिटी (आईसी) ने यह आकलन किया कि रूस संभवतः साइबर साधनों का उपयोग करके चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश नहीं कर रहा है। 2016 के चुनाव के बाद 7 दिसंबर 2016 को, तत्कालीन डीएनआई जेम्स क्लैपर के लिए तैयार किए गए टॉकिंग पॉइंट्स में स्पष्ट रूप से कहा गया था, विदेशी दुश्मनों ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को बदलने के लिए चुनावी बुनियादी ढांचे पर साइबर हमले नहीं किए गए।इसके दो दिन बाद, 9 दिसंबर 2016 को तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में एक बैठक की, जिसमें एनएससी के शीर्ष सदस्य शामिल थे। बैठक का उद्देश्य रूस से संबंधित स्थिति पर चर्चा करना था। बैठक के बाद जेम्स क्लैपर के एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट ने आईसी के नेताओं को एक ई-मेल भेजा, जिसमें निर्देश दिया गया कि वह राष्ट्रपति ओबामा के अनुरोध पर एक नया इंटेलिजेंस कम्युनिटी असेसमेंट तैयार करें। इस रिपोर्ट में विस्तार से बताया जाना था कि मास्को ने 2016 के चुनाव को प्रभावित करने के लिए कौन-कौन से तरीके अपनाए और क्या-क्या कदम उठाए हैं।उन्होंने कहा इसके बाद ओबामा प्रशासन के अधिकारियों ने गलत जानकारी मीडिया को लीक की। इन रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि रूस ने साइबर तरीकों से चुनाव के परिणामों में हस्तक्षेप करने या उसे प्रभावित करने का प्रयास किया है। इसके बाद 6 जनवरी 2017 को एक नया इंटेलिजेंस कम्युनिटी असेसमेंट जारी किया गया, जो पिछले छह महीनों तक किए गए आईसी के आकलनों से सीधे तौर पर विरोधाभासी था।

प्रेस रिलीज के मुताबिक यह एक राजनीतिक मकसद से तैयार की गई खुफिया रिपोर्ट थी, जिसका इस्तेमाल राष्ट्रपति ट्रंप की जीत को गलत साबित करने, मुलर जांच जैसे लंबे समय तक चलने वाले मामलों, दो बार महाभियोग चलाने, कई अधिकारियों की जांच, गिरफ्तारी और जेल भेजने और अमेरिका व रूस के बीच तनाव बढ़ाने के लिए किया गया था।

एपस्टीन फाइल्सः ट्रंप ने रूपर्ट मर्डोक और वॉल स्ट्रीट जनरल पर ठोका मुकदमा

10 बिलियन डॉलर का हर्जाना मांगा

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वॉल स्ट्रीट जर्नल और रूपर्ट मर्डोक सहित उसके मालिकों पर मुकदमा दायर कर 10 बिलियन डॉलर यानी 10 अरब डॉलर का हर्जाना मांगा है। उन्होंने अपने वादे को पूरा करते हुए यह कदम उठाया है। दरअसल अखबार ने खबर दी थी कि ट्रंप ने साल 2003 में जेफरी एपस्टीन को जन्मदिन की शुभकामना संदेश भेजा था, जिसमें एक न्यूड महिला का स्केच और सेक्सुअल शेप में हस्ताक्षर था।रिपोर्ट के मुताबिक, कथित तौर पर गिस्लेन मैक्सवेल द्वारा संकलित एक बर्थडे एल्बम में एक नग्न महिला का स्केच था, जिस पर ट्रंप के हस्ताक्षर अश्लील तरीके से हुए थे। लेकिन ट्रंप ने पुरज़ोर खंडन करते हुए पत्र को मनगढ़ंत बताया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक फर्जी खबर छापी है, जो कथित तौर पर एपस्टीन को लिखा गया है। ये मेरे शब्द नहीं हैं, न ही मैं बात करता हूं, और मैं स्केच भी नहीं बनाता। ट्रंप ने लिख कि मैंने रूपर्ट मर्डोक से कहा था कि यह एक स्कैम है, उन्हें यह फ़र्ज़ी स्टोरी नहीं छापनी चाहिए, लेकिन उन्होंने छापी और अब मैं उन पर और उनके घटिया अख़बार पर मुकदमा करने जा रहा हूं।ट्रंप ने कहा कि मर्डोक ने मामले की जांच करने का वादा किया था। ट्रंप ने दावा किया, मर्डोक ने कहा था कि वे इस मामले को देखूंगा। लेकिन ज़ाहिर है कि उनके पास ऐसा करने का अधिकार नहीं है। इसके बजाय, वे एक झूठी, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक स्टोरी छाप रहे हैं।

ट्रंप और एपस्टीन मामला

एक अमीर अमेरिकी फाइनेंसर, एपस्टीन पर पहली बार 2006 में यौन अपराधों का आरोप लगाया गया था, जब एक 14 वर्षीय लड़की के माता-पिता ने पुलिस को बताया था कि उसने अपने फ्लोरिडा स्थित घर में उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी। इसके बाद एपस्टीन को करीब 13 महीने की जेल हुई। जुलाई 2019 में, एपस्टीन को न्यूयॉर्क में फिर से गिरफ्तार किया गया और उस पर दर्जनों लड़कियों की तस्करी करने और पैसे के बदले उनके साथ यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया गया। एपस्टीन ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इंकार किया। 10 अगस्त, 2019 को, जब वह हिरासत में था, अधिकारियों ने बताया कि वह जेल की कोठरी में फांसी लगाने के बाद मरा हुआ मिला।न्यूयॉर्क के एक प्रॉपर्टी कारोबारी के रूप में एपस्टीन के साथ काम करने वाले ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा चुनाव लड़ते वक्त कहा था कि वह शायद इस मामले से जुड़ी फाइलें जारी करूं। लेकिन पदभार ग्रहण करने के बाद से, ट्रंप के कई समर्थक इस बात से निराश हैं कि वे इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठा पाए हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

गोपालगंज हिंसा पर शेख हसीना का आरोप यूनुस सरकार लोकतंत्र नष्ट कर रही

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश के गोपालगंज में हुई हालिया हिंसा पर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बांग्लादेश की मूल पहचान और बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की विरासत को मिटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। भारत में रह रही पूर्व पीएम हसीना ने कहा कि गोपालगंज में हिंसा, जिसमें बंगबंधु के समाधि स्थल को अपवित्र करने का प्रयास किया गया, बंगालियों की संस्कृति को खत्म करने की सोची-समझी साजिश का हिस्सा था। यह हिंसा हाल ही में बनी पार्टी एनसीपी के गोपालगंज मार्च के दौरान हुई, जब एनसीपी समर्थक तुंगीपारा में बंगबंधु समाधि स्थल तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। गोपालगंज को अवामी लीग का गढ़ माना जाता है, क्योंकि यह शेख हसीना का गृह जिला है और यहां उनके पिता शेख मुजीबुर्रहमान की समाधि है। भारत में रह रहीं शेख हसीना ने यूनुस को हत्यारा-फासीवादी, राष्ट्र-विरोधी षड्यंत्रकारी और भीड़तंत्र का गॉडफादर बताया है। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार में आतंकवादियों और कट्टरपंथियों को बढ़ावा मिल रहा है और देश में लोकतंत्र पूरी तरह खत्म हो गया है। हसीना ने बांग्लादेश की जनता से देश की लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील पहचान की रक्षा करने की अपील की है, यह कहते हुए कि कोई भी फासीवादी ताकत जनता की भावना को पराजित नहीं कर सकती।शेख हसीना ने कहा कि यूनुस ने सत्ता में आने के बाद लोकतंत्र को पूरी तरह खत्म हो गया है। उन्होंने बांग्लादेश की जनता से देश की लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशीलता की रक्षा की अपील कर कहा, कोई भी फासीवादी ताकत जनता की भावना को पराजित नहीं कर सकती। बांग्लादेशी जो ठान लेते हैं, उस काम को जरूर पूरा करते हैं। बांग्लादेश में सबसे ज्यादा समय तक पीएम रहने वाली हसीना फिलहाल भारत में हैं।दक्षिणपंथी रुख वाली यूनस सरकार लगातार कई गंभीर आरोपों का सामना कर रही है।

सीरिया में इजरायल के हालिया हवाई हमलों से मुस्लिम देशों में गुस्सा

दुबई,(ईएमएस)। सीरिया में इजरायल के हालिया हवाई हमलों के बाद मुस्लिम देशों में गुस्सा बढ़ रहा है। सऊदी अरब ने मामले पर अमेरिका से कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि सीरियाई सुरक्षा बलों को देश के दक्षिणी क्षेत्र में इजरायल की आपत्तियों के बावजूद तैनात करने की अनुमति दी जानी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से कहा कि सऊदी अरब दक्षिणी सीरियाई प्रांत स्वेदा में सीरियाई सेना के नियंत्रण का समर्थन करता है। इजरायल ने बुधवार को दमिश्क में सीरियाई रक्षा मंत्रालय को निशाना बनाया था और दक्षिणी प्रांत स्वेदा में सरकारी सैन्य बलों के टैंकों पर भी बमबारी की थी, सैनिकों को वापस बुलाने की मांग करते हुए इसे ड्रूज अल्पसंख्यक समुदाय की रक्षा के लिए उठाया गया कदम बताया था। सऊदी अरब ने इजरायल के इन हमलों और दमिश्क में सैन्य तैनाती के निर्देशों पर नाराजगी व्यक्त की है। तुर्की में अमेरिकी राजदूत ने शुक्रवार को इजरायल और सीरियाई सरकार के बीच संघर्ष विराम की जानकारी दी।अमेरिकी विदेश विभाग सऊदी विदेश मंत्री के साथ रुबियो की बातचीत के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दोनों पक्षों ने सीरिया में हिंसा को समाप्त करने के प्रयासों समेत क्षेत्रीय सुरक्षा मामलों पर चर्चा की। इसमें दोनों के बीच हुई वार्ता के बारे में और कुछ नहीं बताया गया। कॉल के बारे में परिचित एक अमेरिकी अधिकारी और एक दूसरे कूटनीतिक सूत्र ने मिडिल ईस्ट आई को बताया कि सऊदी अरब इजरायल के सरियाई सैनिकों पर हमला करने और दमिश्क में सैन्य तैनाती के निर्देश देने से नाराज है।

नागासाकी के गिरजाघर में 80 साल बाद बजी घंटी

नागासाकी (ईएमएस)। जापान के नागासाकी शहर में लगभग 80 साल पहले गिरजाघर की घंटी अमेरिका द्वारा गिराए गए परमाणु बम से नष्ट हो गई थी। उसके स्थान पर अब एक नई घंटी लगाई गईं है। लगभग 80 साल तक इस गिरजाघर में घंटी नहीं बजी। इस गिरजाघर में जो नई घंटी लगाई गई है। अमेरिका के नागरिकों के सहयोग से यह घंटी गिरजाघर में लगाई गईं है। इस घंटी को सेंट कैटरी बेल आफ होप का नाम दिया गया है। नागासाकी के आर्चबिशप पीटर मीचियाकी नाकामुरा ने एक समारोह में इस घंटी को अपना आशीर्वाद दिया। इस समारोह में लगभग 100 लोग उपस्थित थे। सबसे बड़ी बात यह है,कि इस गिरजाघर में 80 साल बाद घंटी की ध्वनि सुनने को मिली है।

पाकिस्तान का कश्मीर पर नया राग, समाधान ही क्षेत्र में शांति की एकमात्र गारंटी

लौहार,(ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने फिर कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ जहर उगला है। उन्होंने कथित कश्मीर विलय दिवस (जो पाकिस्तान हर साल 19 जुलाई को मनाता है) के मौके पर कहा कि कश्मीर मुद्दे का समाधान ही क्षेत्र में शांति की एकमात्र गारंटी है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार कश्मीर मुद्दे के समाधान की मांग कर कहा कि पाकिस्तान सरकार और जनता कश्मीरियों को राजनयिक, नैतिक और राजनीतिक समर्थन देना जारी रखेगी। शहबाज ने भारत के खिलाफ यह आरोप भी लगाया कि 1947 में शुरू हुई कश्मीरियों के बलिदानों की कहानी आज भी जारी है और जम्मू-कश्मीर में भारतीय सैनिकों की तैनाती को क्रूरता बताया। उन्होंने दावा किया कि दमन भी कश्मीरियों के संकल्प को तोड़ने में नाकाम रहा है और कश्मीरियों की तीसरी पीढ़ी भी आत्मनिर्णय के अपने अधिकार को हासिल करने के लिए मजबूत है।पाकिस्तान लगातार कश्मीर में आतंकवाद फैलाने में शामिल रहा है। इसी साल अप्रैल में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी समूह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला किया था, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इस हमले के बाद भारत ने नियंत्रण रेखा पार कर पीओके और पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी ठिकानों पर बमबारी की थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच चार दिनों तक सैन्य टकराव चला, जिसमें दोनों पक्षों ने विमानों, मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए। 10 मई को युद्धविराम से पहले भारतीय विमानों ने पाकिस्तान के 11 सैन्य हवाई अड्डों को निशाना बनाया था, जिसमें रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के पास स्थित रहीम यार खान (चकलाला) एयरबेस भी शामिल था।

नाइजर में आतंकी हमले में दो भारतीयों की मौत, एक का हुआ अपहरण

मृतकों में एक झारखंड और एक दक्षिण भारत का, अपहृत को छुड़ाने के प्रयास जारी

नियामे, (ईएमएस)। पश्चिम अफ्रीकी देश नाइजर के डोसो क्षेत्र में एक आतंकी हमले में दो भारतीय नागरिकों की मृत्यु हो गई थी, जबकि एक अन्य भारतीय नागरिक का अपरहण कर लिया गया। भारत के नियामे स्थित दूतावास ने इस घटना की पुष्टि की है और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय दूतावास ने बयान जारी कर कहा कि 15 जुलाई को नाइजर के डोसो क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में दो भारतीय नागरिकों की जान चली गई और एक का अपहरण कर लिया गया है। नियामे में हमारा मिशन स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है ताकि मृतकों के शवों को स्वदेश लाया जा सके और किडनैप किए गए भारतीय की सुरक्षित रिहाई हो सके।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है यह हमला डोसो क्षेत्र में एक इलेक्ट्रिकल लाइन के निर्माण स्थल पर हुआ, जो राजधानी नियामे से करीब 100 किलोमीटर दूर है। आतंकियों ने नाइजर सेना की एक इकाई पर हमला किया, जो इस निर्माण स्थल की सुरक्षा कर रही थी। इस हमले में कम से कम एक नाइजर सैनिक के भी मारे जाने की खबर है। स्थानीय अधिकारियों ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। मृतकों में से एक की पहचान झारखंड के बोकारो जिले के प्रवासी मजदूर गणेश कर्माली (39) के रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की पहचान कृष्णन के रूप में हुई है, जो दक्षिण भारत के राज्य से था।अपहरण भारतीय नागरिक का नाम रणजीत सिंह बताया जा रहा है, जो जम्मू-कश्मीर से है और ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड में सुरक्षा प्रदान करने का काम करते है। गणेश कर्माली के परिवार के मुताबिक उनके बहनोई प्रेमलाल कर्माली भी उसी साइट पर काम करते थे वह भी गोली लगने से घायल हुए हैं। वह वर्तमान में नाइजर में पुलिस सुरक्षा में हैं, साथ ही झारखंड के चार अन्य प्रवासी मजदूर भी सुरक्षित हैं और स्वदेश लौटने की तैयारी कर रहे हैं।भारतीय दूतावास ने नाइजर में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। दूतावास ने कहा कि वह पीड़ितों के नियोक्ता और उनके परिवारों के साथ-साथ नाइजर सरकार के साथ भी संपर्क में है ताकि मृतकों के शवों को जल्द से जल्द भारत लाया जा सके। अपहृत भारतीय की सुरक्षित रिहाई के लिए भी सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं। डोसो क्षेत्र नाइजर और बेनिन की सीमा से सटा है। यह इलाका आतंकी हमलों का गढ़ रहा है। यह क्षेत्र तिल्लाबेरी शहर के पास है, जो नाइजर, माली और बुर्किना फासो की त्रि-सीमा क्षेत्र के पास स्थित है और आतंकी समूहों का मजबूत गढ़ बन चुका है।बता दें नाइजर में 2023 के तख्तापलट के बाद से सैन्य शासन है और देश करीब एक दशक से अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट द्वारा की जाने वाली हिंसा का सामना कर रहा है। इससे पहले 25 अप्रैल को डोसो के पास साकोइरा शहर में एक हमले में पांच भारतीय तकनीशियनों का अपहरण कर लिया गया था, जिसमें 12 नाइजर सैनिक मारे गए थे। इसके अलावा इस महीने की शुरुआत में माली में तीन भारतीय नागरिकों का एक सीमेंट फैक्ट्री से अपहरण कर लिया था। भारत सरकार ने नाइजर में रह रहे अपने नागरिकों से सतर्कता बरतने और नियामे में भारतीय दूतावास के साथ नियमित संपर्क में रहने का आग्रह किया है।

गर्मी से राहत पाने अफगानिस्तानी टैक्सी वालों ने निकाला गजब का जुगाड़, बिना एसी महसूस करें कूल-कूल

कंधार,(ईएमएस)। भीषण गर्मी में जहां आम लोग एसी का सहारा लेते हैं, वहीं अफगानिस्तान के कंधार शहर में टैक्सी ड्राइवरों ने गर्मी से लड़ने के लिए एक अनोखा जुगाड़ निकाला है। यहां का तापमान अक्सर 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है और एसी रहित टैक्सियों में यात्रा करना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होता। लेकिन देसी इंजीनियरिंग से तैयार किया गया यह घरेलू जुगाड़ वाला 'कूलर' अब राहत पहुंचा रहा है।ऐसे ही एक टैक्सी चालक के हवाले से बताया गया है कि उसने अपने वाहन की छत पर पाइप और टेप की मदद से एक कूलिंग सिस्टम बनाया, जो दिखने में तो सामान्य लगता है, लेकिन काम बड़े शानदार तरीके से करता है। उनका दावा है कि यह देसी कूलर कार के आम एसी से भी ज्यादा असरदार है, क्योंकि यह पूरी गाड़ी को ठंडा कर देता है। कार चालक अपने कूलर को बैरल से जोड़ते हैं और खिड़की के जरिये ठंडी हवा कार के भीतर भेजते हैं।

अमेरिकी राजदूत का ऐलान, इजराइल सीरिया के बीच हुआ युद्धविराम

तुर्की, जॉर्डन और पड़ोसी देशों ने किया इसका समर्थन

अंकारा,(ईएमएस)। इजराइल और सीरिया एक दूसरे के साथ युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। तुर्की में अमेरिकी राजदूत ने इसकी घोषणा की और बताया कि तुर्की, जॉर्डन और पड़ोसी देशों ने इस युद्धविराम का समर्थन किया है। बराक सीरिया में भी विशेष दूत हैं। सीरिया के दक्षिणी ड्रूज बहुल प्रांत में हिंसा भड़कने के बाद इजराइल ने बुधवार को दमिश्क में हमले किए थे। यरुशलम ने कहा कि इजराइल का उद्येश्य सीरिया के ड्रूज समुदाय की रक्षा करना है। सीरिया में ड्रूज एक छोटा लेकिन प्रभावशाली अल्पसंख्यक समुदाय है, जिसके अनुयायी लेबनान और इजराइल में भी हैं।मीडिया रिपोर्ट में बराक ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के समर्थन से तुर्की, जॉर्डन और अन्य अज्ञात पड़ोसियों द्वारा स्वीकार किए गए युद्धविराम पर सहमत हुए हैं। युद्धविराम के बारे में कोई विस्तृत जानकारी दिए बिना उन्होंने कहा कि हम ड्रूज, बेडोइन और सुन्नियों से अपने हथियार डालने के साथ ही मिलकर एक नई और एकजुट सीरियाई पहचान बनाने का आह्वान करते हैं।रिपोर्ट के मुताबिक सीरियाई रक्षा मंत्रालय ने बेडोइन मिलिशिया को स्वेदा शहर छोड़ने का आदेश दिया है। इसके बाद सीरियाई सुरक्षा बल युद्धविराम प्रावधानों को लागू करने के लिए शहर में प्रवेश करेंगे। अभी तक इजराइली पीएम कार्यालय या सीरिया के राष्ट्रपति की तरफ से युद्धविराम को लेकर कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है। इजराइली मीडिया के मुताबिक युद्धविराम की घोषणा अमेरिका की तरफ से संघर्ष को खत्म करने के प्रयासों के बाद हुई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि परेशान करने वाली और भयावह स्थिति को खत्म करने के लिए कदमों पर सहमति बन गई है।सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सीरियाई सरकार ने इस बात को सही से नहीं पहचाना कि दक्षिण में उसके सैनिकों की तैनाती पर इजराइल कैसी प्रतिक्रिया देगा। अल-शरा सरकार को अमेरिका के संदेश से प्रोत्साहन मिला था कि सीरिया में केंद्रीकृत शासन होना चाहिए। शुक्रवार को इजराइली पीएम ने कहा था कि सीरिया में दो रेडलाइन हैं- पहली दमिश्क के दक्षिण में सैन्य विसैन्यीकरण और ड्रूज अल्पसंख्यकों की रक्षा। इजराइल ये दोनों रेड लाइन किसी को पार नहीं करने देगा।

युद्ध रोकने के लिए रूस को घेरने में जुटे 27 देश उधर ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन को भेजे 49 टैंक

ब्रसेल्स,(ईएमएस)। ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने रूस के खिलाफ नया और अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध पैकेज पेश किया। इन प्रतिबंधों का मकसद रूस पर यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए दबाव बनाना है। इस नए कदम में मॉस्को के ऊर्जा क्षेत्र, पुराने तेल टैंकरों के बेड़े और रूस की खुफिया एजेंसी के कर्मियों को निशाना बनाया गया है। वहीं दूसरी तरफ बताया जा रहा है कि कि आस्ट्रेलिया ने यूक्रेन को 49 टैंकों की एक खेफ भेजी है।यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, रूस की ओर से युद्ध में इस्तेमाल सभी बुनियादी ढांचे को अवरुद्ध किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन यूरोपीय संघ के साथ अपने प्रतिबंधों को समन्वयित करेगा और जल्द ही खुद के अतिरिक्त उपाय पेश करेगा। वहीं, रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इन प्रतिबंधों को 'गैरकानूनी' बताया। उन्होंने कहा, 'हमें कुछ छूट भी मिली है और अब हम प्रतिबंधों के साथ जीना सीख गए हैं।' उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'साथ ही, हमें प्रतिबंधों से कुछ छूट भी मिली है। हम प्रतिबंधों के बीच जीने के लिए खुद को ढाल चुके हैं। हमें नये पैकेज का विश्लेषण करना होगा, ताकि इसके नकारात्मक प्रभावों को कम से कम किया जा सके।'इस बीच, ब्रिटेन ने रूस की सैन्य खुफिया सेवा, जीआरयू की इकाइयों पर प्रतिबंध लगाए हैं। प्रतिबंध सूची में 18 ऐसे अधिकारियों को भी शामिल किया गया है, जिनके बारे में ब्रिटेन ने कहा कि उन्होंने 2022 में दक्षिणी यूक्रेन के एक थिएटर पर बम हमले की योजना बनाने और एक पूर्व रूसी जासूस के परिवार को निशाना बनाने में मदद की थी, जिसे बाद में एक नर्व एजेंट के साथ जहर दिया गया था। मार्च 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तुरंत बाद मारियुपोल के थिएटर में हुए बम हमले में वहां शरण लिए हुए सैकड़ों नागरिक मारे गए थे।27 देशों वाले ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास ने कहा, संदेश साफ है- यूरोप यूक्रेन का समर्थन करने में पीछे नहीं हटेगा। यूरोपीय संघ तब तक दबाव बढ़ाता रहेगा, जब तक रूस अपना युद्ध समाप्त नहीं कर देता।कालास की यह टिप्पणी यूरोपीय संघ के तेल की कीमतों पर नयी सीमा लागू करने सहित अन्य नये उपायों पर सहमति जताने के बाद आई। उन्होंने कहा कि यह तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध के संदर्भ में 'रूस के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध पैकेज' है। यह पैकेज ऐसे समय में आया है, जब यूरोपीय देश यूक्रेन के लिए अमेरिकी हथियार खरीदना शुरू कर रहे हैं, ताकि देश अपनी सुरक्षा बेहतर ढंग से कर सके।

रूस को 27 देशों ने घेरा, प्रतिबंध लगाए तभी भारत ने पुतिन का साथ देकर निभाई दोस्ती

मास्को,(ईएमएस)। भारत और रुस की दोस्ती पूरी दुनिया जानती है। यही कारण है कि यूरोपियन यूनियन के 27 देशों ने रुस पर प्रतिबंध लगाकर उसे अलग थलग करने की कोशिश की। लेकिन भारत रुस के साथ खड़ा हुआ और दोस्ती निभाई। ये स्थिति तब बनी जब यूक्रेन से जंग रोकने के लिए रुस अमेरिका की बात नहीं मान रहा था।रूस पर यूरोपीय यूनियन के इस एक्शन पर भारत अपने दोस्त के साथ है। भारत अपने दोस्त रूस के लिए संकटमोचक के रूप में उभरा है। भले ही किसी ने अब तक यूरोपीय यूनियन को जवाब नहीं दिया, मगर रूस के साथ खड़ा होकर भारत ने जवाब दिया है। भारत ने यूरोपीय यूनियन के इस कदम की कड़ी आलोचना की और इसे 'दोहरा मापदंड' करार दिया।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'भारत एकतरफा सैंक्शनों का समर्थन नहीं करता। ऊर्जा व्यापार में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। हमारी प्राथमिकता 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है।इस तरह से भारत ने साफ कर दिया है कि वह ऐसी घड़ी में रूस के साथ है। भारत का यह स्टैंड सीधे-सीधे यूरोपीय यूनियन और पश्चिमी देशों की उस नीति पर सवाल उठाता है, जहां वे खुद ऊर्जा खरीद जारी रखते हैं, मगर अन्य देशों पर प्रतिबंधों का पालन करने का दबाव डालते हैं। अमेरिका समेत वेस्टर्न कंट्री भी भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाते आए हैं। मगर भारत भी अब पहले वाला भारत नहीं। भारत ने सबको मुंहतोड़ जवाब दिया है और कहा है कि भारत का जहां से मन होगा वहां से तेल खरीदेगा।अब सवाल है कि अमेरिका और यूरोपीय यूनियन को इस बात से क्यों मिर्ची लगी है कि भारत रूस से तेल खरीदता है। तो इसका कारण यह है कि ईयू और अमेरिका का का दावा है कि भारत के तेल वाले पैसे का यूज रूस युद्ध में कर रहा है। इनका दावा है कि भारत के तेल खरीदने से रूस को युद्ध के लिए आर्थिक संसाधन जुटाने का मौका मिलता है। जबकि इसके जवाब में भारत ने तर्क दिया कि पश्चिमी देश स्वयं रूसी गैस और तेल उत्पादों का आयात जारी रखे हुए हैं, खास तौर पर स्पेन और बेल्जियम जैसे देश रूसी एलएनजी के बड़े खरीदार हैं। अब जानते हैं कि यूरोपीय यूनियन ने क्या किया। यूरोपीय यूनियन ने शुक्रवार को रूस के खिलाफ अपना 18वां प्रतिबंध पैकेज जारी किया। इसका मकसद रूसी तेल निर्यात से होने वाली आय को कम करना है। मतलब पुतिन के पर कतरने के समान है। कारण कि तेल के आय से ही रूस अबतक युद्ध में टिका है। सैंक्शन पैकेजमें सबसे प्रमुख है रूसी कच्चे तेल पर एक नया 'मूविंग प्राइस कैप', जो बाजार मूल्य से 15% कम होगा। अपने नए प्रतिबंधों से ईयू ने रूस के ऊर्जा क्षेत्र, पुराने तेल टैंकरों के बेड़े और सैन्य खुफिया सेवा के कर्मियों को निशाना बनाया।

तेल खरीद पर भारत का स्टैंड

भारत 2022 से रूस से कच्चे तेल के आयात को लगातार बढ़ा रहा है। यह एक मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक हो गया है। जो युद्ध से पहले करीब शून्य था। यह तेल रियायती दरों पर खरीदा जाता है, जिससे भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली है। भले ही अमेरिका समेत पश्चिमी देश भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दवाब बनाएं, मगर भारत तेल के खेल में डरेगा नहीं। भारत ने बार-बार स्पष्ट किया है कि वह अपनी ऊर्जा नीति को वैश्विक दबावों से प्रभावित नहीं होने देगा। वह रूस का साथ भी नहीं छोड़ेगा।

एक महिला ने बौद्ध भिक्षुओं के 80,000 अश्लील वीडियो बनाए, हर एक मठ की होगी जांच

बैंकाका(ईएमएस)। थाईलैंड में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिस पर आरोप है कि उसने प्रभावशाली और वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं को अपने हनी ट्रैप में फंसाया, उनके साथ यौन संबंध बनाकर न सिर्फ उनकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो तैयार किए, बल्कि ब्लैकमेल करके उनसे मोटी रकम भी ऐंठ ली। तीन वर्षों में यह रकम लगभग 102 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह पूरा रैकेट तब उजागर हुआ जब एक वरिष्ठ भिक्षु ने अचानक अपना ब्रह्मचर्य जीवन त्याग दिया। उस भिक्षु ने बताया कि महिला ने दावा किया था कि वह उसके बच्चे की मां बनने वाली है और उसने यह रहस्य छिपाने के बदले करीब 72 लाख थाई बहत की मांग की थी।महिला की धमकियों और ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर भिक्षु ने खुद को धर्मसंघ से अलग कर लिया। जब मामला पुलिस तक पहुंचा और जांच शुरू हुई, तब पता चला कि ऐसे कुल 9 भिक्षु इस महिला के जाल में फंस चुके हैं। इनमें से कुछ भिक्षुओं ने स्वीकार भी किया कि वे महिला से रिश्ते में थे और उसे उपहार भी देते थे – जैसे कि कार और पैसे। एक भिक्षु ने बताया कि जब उसे यह पता चला कि वह महिला किसी और भिक्षु के साथ भी संबंध में है, तब उसने खुद को ठगा महसूस किया और महिला ने यहीं से पैसों की मांग शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाईलैंड के सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने पूरे देश के बौद्ध मठों और भिक्षुओं की जांच शुरू करने का आदेश दिया है। अधिकारियों का मानना है कि यह मामला धर्म और समाज की छवि को भारी नुकसान पहुंचा सकता है और ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि विलेवन ने जो पैसा ऐंठा, उसमें से अधिकांश रकम जुए में गंवा दी। महिला की गिरफ्तारी के बाद वह यह स्वीकार भी कर चुकी है कि उसके भिक्षुओं के साथ रिश्ते थे, लेकिन उसने यह दावा किया कि उसने पैसे लिए नहीं, बल्कि कई बार खुद दिए।जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य भी सामने आया कि महिला के बैंक खाते में बड़ी रकम एक बौद्ध मंदिर के खाते से ट्रांसफर की गई थी। इस ट्रांजैक्शन के बाद पुलिस ने मनी लॉन्ड्रिंग, अवैध वसूली और चोरी के सामान को रखने के आरोपों में विलेवन को गिरफ्तार कर लिया।

ऋतुराज ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार तोड़ा

मुम्बई (ईएमएस)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने इंग्लैंड के काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया अपना करार तोड़ दिया है। ऋतुराज ने इस क्लब के साथ काउंटी क्रिकेट के 5 मैचों के लिए करार किया था और वह 22 जुलाई से खेलने भी वाले थे पर इसके ठीक पहले उन्होंने निजी कारणों से इंग्लैंड जाने से इंकार कर दिया। इस प्रकार अचानक ही अपना नाम वापस लेकर ऋतुराज ने यॉर्कशायर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। टीम को अब उनके जैसा बल्लेबाज तलाशने के लिए काफी प्रयास करना होगा। इस क्रिकेटर का कहना है कि वह निजी कारणों ने नाम वापस ले रहे हैं। यॉर्कशायर ने गायकवाड़ के नाम वापस लेने की पुष्टि की है।

गायकवाड़ ने हाल में इंग्लैंड दौरे पर इंडिया ए के लिए कुछ मैच खेले थे जिसके बाद उनके काउंटी खेलने की संभावनाएं काफी बढ़ गयी थीं। इस बल्लेबाज को आईपीएल 2025 के दौरान चोट लगी थी जिस वजह से वह 5 ही मैच खेल पाए थे। टीम के मुख्य कोच एंथनी मैकग्राथ ने गायकवाड़ के हटने पर निराशा व्यक्त की और कहा कि टीम उनके विकल्प की तलाश करेगी हालांकि उन्हें भरोसा नहीं है कि उनके पास विकल्प खोजने के लिए पर्याप्त समय है। मैकग्राथ ने कहा, बदकिस्मती से, गायकवाड़ निजी कारणों से अभी नहीं आ रहे हैं। वह बच हुए सत्र के लिए भी टीम में नहीं रख पाएंगे। यह निराशाजनक है। उन्होंने आगे कहा, अब बस दो या तीन दिन ही बचे हैं, इसलिए मुझे नहीं पता कि हमें कोई अन्य खिलाड़ी मिल पाएगा। गायकवाड़ ने 38 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं और 41.77 की औसत से 2632 रन बनाए हैं।

ड्यूक्स गेंद की जांच करायेगी निर्माता कंपनी

लंदन (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में इस्तेमाल हो रही 'ड्यूक्स' गेंद को लेकर कई शिकायतें आने के बाद कंपनी ने कहा कि वह गेंद के जल्दी खराब होने के मामले की जांच करेगी। ड्यूक्स गेंद की गुणवत्ता पर भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने सवाल उठाये थे। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान शुभमन ने अंपायरों की दी हुई गेंद को लेकर नाराजगी जतायी थी नई गेंद को मैच के दूसरे दिन सुबह के पहले घंटे में बदलना पड़ा था। जहां जसप्रीत बुमराह ने शुरुआत में मिली गेंद से कम ओवरों में तीन विकेट लिए थे पर बदलाव के बाद वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। बुमराह ने भी कहा था कि गेंद अधिक नरम होने के कारण गेंदबाजी में परेशानी हुई। ब्रॉड ने कहा था कि ड्यूक्स बॉल अब वैसी नहीं रही जैसी पहले हुआ करती थी। मैच के दौरान कई बार ऐसा हुआ जब गेंद का आकार बदल गया। कुछ खिलाड़ियों ने यह भी कहा कि गेंद बहुत जल्दी नरम हो रही है। इस वजह से गेंदबाजों को स्विंग और सीम मूवमेंट हासिल करने में परेशानी ल हो रही है। ईसीबी अब इन सभी शिकायतों को ध्यान में रखते हुए ड्यूक्स बॉल बनाने वाली कंपनी के साथ मिलकर काम करेगा। वे यह पक्का करना चाहते हैं कि आगे से टेस्ट मैचों में अच्छी गुणवत्ता की गेंद का प्रयोग हो। वहीं इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) अब इस्तेमाल की गई ज्यादा से ज्यादा गेंदों को इस सप्ताह के अंत तक ड्यूक्स गेंद बनाने वाली कंपनी को लौटा देगा जिससे वह इनकी जांच करेगी। ड्यूक्स बनाने वाली कंपनी 'ब्रिटिश क्रिकेट बॉल्स लिमिटेड' के प्रमोटर ने कहा, ''हम इन इस्तेमाल हुई गेंदों का निरीक्षण करेंगे और फिर इसके निर्माण से जुड़े लोगों से बातचीत करेंगे। हम इस मामले में जो भी जरूरी होगा वह कदम उठाएंगे। इसकी समीक्षा में अगर हमें लगेगा कि कुछ बदलाव करने की जरूरत है, तो हम वह भी करेंगे। ''गौरतलब है कि पांच मैचों की इस सीरीज के दौरान मैदानी अंपायरों को नियमित रूप से गेंदों को बदलना पड़ा क्योंकि वे जल्दी नरम हो जा रही थीं। गेंद लगभग 30 ओवर के प्रयोग के बाद ही खराब हो जा रही थी। इस पूरी प्रक्रिया के कारण मैचों में देरी भी हुई। गौरतलब है कि टेस्ट सीरीज के लिए इस्तेमाल होने वाली गेंद का फैसला मेजबान बोर्ड करता है। इंग्लैंड में ड्यूक्स गेंद का उपयोग किया जाता है जबकि भारत में टेस्ट मैच एसजी गेंद से खेले जाते हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया में कूकाबूरा की गेंद रहती है। ड्यूक्स गेंद का उत्पादन 1760 से हो रहा है पर हाल में काउंटी क्रिकेट में भी उसकी शिकायतें आई हैं।

टोक्यो में जापान बैडमिंटन ओपन में खेलती हुई खिलाड़ी।

सिराज को भी आराम देने पर सोचे बीसीसीआई : चोपड़ा

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन पर तो काफी बातें कहीं हैं जो ठीक भी हैं पर दूसरे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को लेकर कुछ नहीं कहा है। चोपड़ा का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच से पहले सिराज के कार्यभार प्रबंधन की कोई भी बात नहीं सुनी गयी जो ठीक नहीं है। आकाश के अनुसार सिराज भी काफी ओवर फेंकते हैं और फिटनेस बनाये रखने के लिए उन्हें भी आराम दिया जाना जरुरी है। बीसीसीआई ने टेस्ट सीरीज से पहले ही साफ कर दिया था कि बुमराह तीन ही मैच खेलेंगे। चोपड़ा ने सिराज के समर्थन में कहा कि वह टेस्ट मैचों में लंबे स्पेल करते हैं, लेकिन उन्हें आराम देने के बारे में अब तक कुछ नहीं कहा गया है। उन्होंने कहा, वह बहुत कड़ी मेहनत करते हैं। वह बहुत सारे ओवर फेंकते हैं। इसके बाद भी कोई उनके बारे में बात नहीं कर रहा है हालांकि, वह अपना 100 प्रतिशत देते हैं। जब भी वह गेंदबाजी करने आते हैं तो पूरे दिल से और तेजी से दौड़कर गेंदबाजी करते हैं। कार्यभार प्रबंधन के तहत ही बुमराह दूसरे टेस्ट मैच में मैदान पर नहीं उतरे थे, तो सिराज ने पूरी जिम्मेदारी उठाई थी। तब युवा आकाश दीप सिंह के साथ गेंदबाजी की अगुवाई करते हुए सिराज ने दूसरे टेस्ट मैच में कुल 7 विकेट अपने नाम किए थे। उनके इस दमदार प्रदर्शन के कारण ही टीम इंडिया ने इस मैच में जीत हासिल की थी।

शुभमन को विफल करनी होगी स्टोक्स की रणनीति : जाफर

तीसरे टेस्ट में बनाया था निशाना

मैनचेस्टर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को अब तक इंग्लैंड दौरे में उतनी सफलता नहीं मिली है जिसकी उसे उम्मीद थी। भारतीय टीम ने तोनो ही टेस्ट मैचों में मेजबानों से बेहतर खेला पर हालात का लाभ वह नहीं उठा पायी जिससे इंग्लैंड को सीरीज में 1-2 से बढ़त मिल गयी है। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने कहा है कि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने लॉर्ड्स में भारतीय कप्तान शुभमन गिल पर अंकुश लगाने की जो रणनीति अपनायी थी। वह सफल रही और शुभमन दोनो ही पारियों में अधिक रन नहीं बना पाये। ऐसे में अब मैनचेस्टर में भी इंग्लैंड का लक्ष्य शुभमन को शुरुआत में आउट कर भारतीय टीम पर दबाव बनाना रहेगा।

जाफ़र ने कहा कि एजबेस्टन में शुभमन के शतक से भारतीय टीम ने 430 रन बनाए और मेजबान टीम समझ गयी थी कि अगर भारतीय टीम को कम रनों पर रोकना है तो शुभमन को जल्द आउट करना होगा। इंग्लैंड की ये रणनीति तीसरे टेस्ट में सफल रही।

जाफ़र ने कहा कि शुभमन को अंदर आती गेंदों पर परेशानी होती है जिसका लाभ विरोधी टीम ने उठाया जिससे शुभमन दोनों पारियों में 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। जाफ़र ने ये भी कहा कि अब तक भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन शुभमन ने बनाये हैं और उम्मीद है कि कि वह मैनचेस्टर में मेजबान टीम की रणनीति को फेल करने के इरादे से उतरेंगे। साथ ही कहा कि शुभमन अभी दो और शतक लगा सकते हैं बस वो थोड़ा संयम से खेलें और पहले 20-25 रन बना लें। इसी कारा गिल ने अभ्यास सत्र में बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक के साथ काफ़ी देर तक काम भी किया। उन्होंने इन स्विंग का सामना करने के लिए कई थ्रो डाउन भी लिया।

जाफ़र ने आगे कहा कि टीम युवा है और इस टीम को सलाह की जरुर । नियंत्रित आक्रामकता के साथ खेलने पर टीम इंडिया अभी भी सीरीज जीत सकती है। साथ ही कहा कि इस सीरीज में अब तक भाग्य भी भारतीय टीम से रुठा नजर आया। अगर ऐसा नहीं होता तो भारतीय टीम अब तक इस सीरीज में तीनो ही मैच जीती होती। . लीड्स में 372 रन बनवा दिए और लॉर्ड्स में टीम 192 नहीं बना पाई। पहले टेस्ट में पांच शतक के बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा

बीसीसीआई बांग्लादेश में एसीसी बैठक का बहिष्कार करेगा

एशिया कप का आयोजन खतरे में पड़ा

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी माह 24 जुलाई को बांग्लादेश के ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है। इससे सितंबर में होने वाले एशिया कप के आयोजन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं क्योंकि बीसीसीआई सहित एसीसी के कई अन्य सदस्य देश भी खराब राजनीतिक हालातों के कारण इस बैठक में शामिल नहीं हो रहे। बीसीसीआई ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी को आधिकारिक तौर पर ये जानकारी दे है कि अगर यह बैठक ढाका में होती है, तो वह इसमें शामिल नहीं होगा। इसका कारण दोनो देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों को बताया गया है। वहीं एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ढाका में बैठक आयोजित करने पर अड़े हुए हैं। बीसीसीआई के अलावा, श्रीलंका, ओमान और अफगानिस्तान के क्रिकेट बोर्ड ने भी बांग्लादेश जाने से इंकार कर दिया है।

एसे में माना जा रहा है कि एशिया कप तभी हो सकता है जब बैठक का स्थान ढाका से बदला जाए जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा। एसीसी के अध्यक्ष नकवी ने बैठक में भाग लेने के लिए बीसीसीआई पर दबाव बनाने का भी प्रयास किया पर उसमें वह सफल नहीं रहे। बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि अगर नकवी ढाका में बैठक करते हैं, तो बीसीसीआई किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा।

एसीसी के नियमों के अनुसार, ढाका में होने वाली बैठक में प्रमुख सदस्य बोर्डों की भागीदारी के बिना लिए गए किसी भी फैसले का कोई मतलब नहीं रह जाएगा क्योंकि ये लागू नहीं किया जा सकता। इससे एशिया कप के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने की आशंकाएं लगायी जा रही हैं।

बर्न में यूईएफए फुटबॉल में खेलते हुए स्पेन व स्विटजरलैंड के खिलाड़ी।

क्लार्क बोले कुलदीप को शामिल करे भारतीय टीम

सिडनी (ईएमएस)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम को चाइनामैन स्पिन कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये। क्लार्क के अनुसार पिछले तीन टेस्ट मैच में कुलदीप बेंच पर ही बैठे रह गये हैं। उन्हें अब जगह नहीं मिलेगी तो कब मिलेगी। क्लार्क ने कहा कि मैं अभी भी कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में चाहूंगा हालांकि स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने अच्छी गेंदबाजी की है। साथ ही कहा कि कलाई के स्पिनर कुलदीप को अभी तक इस सीरीज में अवसर नहीं मिलना अजीब सी बात है जबकि वह टीम में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं।

ऋषभ पूरी तरह से फिट होने पर ही चौथे टेस्ट में उतरें : शास्त्री

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज और उपकप्तान ऋषभ पंत पूरी तरह से फिट होते हैं तो ही मैनचेस्टर टेस्ट में उतरें। शास्त्री के अनुसार अगर वह पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं और विकेटीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें बल्लेबाज के तौर पर भी नहीं खेलना चाहिये। ऋषभ तीसरे टेस्ट में चोटिल हो गये थे और ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने को लेकर आशंकाएं लगायी जा रही हैं। शास्त्री के अनुसार उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं खेलना चाहिए, जब तक कि वह विकेटकीपर के मौर पर न खेल पायें। तीसरे टेस्ट में ऋषभ को विकेटकीपिंग के दौरान बांए हाथ

की उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। इसी कारण वह मैच में बचे हुए समय में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी। इसी को लेकर शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर भी मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि तब उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो गेंद लगने से उनकी चोट और खराब हो जाएगी। विकेटकीपिंग के दौरान दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है। बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है तो इससे उनकी चोट और बिगड़ जाएगी।शास्त्री ने कहा कि जब आप अगले टेस्ट के लिए टीम चुनेंगे, तो उन्हें विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों करनी होंगी। वह दोनों में से एक नहीं कर सकते। बेहतर होगा कि वह पूरी तरह से फिट हों। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने कहा था कि पंत खेलने के लिए फिट होंगे। वहीं टीम के अभ्यास सत्र के दौरान, सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा था कि टीम इस विकेटकीपर बल्लेबाज को पूरी तरह से फिट होने और ठीक होने के लिए पर्याप्त समय देगी।

टर्नर के नाम है ये अनोखा रिकार्ड

बर्मिंघम (ईएमएस)। क्रिकेट में आम तौर पर नये रिकार्ड बनते रहते हैं। ऐसे ही साल 1975 में इंग्लैंड में हुए एकदिवसीय विश्व कप में बना एक ऐसा रिकार्ड है। जो ऐजबेस्टन मैदान पर बना था और 50 साल बाद भी बरकरार है। ये रिकार्ड न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज ग्लेन टर्नर ने बनाया था। विश्व कप में टर्नर ने एकदिवसीय में सबसे ज्यादा गेंद खेलने का रिकॉर्ड बनाया। ईस्ट अफ्रीका के साथ हुए इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। तब सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे टर्नर पूरे 60 ओवर बल्लेबाजी करते रहे। इस दौरान उन्होंने 201 गेंदों पर 171 रन बनाये। टर्नर ने अपनी इस पारी में 16 चौके और दो छक्के लगाए। तब एकदिवसीय में 60 ओवर होते थे। ये तब के समय की एक बेहतरीन पारी थी। जिससे कीवी टीम ने 60 ओवरों में 309 रन बना दिए। जवाब में अफ्रीका की टीम ने पूरे 60 ओवर में 8 विकेट पर केवल 128 रन ही बना पाई। जिससे न्यूजीलैंड ने ये मैच 181 रनों से जीत लिया।

स्पिनर फरहान ने विटैलिटी ब्लास्ट में हैट्रिक लगाकर बनाया रिकार्ड

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के स्पिनर फरहान अहमद ने विटैलिटी ब्लास्ट में हैट्रिक लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी है। फरहान ने नॉटिंघमशायर की ओर से खेलते हुए लंकाशायर के खिलाफ पांच विकेट लिए। 17 साल के फरहान नॉटिंघमशायर की ओर से टी20 इतिहास में हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 5 ओवर में 25 रन देकर कुल 5 विकेट लिए। पिछले साल फरहान ने 16 साल की उम्र में टीम की ओर से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसी साथ ही वह क्लब के सबसे युवा एफसी क्रिकेटर बन गये थे। उन्होंने अपने डेब्यू मैच में 140 रन देकर 7 लिए थे।फरहान ने हैट्रिक और पहली बार सीमित ओवर क्रिकेट में पांच विकेट लिए हैं। पिछले सत्र में ब्रिटेन में एफसी क्रिकेट में एक मैच में उन्होंने 10 विकेट लिए थे। फरहान ऐसा करने वाले सबसे युवा क्रिकेटर भी बने थे। उन्होंने लंकाशायर को केवल 126 रन पर पेवेलियन भेज दिया। वहीं उनके भाई रेहान अहमद ने गत वर्ष पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की ओर से सबसे कम उम्र में टेस्ट डेब्यू का रिकार्ड बनाने के साथ ही पहले पांच विकेट भी लिए थे।

डब्ल्यूडब्ल्यूई अनरियल से सामने आयेगी रेसलिंग की सच्चाई

मुम्बई (ईएमएस)। डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलिंग के शौकीनों को आने वाले दिनों में इसका एक नया शो दिखने को मिलेगा। डब्ल्यूडब्ल्यूई अनरियल नाम के इस शो से डब्ल्यूडब्ल्यूई के प्रशंसकों को इसके पीछे की बातें भी देखने को मिलेंगी। इसमें दिखाया जाएगा कि कैसे लेखक और पहलवान मिलकर कहानियां बनाते हैं। शो में शार्लेट फ्लेयर और सीएम पंक के बीच एक बातचीत भी दिखाई जाएगी। इसमें वे रिंग में पेशाब और पॉटी करने के बारे में बात कर रहे हैं। यह शो अंदर की कुछ सच्चाईयों को उजागर करेगा। इस शो से पता चलेगा कि लेखक के कमरे का क्या माहौल होता है। यह पहली बार है जब प्रशंसक इस शो के अंदर की बातें जान सकेंगे। शो में पहलवान और लेखकर किस प्रकार कहानियां बनाते हैं है इसमें कई ऐसी बातें भी होंगी जो प्रशंसकों को अच्छी न लगें। शार्लेट फ्लेयर और सीएम पंक की बातचीत से पता चलता है कि शो में कुछ कड़वी बातें भी दिखाई जाएंगी। इन सब बातों का मकसद ये पता करना है कि वास्तव में होता क्या है। रेसलिंग एक बहुत ही कठिन खेल है। इसमें कई बार दुर्घटनाएं होती रहती हैं। अब यह देखना भी दिलचस्प होगा कि इसके पीछे की कितनी बातें सामने आती हैं। इसमें कुछ बातों पर विवाद भी हो सकता है। अब देखते हैं क्या होता है।

मुरलीधरन से बेहतर गेंदबाज थे वार्न : लारा

जमैका (ईएमएस)। विश्व क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत शेन वार्न और श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर हैं। इन दोनो की गेंदबाजी का सामना करना बड़े से बड़े बल्लेबाज के लिए कठिन रहा है। वार्न ने जहां टेस्ट में 708 विकेट जबकि मुरली ने 800 विकेट लिए है। ऐसे में कई बार सवाल उठता है कि इन दोनो में से कौन अधिक बेहतर है। वहीं को लेकर अब वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने कहा है कि ये दोनों ही बेहतरी गेंदबाज रहे हैं पर वह वार्न को सबसे अच्छा मानते हैं। लारा पूर्व क्रिकेटर फिल टफनेल, एलेस्टेयर कुक, माइकल वान और डेविड लॉयड से एक कार्यक्रम में बात कर रहे थे। लारा ने कहा, वार्न सबसे बेहतर हैं। साथ ही कहा कि मैं मुरली के खिलाफ बल्लेबाज में मैं घबरा जाता। संशय में आ जाता हूं तीन मैच की सीरीज में 688 रन बनाए थे और पहले ही हाफ में मुरली को एक गेंदबाजी पर परेशान हो गयार था पर मुरली ने ज्यादा मुझे वार्न की गेंदों पर परेशानी रही। वार्न के बारे में लारा ने कहा कि वह उनकी गेंदों को अच्छे से खेलते थे पर उनकी गेंदें काफी अच्छी होती थी और उनके स्पेल फेंकने की क्षमता काफी अच्छी थी। अगर दोनों महान गेंदबाजों के आंकड़ों पर नजर डालें तो मुरलीधरन ने तीनों प्रारुपों को मिलाकर 495 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1347 विकेट लिए हैं। इसमें 77 तो 5 विकेट हॉल हैं। उन्होंने 22 बार मैच में 10-10 विकेट लिए। वहीं वार्न ने टेस्ट और एकदिवसीय में 339 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1001 विकेट लिए।

परांजपे को बुमराह के अगले दो टेस्ट खेलने और भारतीय टीम के वापसी करने की उम्मीद

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे के अनुसार भारतीय टीम अब भी इंग्लैंड सीरीज में वापसी करते हुए एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी जीत सकती है। भारतीय टीम इस सीरीज में अभी 1-2 से पीछे चल रही है। परांजपे के अनुसार युवा खिलाड़ियों से भरी इस टीम को कम आंकना भूल होगी क्योंकि ये वापसी करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि टीम ने अब तक इस दौरे में बैखौफ होकर खेला है। उसे जो हार मिली है वह भी कारीबी अंतर से मिली है। परांजपे ने ये भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बचे हुए दो टेस्ट मैचों में खेलेंगे। बुमराह ने इस सीरीज के पहले कहा था कि वह पूरे मैच नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में उन्हें एक मैच खेलना है और वो कौन सा होता है ये देखना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में मिली हार के बाद दूसरे मैच में जीत के साथ ही 5 मैचों की सीरीज को 1-1 से बराबरी पर ला दिया था लॉर्ड्स में हालांकि टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब सीरीज में बराबरी के लिए भारतीय टीम को किसी भी हाल में चौथा टेस्ट जीतना होगा। परांजपे का मानना है कि इस युवा टीम को कमजोर नहीं माना जा सकता क्योंकि टीम पहले ही विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से आगे बढ़ चुकी है और ये युवा टीम मैनचेस्टर में वापसी करने की क्षमता रखती है।

जर्मनी में एफआईएसयू विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स में भाग लेती हुई चीन की क्वांग यू और वांग वेइंग।

डब्ल्यूसीएल में आज होगा इंडिया चैम्पियंस व पाकिस्तान चैम्पियंस का मुकाबला

लंदन (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) 2025 के तहत रविवार को मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें 20 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में टकराएंगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 9 बजे शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कई रिटायर्ड पूर्व क्रिकेटर खेल रहे हैं। इंडिया चैम्पियंस टीम में युवराज सिंह, सुरेश रैना, शिखर धवन और पठान ब्रदर्स जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं पाकिस्तान चैम्पियंस टीम में शाहिद अफरीदी और मिस्बाह उल हक जैसे पुराने दिग्गज दिखेंगे। पाक की टीम ने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ जीत हासिल की है। वहीं भारतीय टीम अपने पहले ही मुकाबले में पाक के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगा। दोनो ही देशों के मुकाबले रोमांचक होने के साथ ही तनावपूर्ण भी होते हैं। इस दौरान रोमांच अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच जाता है। प्रशंसक एक बार फिर अपने पसंदीदा सितारों को बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते देखना चाहते हैं। इस मैच से प्रशंसकों का पुराने स्टार खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। वहीं इसके जरिये पूर्व क्रिकेटर खेल से जुड़े रहते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

इंडिया चैम्पियंसः युवराज सिंह, शिखर धवन, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, यूसुफ पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, पीयूष चावला, स्टुअर्ट बिन्नी, वरुण आरोन, विनय कुमार, अभिमन्यु मिथुन, सिद्धार्थ कौल, गुरकीरत मान।

पाकिस्तान चैम्पियंसः मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, सरफराज अहमद, शरजील खान, वहाब रियाज, आसिफ अली, शाहिद अफरीदी, कामरान अकमल, आमेर यामीन, सोहेल खान, सोहेल तनवीर।

एजेंसी एम एस डब्लू में कार्यरत सैकड़ों कर्मचारियों ने जनता श्रमिक संघ का थामा दामन

नगर निगम के कर्मचारियों के साथ हो रहे अत्याचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी : रागिनी सिंह

धनबाद, (झरिया) , धनबाद नगर निगम की एजेंसी एम एस डब्लू में कार्यरत सैकड़ों कर्मचारियों ने जनता श्रमिक संघ में आस्था जताते हुए पार्टी का दामन थामा । इस दौरान झरिया विधायक सह जनता श्रमिक संघ के महामंत्री रागिनी सिंह ने सभी को माला पहना कर पार्टी में स्वागत किया । पूर्व पार्षद संजय यादव के नेतृत्व में कर्मचारियों ने सदस्यता ग्रहण किया । इस दौरान सफाई कर्मियों ने नगर निगम प्रशाशन व संवेदक एम एस डब्लू पर नियमानुसार कार्य न कराने ड्रेसकोड आई कार्ड सुरक्षा समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं से वंचित होने की समस्याओं से अवगत कराया । झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि धनबाद नगर निगम के सैकड़ों कर्मचारी जनता श्रमिक संघ में आस्था जताते हुए पार्टी में शामिल हुए हैं ।

रागिनी सिंह ने कहा कि अब तक कोलियरी में मजदूरों के साथ शोषण रहा था, अब नगर निगम में सफाई कर्मी, हेल्पर, चालक, सुपर वाइजर के साथ शौषण हो रहा है । आज भी मजदूरों का आस्था और विश्वास हमारे ससुर स्व सूर्यदेव सिंह पर हैं । मजदूरों को विश्वास है, मजदूरों की हक की लड़ाई कोई लड़ता है तो सिंह मेंशन परिवार हैं ।

हमारे पिताजी स्व० सूर्यदेव सिंह हमेशा मजदूरों की लड़ाई लड़े है और उनका अधिकार दिलाया है । नगर निगम के कर्मचारियों के साथ हो रहे अत्याचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी । कर्मचारियों को उनके काम के बदले उचित वेतन, सुविधाएं और अधिकार मिलना चाहिए । आपके हक और अधिकार के लिए हम आपके साथ है । कोलियरी में मजदूरों के लिए लड़ाई लड़ते थे । अब लड़ाई नगर निगम में कर्मचारियों के लिए लड़ेंगे ।जल्द ही नगर निगम के अधिकारी से वार्ता कर मूलभूत सुविधा दिलाने का प्रयास करूंगी । आपकी एकता से ही हर लड़ाई जीती जाएगी और जहाँ मेरी आवश्यकता पड़ेगी,वहां में सदैव आपके साथ खड़ी रहूंगी। मौके पर मुख्य रूप से संतोष सिंह, के डी पांडेय, रविकांत पासवान, शैलेन्द्र सिंह उर्फ छोटू सिंह, विजय चंद्रवंशी समेत कई अन्य गणमान्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे ।

निरसा में अवैध लॉटरी की छपाई और अवैध लॉटरी कारोबार का हुआ खुलासा

चिरकुंडा, (धनबाद), शुक्रवार को पु०अ०नि० अवध किशोर पाण्डेय, एम०पी०एल० ओ०पी० गश्ती में थे। गश्ती दौरान उन्हें गुप्त सूचना मिली कि एम०पी०एल० ओ०पी० अंतर्गत ग्राम मदनपुर में शेख मशीरूल, पे०-शेख नौशाद अपने घर में नकली लॉटरी की छपाई कर असली के रूप में अवैध रूप से बृहद पैमाने पर कारोबार कर रहा है। तत्पश्चात् उक्त गुप्त सूचना को वरीय पदाधिकारी को दिया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक, धनबाद के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, निरसा को अग्रेतर कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। इसके पश्चात् अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, निरसा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम जब शेख मशीरूल के घर के पास पहुँची तो वहाँ एक काला रंग का ब्रेजा गाडी संख्या-JH-10CX-7725 खड़ा पाया गया। पुलिस को देखते ही कुछ लोग भागने लगे। तत्पश्चात् शेख मशीरूल के घर का विधिवत् घेराबंदी करते हुए घर की तलाशी हेतु घर के अंदर गये तो एक व्यक्ति घर के दक्षिणी गेट से भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस टीम द्वारा पकड़ लिया गया। पुछ-ताछ के क्रम में पकड़ाये व्यक्ति ने अपना नाम शेख मशीरूल, पे०-शेख नौशाद, सा०-मदनपुर, नीचे टोला, थाना-निरसा (एम०पी०एल० ओ०पी०), जिला-धनबाद बताया। उसके घर में काफी मात्रा में प्रिंटर कागज लैपटॉप, इंक, छपा हुआ लॉटरी इत्यादि मिला। इस संबंध में पकडाये व्यक्ति शेख मशीरूल से अनुज्ञप्ति एवं कागजात की मांग करने पर उसके द्वारा कोई भी अभिलेख उपस्थापित नहीं किया गया। पूछताछ में इन्होंने बताया कि अवैध रूप से नकली लॉटरी के टिकट को छाप कर ऊँचे कीमत पर बंगाल के लोगों को ब्रेजा गाड़ी संख्या-JH-10CX-7725 से ले जाकर विगत पांच वर्षों से बेचते आ रहे हैं तथा इसी अवैध कमाई से यह कार खरीदी हैं।शेख शमीरूल के घर से बरामद सामग्री को विधिवत् जब्त किया गया। पकड़ाये अभियुक्त शेख मशीरूल द्वारा अन्य लोगों की भी संलिप्तता की बात बताई गई है। इस संबंध में निरसा, एम०पी०एल० ओ०पी० थाना कांड सं0-425/25, दिनांक-19.07.25, धारा-318(4)/336(3)/338/340(2)/61) (ए) (बी) बी०एन०एस० तथा धारा-7/3 लॉटरी रेगुलेशन एक्ट-1998 दर्ज कर अग्रेतर अनुसंधान किया जा रहा है।

समस्याओं के समाधान हेतु सहायक अध्यापकों की विधानसभा घेराव की तैयारी

विधायक आलोक सोरेन को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

दुमकाःझारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा प्रखंड एवं जिला ईकाई ने झारखंड के सहायक अध्यापकों की वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान को लेकर आगामी 4 अगस्त से 7 अगस्त तक विधानसभा घेराव का ऐलान किया है। इसी क्रम में शिकारीपाड़ा विधायक आलोक सोरेन को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें सहायक अध्यापकों ने अपनी प्रमुख मांगों को रखा है। विधायक की अनुपस्थिति में सांसद प्रतिनिधि जोन सोरेन को ज्ञापन सौंपा गया।सहायक अध्यापकों का कहना है कि विधानसभा चुनाव 2019 के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा के घोषणा पत्र में यह वादा किया गया था कि राज्य में सरकार बनने के तीन महीने के भीतर पारा शिक्षकों को 'समान कार्य के बदले समान वेतन' की व्यवस्था दी जाएगी। इस वादे पर भरोसा जताते हुए सहायक अध्यापकों और उनके परिजनों ने सरकार के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, किंतु आज तक उनका सपना अधूरा रह गया। हालांकि सरकार द्वारा नियमावली लागू करते हुए 20 वर्षों के बाद सहायक अध्यापकों को कुछ लाभ मिले हैं जैसे 40-50% मानदेय में बढ़ोतरी, सामाजिक सुरक्षा के तहत सामान्य भविष्य निधि की सुविधा परंतु अभी भी समान कार्य के बदले समान वेतन जैसी प्रमुख मांगें अधूरी हैं। समान कार्य के बदले समान वेतन की व्यवस्था की जाए। पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में आंदोलन के क्रम में रांची समेत अन्य थाना क्षेत्रों में दर्ज मुकदमों को वापस लिया जाए। मृत सहायक अध्यापकों के आश्रितों को अनुकंपा आधारित नियुक्ति दी जाए। 28 अगस्त 2024 को सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के साथ हुए समझौते को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। सहायक अध्यापकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष की जाए, फर्जी संस्थानों का हवाला देकर लगभग 17,000 सहायक अध्यापकों को कार्यमुक्त करने के आदेश को निरस्त किया जाए।,मदरसा और संस्कृत विद्यालयों की तरह सहायक अध्यापकों को भी 9300-34800 वेतनमान और पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जाए।सहायक अध्यापकों ने कहा कि वे टेट एवं अन्य पात्रता परीक्षाएं उत्तीर्ण कर चुके हैं, फिर भी उन्हें तकनीकी और कानूनी कारणों का हवाला देकर अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, कुछ शिक्षकों की नियुक्तियाँ बिना टेट के ही नियमित वेतनमान पर कर दी गई हैं। अध्यापकों ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो वे 5 सितंबर शिक्षक दिवस के दिन राज्य भर से रांची में एकत्रित होकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।ज्ञापन सौंपने वालों में दुर्गा चरण वकील, मुर्मू रोबिन कुमार मंडल, संजू हसदा सहित कई अन्य सक्रिय सदस्य उपस्थित थे।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा में तैनात एनडीआरएफ, शिवगंगा में आस्था के संग सुरक्षा का भी विशेष प्रबंध

दुमकाःबासुकीनाथ धाम में श्रावणी मेला के दौरान लाखों की संख्या में उमड़ रहे श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। विशेषकर शिवगंगा सरोवर में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए NDRF की टीम को प्रतिनियुक्त किया गया है। NDRF की टीम मोटर बोट के माध्यम से शिवगंगा में लगातार गश्ती कर रही है और श्रद्धालुओं की सहायता के लिए पूरी तरह तैयार रहती है। हर दिन देर रात से ही श्रद्धालुओं की भीड़ शिवगंगा के आसपास जुटने लगती है। बाबा बासुकीनाथ पर जलार्पण करने से पहले श्रद्धालु शिवगंगा में आस्था की डुबकी लगाते हैं। यह धार्मिक परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जिसमें डुबकी को शुद्धि और भक्ति का प्रतीक माना जाता है।NDRF के जवान प्रतिदिन पूरी सतर्कता के साथ शिवगंगा में मोटर बोट के माध्यम से निगरानी कर रहे हैं। श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की दुर्घटना से बचाने के लिए लाइफ जैकेट, रस्सी, बचाव यंत्र आदि की भी व्यवस्था की गई है।मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा पर जलार्पण करने के लिए आगे बढ़ते हैं। संपूर्ण रूट पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी निगरानी और वॉकी-टॉकी से लैस सुरक्षाकर्मी पूरी व्यवस्था को सुचारू बनाए हुए हैं।श्रद्धालुओं ने प्रशासन की इस मुस्तैदी की सराहना करते हुए कहा कि मेला में सुरक्षा और सुविधा दोनों का संतुलन दिखाई दे रहा है। शिवगंगा जैसे प्रमुख आस्था केंद्र पर NDRF की तैनाती से श्रद्धालुओं को मानसिक शांति और सुरक्षा का भरोसा हो रहा है।श्रावणी मेला के दौरान लाखों की संख्या में उमड़ते श्रद्धालुओं के बीच यह व्यवस्था न केवल सुरक्षा का उदाहरण है, बल्कि भक्ति और प्रशासनिक सजगता का सुंदर समन्वय भी प्रस्तुत करती है।

लायंस क्लब दुमका की ओर से जरुरतमंदों के बीच फूड पैकेट का वितरण

दुमकाःलायंस क्लब दुमका संथाल परगना की ओर से एक जिला एक कार्यक्रम (फूड फॉर हंगर) के तहत दुमका के कुलदीप सिंह रोड स्थित शनि मंदिर में जरूरतमंदों के बीच फूड पैकेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित जरूरतमंदों को फूड पैकेट उपलब्ध कराया गया। इस मौके पर लायंस क्लब ऑफ दुमका के अध्यक्ष लायन सतीश कुमार, सचिव लायन प्रदीप्त मुखर्जी, पीएमजेएफ लायन डॉ अखिलेश कुमार सिन्हा, लायन डॉ सुनील जायसवाल, लायन डॉ शमीम अंसारी, लायन संजीत कुमार सिंह इत्यादि मौजूद थे।

सहायक अध्यापकों ने जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर को ज्ञापन सौंपकर की समस्याओं के निदान में सहयोग की अपील

दुमकाःझारखंड राज्य सहायक अध्यापक सघर्ष मोर्चा के राज्य कमिटी के निर्देशनुसार शनिवार को जरमुंडी विधानसभा के सभी सहायक अध्यापकों ने जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर से उनके आवास पर मुलाकात कर अपनी वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान हेतु ज्ञापन सौंपा। सहायक अध्यापकों ने विधायक से समर्थन की उम्मीद जताते हुए कहा कि यदि हेमंत सोरेन सरकार ने हमारी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया तो 5 सितंबर शिक्षक दिवस के दिन रांची में मुख्यमंत्री के आवास का घेराव करेंगे। ज्ञापन में कहा गया है कि पूरे राज्य के सहायक अध्यापक 4 अगस्त से 7 अगस्त तक विधानसभा का घेराव करेंगे।इस बार आर पार की लड़ाई होगी। ज्ञापन के माध्यम से सहायक अध्यापकों ने विधायक को अपनी पांच सूत्री मांगों से भी अवगत कराया।इस अवसर पर सारवा, सोनरायठाडी एवं जरमुणडी के सभी सहायक अध्यापक मौजूद थे। उनकी बातों को गंभीरता से सुनने के बाद विधायक देवेंद्र कुंवर ने सहायक अध्यापकों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।विधायक देवेंद्र कुंवर ने सभी शिक्षकों का स्वागत किया।सभी शिक्षकों ने विधायक देवेंद्र कुंवर का आभार जताते हुए तहे दिल से धन्यवाद दिया।

राजकीय श्रावणी मेला 2025: 9 दिन में लाखों श्रद्धालुओं ने किया बासुकीनाथ में जलार्पण

दुमकाःश्रावणी मेला 2025 के सफल 9 दिन पूर्ण हो चुके हैं। इस दौरान देशभर से आये लाखों श्रद्धालुओं ने कठिन यात्रा करते हुए बासुकीनाथ धाम पहुँचकर बाबा बासुकीनाथ को जलार्पित किया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की गयी है। संपूर्ण मेला क्षेत्र को सुरक्षा बलों की निगरानी में रखा गया है।

धनबाद स्थित वारामुड़ी में सिटी स्टाइल का सातवां प्रतिष्ठान का हुआ भव्य उद्घाटन

धनबाद, वारामुडी में सिटी स्टाइल के सातवा प्रतिष्ठान का उद्घाटन ओमकार सिंह एवं सौरभ सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया । सिटी स्टाइल के एरिया मैनेजर विनय सिंह ने कोयलांचल संवाद के ब्यूरो चीफ, आर एन चौरसिया को बताया की इस क्षेत्र में काफी दिनों से सिटी स्टाइल खोलने की जनता की मांग थी । आज इस प्रतिष्ठान के खुलने से जनता की मांगे पूरी हुई । आगे विनय सिंह ने बताया कि इस प्रतिष्ठान में लेडीज वियर, जेंट्स वियर एवं किड्स वियर काफी कम कीमत पर उपलब्ध है । साथ ही उन्होंने कहा की वाई टु वन गेट फ्री की स्कीम तीन दिनों तक ग्राहकों को दी जा रही हैं। उन्होंने धनबाद वासियों से आग्रह किया की इस प्रतिष्ठान में आकर इस ऑफर का लाभ उठावें। मौके पर ओमकार सिंह, सौरभ सिंह, विनय सिंह, अमृत सिंह, विशाल कुमार सहित अनेक गणयमान्य लोग मौजूद थे । ज्ञात हो की उद्घाटन के तत्पश्चात इस प्रतिष्ठान में खरीदारी करने वालो की काफी भीड़ देखी गई ।

फाइनेंशियल इंक्लूजन सैचुरेशन कैंपेन के अंतर्गत जिले के सभी 206 पंचायतों में आयोजित हो रहे कैंपों की प्रगति की समीक्षा

दुमकाःउपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से फाइनेंशियल इंक्लूजन सैचुरेशन कैंपेन के अंतर्गत जिले के सभी 206 पंचायतों में आयोजित हो रहे कैंपों की प्रगति की समीक्षात्मक बैठक संपन्न हुई।उपायुक्त ने बताया कि अब तक जिले की कुल 49 पंचायतों में कैंप आयोजित किए जा चुके हैं। इन कैंपों के माध्यम से नागरिकों का बैंक खाता खोलने एवं ई-केवाईसी करवाने का कार्य किया गया है। साथ ही लोन संबंधी जानकारी, बैंकिंग सेवाएं, और विभिन्न बीमा योजनाओं की भी जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई है।उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि जिन व्यक्तियों का अब तक बैंक खाता नहीं खुला है, उनके लिए विशेष प्रयास किए जाएं। साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने प्रखंड अंतर्गत आने वाले पंचायतों में निर्धारित तिथि पर कैंप आयोजन हेतु आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने कहा कि यह अभियान आम नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे उनकी आर्थिक सुरक्षा और सरकारी योजनाओं तक सीधी पहुंच सुनिश्चित होगी।बैठक में उप विकास आयुक्त, एलडीएम, जिला कृषि पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

सदर प्रखंड दुमका के चांदोपानी गांव में अधिकारियों ने किसानों संग किया श्रीविधि से धान बीचड़ा का रोपण

दुमकाःशनिवार को ग्राम चाँदोपानी, पंचायत-दिग्धी, प्रखंड-दुमका में उपायुक्त के निर्देशानुसार आत्मा द्वारा प्रत्यक्षण हेतु वितरित किए गये धान बीज के बिचड़ा का श्रीविधि से रोपन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी, दुमका उमेश मंडल, प्रखंड प्रमुख मिनौती हेम्ब्रम, जिला कृषि पदाधिकारी, दुमका सत्यप्रकाश, उप परियोजना निदेशक आत्मा, दुमका संजय कुमार मंडल, सहायक तकनीकी प्रबंधक, दुमका भारती कुमारी एवं कृषकगण, सिफा की सदस्या सुष्मिता सोरेन उपस्थित थे।मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी निमाई चन्द्र गोराई द्वारा श्रीविधि से धान की खेती के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई एवं कृषक के खेत में श्रीविधि द्वारा बिचड़ा का रोपण किया गया। इस विधि से खेती में कृषकों को कम बीज 5केजी प्रति हे० बीज की आवश्यकता, 8-14 दिन का बिचड़ा एवं 25x25 सीएम की दूरी पर दो-दो बिचड़ा का रोपण किया जाता है। इस विधि से खेती करने पर कृषकों को दोगुना धान का उत्पादन प्राप्त होता है एवं कम पानी की आवश्यकता होती हैं।

बी एस एल के बिज़नेस एक्सीलेंस विभाग में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

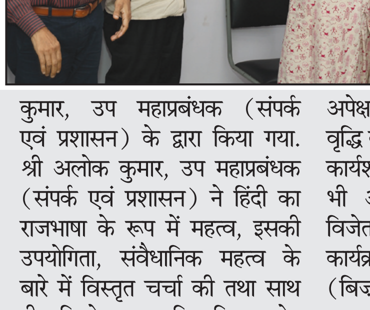

बोकारो । बोकारो इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग के द्वारा बिज़नेस एक्सीलेंस विभाग में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्री मनीष जलोटा, मुख्य महा प्रबंधक (बिज़नेस एक्सीलेंस) के साथ विभाग के वरीय अधिशासी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे. मुख्य अतिथि श्री मनीष जलोटा के द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग करने पर बल दिया गया.

बिज़नेस एक्सीलेंस विभाग की हिंदी अधिकारी सुश्री देवयानी चक्रबोर्ती ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया. कार्यक्रम का सञ्चालन राजभाषा विभाग के अधिकारी श्री अलोक कुमार, उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) के द्वारा किया गया. श्री अलोक कुमार, उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) ने हिंदी का राजभाषा के रूप में महत्व, इसकी उपयोगिता, संवैधानिक महत्व के बारे में विस्तृत चर्चा की तथा साथ ही यूनिकोड का अधिकाधिक प्रयोग कर संसदीय राजभाषा समिति की अपेक्षाओं के अनुरूप हिंदी पत्राचार में वृद्धि करने की अपील की.

कार्यशाला में हिंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमे विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. कार्यक्रम का समापन महा प्रबंधक (बिज़नेस एक्सीलेंस) श्रीमती अनुपमा तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया.

बीएसएल द्वारा सघन वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत

बोकारो । बीएसएल के नगर प्रशासन विभाग के तत्वावधान में सेक्टर 04 स्थित सूर्य मंदिर के समीप से सघन वृक्षारोपण का अभियान 19 जुलाई को निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी की अगुवाई में आरम्भ किया गया. इस मौके पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) श्री विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक(सामग्री प्रबंधन) श्री सी आर मिश्रा, अधिशासी निदेशक(परियोजनाएँ एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) श्री अनीष सेनगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (टेक्निकल) श्री लक्ष्मी दास, मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) श्री कुंदन कुमार के साथ अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा हॉर्टिकल्चर अनुभाग की टीम के सदस्य उपस्थित थे.

इस अभियान के तहत बीएसएल द्वारा वित्त वर्ष 2025 -26 के दौरान कुल 665000 पौधे लगाने की योजना है. बीएसएल के पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग के द्वारा वित्त वर्ष 2025 -26 में बोकारो इस्पात संयंत्र के अंदर 65000 पौधे लगाए जाएंगे तथा शेष 600000 पौधे टाउनशिप के आसपास में लगाने का लक्ष्य नगर प्रशासन विभाग द्वारा रखा गया है. पौधों की उचित देखभाल और बैरिकेडिंग की व्यवस्था भी बीएसएल द्वारा की जाएगी.

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी ने वृक्षारोपण के लिए नगर प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और सभी को इस मानसून में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया. उल्लेखनीय है कि बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण न केवल जैव-विविधता में मदद करता है, बल्कि वृक्ष भूजल के अंदर वर्षा जल के बेहतर प्रवाह में भी मदद करता है. इसके अलावा सघन वृक्षारोपण कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन में भी मदद करता है और आस-पास के क्षेत्रों में वातावरण के तापमान को नियंत्रित करता है.

बेलगड़िया के लोगों का कौशल विकास कर रोजगार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता : मुख्य सचिव

सुगम ट्रांसपोर्टेशन के लिए चलेंगे ई - रिक्शा, बढ़ाए जाएंगे बसों के फेरे

समय सीमा में काम संपन्न कराने के लिए तैयार है कार्य योजना

धनबाद, झारखंड की मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी ने आज बेलगड़िया टाउनशिप का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने बेलगड़िया फेज 5, आंगनबाड़ी के लिए चिह्नित जमीन, नया प्राथमिक विद्यालय झरिया विहार बेलगड़िया, स्वास्थ्य उप केंद्र बेलगड़िया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय छाताटांड़ बेलगड़िया, आरएसपी कॉलेज, बेलगड़िया टाउनशिप अंतर्गत निर्मित तालाब, पार्क निर्माण के लिए चिह्नित भूमि, मेगा स्किल डेवलपमेंट सेंटर बनाने के लिए चिह्नित भूमि, मल्टी स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट समेत अन्य परिसरों का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने छात्राओं के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने बेलगड़िया में पौधारोपण भी किया। भ्रमण करने के बाद मुख्य सचिव ने कहा कि बेलगड़िया के लोगों का कौशल विकास कर उन्हें रोजगार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। बहुत जल्द इसका प्रभाव देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सुगम यातायात के लिए जल्द ई - रिक्शा चलाए जाएंगे। धनबाद आना-जाना सरल बनाने के लिए बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे। इलेक्ट्रिक बस चलाने का भी वृहद प्लान तैयार किया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार की मंशा है कि यहां रहने वाले लोगों को अच्छा वातावरण मिले। इसलिए सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रोजगार, पेयजल, सुचारू बिजली व्यवस्था, सोलर स्ट्रीट लाइट, टाउनशिप में अच्छी सड़क, रोड कनेक्टिविटी, पुरानी इमारतों की रिपेयरिंग, मेंटेनेंस, साफ सफाई सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। इसके लिए शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म एवं लॉन्ग टर्म प्लानिंग की गई है।

कार्य योजना बनाकर काम किया जा रहा है। इसे निर्धारित समय सीमा में संपन्न कर लिया जाएगा। वहीं रिवाइज्ड झरिया मास्टर प्लान पर प्रकाश डालते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि भू-धंसान एवं अग्नि प्रभावित क्षेत्र के लोगों का सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास इसकी प्राथमिकता है। रिवाइज्ड प्लान में कई नई चीजों को समायोजित कर लोगों की समस्या का समाधान किया गया है।मुख्य सचिव ने कहा कि बेलगड़िया भ्रमण के दौरान लोगों ने कुछ समस्याओं से रूबरू कराया। जिसमें जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य इत्यादि के संबंध में बताया गया। उनकी सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कर दिया जाएगा। भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव के साथ श्रीमती अलका तिवारी के साथ खान निदेशक, राहुल कुमार सिन्हा, उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल, हजारीबाग, के आयुक्त, पवन कुमार, उपायुक्त, आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार, सिटी एसपी, ऋत्विक श्रीवास्तव, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार, बीसीसीएल के निदेशक, तकनीकी ऑपरेशन, संजय कुमार सिंह, निदेशक, तकनीकी, प्रोजेक्ट एंड प्लानिंग, मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक, मानव संसाधन, मुरली कृष्ण रमैया, सहायक नगर आयुक्त, प्रसून कौशिक, जेआरडीए सलाहकार, डीएन महापात्रा, एसडीपीओ सिंदरी, सत्यम आशुतोष सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

काला हीरा कार्यक्रम के दूसरे दिन चार राज्यों के कलाकारों ने दी सांस्कृतिक नृत्य एवं संगीत की शानदार प्रस्तुतियां

धनबाद। 9 वां ऑल इंडिया मल्टीलिंगुअल ड्रामा, डांस, ड्राइंग एंड म्यूजिक कंपटीशन फेस्टिवल 'काला हीरा' के दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ काला हीरा के निदेशक राजेंद्र प्रसाद, मुख्य अतिथि बंगाल की प्रख्यात आर्टिस्ट,अनिता दत्ता, अनुभूति एक एहसास की निदेशक सरसी चंद्र क्लब इंडिया के डायरेक्टर संतोष रजक समेत अन्य अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। राजेंद्र प्रसाद ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित कर स्वागत किया। दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुरुआत गणेश वंदना के द्वारा आरंभ हुआ। तत्पश्चात आज चार राज्यों वेस्ट बंगाल, उड़ीसा, आजमगढ़ एवं झारखंड के स्थानीय कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक डांस,इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक, ड्राइंग सिंगिंग प्रतिस्पर्धा में 180 प्रतिभागियों ने दमदार दर्शनीय प्रस्तुति देकर दर्शकों की वाहवाही एवं तालियां बटोरी। शनिवार के कार्यक्रम की निर्णायक बंगाल की अनिता दत्ता थीं। काला हीरा के निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने कहा आज के कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, ओडीसी समेत चारों राज्यों के प्रांतीय संस्कृति नृत्य, लोक गायन, वाद्य यंत्र,चित्रकारी प्रतिस्पर्धाओं में कलाकारों ने बहुत ही शानदार एवं प्रसंसनीय प्रस्तुति दी है। कार्यक्रम के दिशा निर्देश में ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के पदाधिकारियों का बहुत बड़ा योगदान है। 13 राज्यों के कलाकार अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार एकत्रित हो रहे हैं। कार्यक्रम के समापन पर आज के प्रतिभागियों में घोषित विजेताओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर अतिथियों ने सम्मानित किया।दर्शकों ने मुक्त कंठ से कलाकारों के प्रतिभा की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन अनुभूति एक एहसास की निर्देशिका सरसी चंद्रा द्वारा बहुत ही शानदार और व्यवस्थित ढंग से की गई।काला हीरा के दूसरे दिन के सफल कार्यक्रम में सरसी चंद्रा सचिव, हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष नरेश राय वाइस प्रेसिडेंट मिताली मुखर्जी, देवनारायण, उत्तम विश्वकर्मा,सतीश कुमार, रविकांतआर कुमार शिवानी, दीक्षा, वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा,सरसी चंद्रा,संजय चंद्रा, यू सी मिश्रा का सराहनीय योगदान रहा।

अब घर बैठे कर सकेंगे केस फाइलिंग और जान सकेंगे मुकदमों की स्थिति

धनबाद में अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिकों को दी गई ई -फाईलिंग की ट्रेनिंग

धनबाद, ई-कोर्ट्स भारत में न्यायिक प्रक्रिया को डिजिटलीकरण और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की एक पहल है। यह परियोजना ई-गवर्नेंस के तहत न्यायपालिका में पारदर्शिता, दक्षता और तेजी लाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2007 में शुरू की गई है। इसके तहत न्यायालयों में ई-फाइलिंग, ऑनलाइन केस ट्रैकिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और डिजिटल दस्तावेज़ प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उपरोक्त बातें शनिवार को धनबाद सिविल कोर्ट में आयोजित ई कोर्टस ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा। इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी , जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनीष, मनीषरंजन, ने किया। अधिवक्ता एवं लिपिकों को संबोधित करते हुए धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि ई कोर्ट सेवा का उद्देश्य लंबित मामलों को कम करने और न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना, नागरिकों की पहुंच आसान बनाना , लोगों को घर बैठे अपने केस की स्थिति जानने, आदेश डाउनलोड करने और डिजिटल माध्यम से सुनवाई में भाग लेने की सुविधा, पारदर्शी और जवाबदेही तरीके से प्रदान करना है। मास्टर ट्रेनर, दीप नारायण एवं जय केसरी ने अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिकों को ईकोर्ट्स के सम्बन्ध मे जानकारी दी। अवर न्यायाधीश सह सचिव, डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि लोग अब अपने मुकदमों के सम्बन्ध में ऑनलाइन केस ट्रैकिंग और आदेश डाउनलोड कर पाएगें। मौके पर जिले के तमाम न्यायिक पदाधिकारी अधिवक्ता ,अधिवक्ता लिपिक, एलएडीसीएस की टीम मौजूद थी।

धनबाद उपायुक्त की पहल पर बिरसा पुल की हुई मरम्मत

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन की पहल पर दामोदर नदी पर स्थित मोहलबनी बिरसा पुल की मरम्मत आज पूरी हो गई है। इस संबंध में उपायुक्त ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि उपरोक्त पुल पर गड्ढों के कारण लोगों को आवा-जाही करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। वर्षा के कारण गड्ढों में जल-जमाव हो जाता था। इसके कारण वाहन चालकों, विशेष कर दोपहिया वाहनों को पुल से गुजरने में दिक्कत हो रही थी।

उक्त मामले पर त्वरित संज्ञान लेकर उपायुक्त ने एनएच डिविजन के कार्यपालक अभियंता को युद्ध स्तर पर पुल की मरम्मत करने का निर्देश दिया। जिसके परिणामस्वरूप पुल पर बने गड्ढों को भरकर सुचारू आवागमन के लिए तैयार कर दिया गया।

झारखंड के मुख्य सचिव ने किया मैथन और पंचेत का दौरा

चिरकुंडा, (धनबाद)। झारखंड सरकार के मुख्य सचिव अलका तिवारी का मैथन और पंचेत का दौरा रहा, पंचेत का हाइडल डेम को देखा, इस दौरान धनबाद उपायुक्त बीबीसी पंचायत के अधिकारी और सीआईएसएफ के अधिकारियों के साथ पंचेत के निर्देशक भवन में वार्ता किया । निदेशक भवन में डीवीसी पंचायत के अधिकारियों ने मुख्य सचिव, धनबाद उपायुक्त एवं निरसा सीडीपीओ को पौधा देकर स्वागत किया। जिला से लेकर प्रखंड स्तरीय तक के सभी अधिकारी मौजूद रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य सचिव का दो दिवसीय दौरा धनबाद में है। डीवीसी के गेस्ट हाउस में रुकी है। शनिवार शाम मैथन मां कल्यानेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना की।

शनिवार को धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

बिना टिकट रेल यात्रा करते हुए 1001 यात्रियों को पकड़ा गया

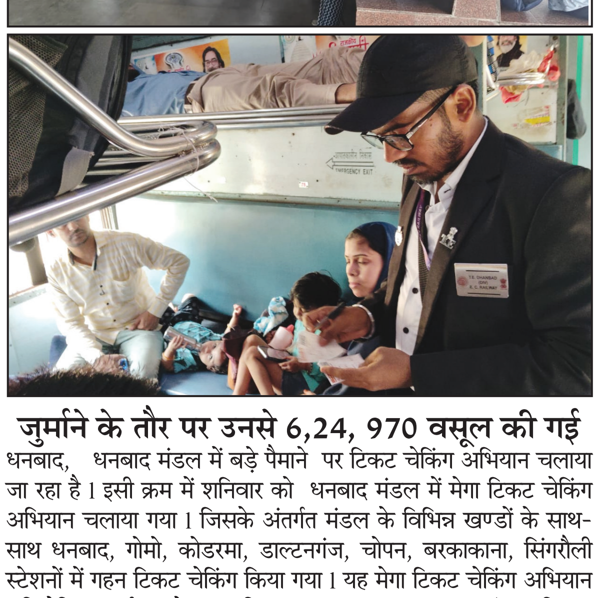

जुर्माने के तौर पर उनसे 6,24, 970 वसूल की गई

धनबाद, धनबाद मंडल में बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत मंडल के विभिन्न खण्डों के साथ-साथ धनबाद, गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों में गहन टिकट चेकिंग किया गया। यह मेगा टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन- रात चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 1001 यात्रियों को पकड़ा गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे 6,24,970 रूपए जुर्माने के रूप में राशि वसूल की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल, एक्स्प्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया। धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह दी। साथ ही यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने की बात कही। उक्त जानकारी हिंदी दैनिक अखबार कोयलांचल संवाद के ब्यूरो चीफ, आर एन चौरसिया को मोहम्मद इकबाल,वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, धनबाद, एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी ने दी।

आईआईएमयूएन कॉन्फ्रेंस 2025 के उद्घाटन समारोह में देव कुमार वर्मा ने प्रतिभावान युवाओं को किया संबोधित

धनबाद, धनबाद स्थित क्रेडो वर्ल्ड स्कूल में आयोजित इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशन्स आईआईएमयूएन कॉन्फ्रेंस 2025 के उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होकर देव कुमार वर्मा ने देशभर से आए प्रतिभाशाली युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर को अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक बताया।

अपने संबोधन में श्री वर्मा ने कहा की, जब देश के कोने-कोने से आए विद्यार्थियों को वैश्विक मंच पर गंभीरता से विमर्श करते देखता हूँ, तो यह विश्वास और भी दृढ़ होता है कि भारत का भविष्य समर्थ, संवेदनशील और जागरूक हाथों में है।साथ ही उन्होंने कहा कि आई आई एम यू एन जैसे आयोजन नई पीढ़ी को संवाद, नेतृत्व और वैश्विक दृष्टिकोण से समृद्ध करते हैं। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में आत्मविश्वास, तथ्यों की गहराई और समाज के प्रति गंभीर जिम्मेदारी झलक रही थी, जो उनके

उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करती है। कॉन्फ्रेंस के दौरान छात्रों ने संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली पर आधारित मॉक सेशनों में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने पर्यावरण, मानवाधिकार, वैश्विक कूटनीति, शांति, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर देव कुमार वर्मा के द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने कहा की पर्यावरण की रक्षा केवल भाषणों से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे कदमों से होती है, और वृक्षारोपण उसका सबसे सरल लेकिन प्रभावशाली माध्यम है।

उन्होंने आयोजकों, शिक्षकों और अभिभावकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं को न केवल बौद्धिक रूप से समृद्ध करते हैं, बल्कि उन्हें सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक जिम्मेदारियों के प्रति सजग भी बनाते हैं। कार्यक्रम के अंत में श्री वर्मा ने सभी प्रतिभागियों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ये युवा ही आने वाले समय में एक सशक्त, समावेशी और पर्यावरण-संवेदनशील भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

निरसा में अवैध कोयला उत्खनन के दौरान चाल धंसने से एक की मौत

चिरकुंडा, (धनबाद), निरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत इसीएल मुग्मा एरिया के निरसा ओसीपी में अवैध उत्खनन के दौरान चाल गिरने से विशाल नामक स्थानीय युवक की मौत हो गई।जैसे ही घटना की सूचना आसपास कोयले के अवैध उत्खनन में लगे लोगों को लगी, वैसे मृतक को मशीन की सहायता से निकाल कर जैसे तैसे घटना स्थल से ले भागे।

मौके पर पहुंचे मुखिया दिनेश सिंह, एवं धमाल पंचायत के पूर्व मुखिया जोगिंदर यादव ने बताया कि, इसमें सरासर इसीएल का प्रबंधन एवं प्रशासन की लापरवाही है। इनकी लापरवाही के कारण, इस प्रकार की घटनाएं हो रही है। लगातार सूचना देने के बावजूद भी, इन पर कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। इसीएल के सुस्त प्रबंधन की लापरवाही के कारण ही इस तरह की घटना घट रही हैं।

कनेक्टकॉन पीआर कॉन्क्लेव 2025 में बोकारो स्टील का दबदबा, पीआर अधिकारी अभिनव को प्रथम पुरस्कार

भिलाई में बजाया बोकारो का डंका, विश्व जनसंपर्क दिवस पर हुआ आयोजन

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग के डिजिटलीकरण और सोशल मीडिया सहित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में देशभर में प्रसिद्धि दिलाने वाले जनसंपर्क अधिकारी अभिनव शंकर ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। शुक्रवार को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग की ओर से विश्व जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित राष्ट्रस्तरीय पीआर कॉन्क्लेव कनेक्टकॉन में अभिनव ने अपनी प्रस्तुति के जरिए प्रथम स्थान प्राप्त कर बोकारो इस्पात परिवार का नाम गौरवान्वित किया।

अभिनव ने अपनी प्रस्तुति में बोकारो स्टील द्वारा एआई एंड यू सहित पीआर क्षेत्र में किए जाने वाले नवोन्मेषी कार्यों की विस्तार से जानकारी दी, जिसे सभी ने खूब सराहा। इतना ही नहीं, ऑन द स्पॉट एड क्रिएशन कॉम्पिटिशन में अभिनव ने सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम

पुरस्कार प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा। कॉन्क्लेव में सेल के राउरकेला, बोकारो, कारपोरेट ऑफिस, वीआईएसएल, सीएसपी सहित जनसंपर्क पेशेवरों, उद्योग विशेषज्ञों और विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर प्रभावी संचार रणनीतियों एवं सम्बंधित विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा निर्मित कई लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम को रोचक बनाने के उद्देश्य से एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को मौके पर ही उपहार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में वरिष्ठ प्रबंधक (जनसंपर्क, बीएसएल) अभिनव शंकर ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। महाप्रबंधक (एचआर एवं पीआर, वीआईएसएल) एल. प्रवीण कुमार को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि उपमहाप्रबंधक (एसएसएस-3, बीएसपी) नितिन अग्निहोत्री तृतीय स्थान पर रहे। प्रोत्साहन पुरस्कार समन्विता घोष ने जीता।

जनसंपर्क अब संस्थागत विकास का रणनीतिक आधार : महापात्रा

इसके पूर्व, कार्यक्रम का उद्घाटन भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चितरंजन महापात्रा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कनेक्ट, कम्युनिकेट, क्रिएट थीम पर आधारित इस एक दिवसीय कॉन्क्लेव का उद्देश्य जनसंपर्क के क्षेत्र में नवीनतम प्रवृत्तियों, चुनौतियों, अवसरों और बदलते रुझान पर गहन विचार-विमर्श करना था।

कार्यक्रम में बीएसपी सहित विभिन्न संयंत्रों के कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे। श्री महापात्रा ने कनेक्टकॉन-2025 के आयोजन हेतु जनसंपर्क विभाग को बधाई दी व अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जनसंपर्क की भूमिका अब केवल मीडिया प्रबंधन तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह किसी भी संगठन के संस्थागत विकास का एक रणनीतिक आधार बन चुका है।

टॉप इनोवेटर से नवाजे जा चुके हैं अभिनव, एआई न्यूज एंकरिंग प्रणाली की है विकसित

बता दें कि बीएसएल की पीआर टीम तकनीकी मामले में काफी दक्ष साबित हो रही है। इसे अभिनव के अभिनव प्रयासों ने काफी गति दी है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में उन्हें टॉप इनोवेटर के तौर पर भी नवाजा जा चुका है, जिसके लिए सेल चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश ने उन्हें प्रशस्ति-पत्र भी दिया था।

बीएसएल पीआर टीम के युवा प्रबंधक अभिनव ने समाचार प्रस्तुति के लिए प्रगति नाम एआई वॉइस सह- विजुअल मॉडल का विकास स्वयं किया है। सिग्नल प्रोसेसिंग, साउंड इंजीनियरिंग और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग जैसी तकनीक का उपयोग करते हुए उन्होंने इसे तैयार किया। सेल अध्यक्ष ने स्वयं इसका उद्घाटन करते हुए खूब सराहा था। इस मॉडल में एआई वॉइस को बिना किसी बाहरी एजेंसी की सहायता के पूरी तरह से इन-हाउस विकसित किया गया है और लैंग्वेज लर्निंग के लिए इसे हार्वर्ड के मशीन लर्निंग मॉडल नेपच्यून 3.0 पर विकसित किया गया है। यह एआई वॉइस अपने हिंदी वॉइस मॉड्यूलेशन और टोनालिटी में अपने नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग की फाइन ट्यूनिंग की वजह से न केवल हिंदी के कठिन से कठिन शब्द का सटीक उच्चारण करने में समर्थ है, बल्कि अंग्रेजी के शब्दों को भी भारतीय स्वर-शैली में प्रोसेस करता है, जिससे बिना किसी रोबोटिक टोन के यह एक स्वाभाविक आवाज सी प्रतीत होता है और इस लिहाज से यह सेल ही नहीं, बल्कि देश में फिलहाल हिंदी का सबसे उन्नत एआई वॉइस मॉडल है। बोकारो दर्पण नामक कार्यक्रम के तहत प्रगति नामक एआई न्यूज एंकर हर दिन बीएसएल की खबरें पढ़ती है और संबंधित वीडियो के साथ उसे यू-ट्यूब एवं अन्य सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित किया जाता है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।